सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

वार्षिक रिपोर्ट

2021-22

nidm

Resilient India - Disaster Free India

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

(गृह मंत्रालय, भारत सरकार)

वार्षिक रिपोर्ट
2021–22

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
(गृह मंत्रालय, भारत सरकार)
प्लॉट नं. 15, पॉकेट–3, ब्लॉक–बी, सेक्टर–29, रोहिणी, दिल्ली–110042
वेबसाईटः https://nidm.gov.in

वार्षिक रिपोर्ट एनआईडीएम 2021–22

कॉपीराइट © 2022, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, दिल्ली

प्रकाशक

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
(गृह मंत्रालय, भारत सरकार),
प्लॉट नंबर 15, पॉकेट–3, ब्लॉक–बी,
सेक्टर–29, रोहिणी, दिल्ली–110042
वेबसाइट: www.nidm.gov.in

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

दृष्टिकोण

''भारत में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन पर प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए एक प्रमुख संस्थान बनना और क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी संस्थानों में से एक के रूप में पहचान स्थापित करना। सभी स्तरों पर आपदा निवारण और तैयारी की संस्कृति को विकसित करना और उसे बढ़ावा देकर आपदा-मुक्त भारत निर्माण की दिशा में निरंतर प्रयास करते रहना''

विषय सूची

		पृष्ठ सं.
1	सिंहावलोकन	1
2	संगठनात्मक व्यवस्था	7
3	प्रशिक्षण कार्यक्रम	15
4	परियोजनायें	23
5	ज्ञान प्रबंधन और जागरूकता गतिविधियां	43
6	कार्यशालाएं/सेमिनार/सम्मेलन	53
7	वित्त एवं लेखा	63
8	अनुलग्नक	85

nidm
Resilient India - Disaster Free India

ताज हसन, भा. पु. से.
कार्यकारी निदेशक

Taj Hassan, IPS
Executive Director

सत्यमेव जयते
आज़ादी का अमृत महोत्सव

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
National Institute of Disaster Management
(गृह मंत्रालय, भारत सरकार)
Ministry of Home Affairs, Govt. of India
प्लॉट नं. 15, ब्लॉक बी, पॉकेट 3,
सेक्टर 29, रोहिणी, दिल्ली – 110042
Plot No. 15, Block B, Pocket 3,
Sector 29, Rohini, Delhi-110042



कार्यकारी निदेशक के लेखन पटल से

महामारी ने हम सभी की गंभीर परीक्षा ली। हमारी सभी अग्रिम पंक्ति की टीमों के प्रति मेरा हार्दिक आभार जिन्होंने अपनी व्यक्तिगत प्राथमिकताओं को अलग रखकर दूसरों की सहायता के लिए निस्वार्थ भाव से काम किया।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली की वर्ष 2021–22 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। रिपोर्ट में वैश्विक स्तर पर कोविड–19 महामारी पर जोर देते हुए आपदा जोखिम प्रबन्धन सम्बन्धी ज्ञान के प्रसार में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) के महत्वपूर्ण योगदान को शामिल किया गया है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान का गठन भारत और क्षेत्र में क्षमता विकास के लिए प्रमुख संस्थान की भूमिका निभाने की दृष्टि से संसद के एक अधिनियम के तहत किया गया था। आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत, एनआईडीएम को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास, क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण, अनुसंधान, प्रलेखन और नीति समर्थन के लिए नोडल जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। एनआईडीएम ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण को राष्ट्रीय एजैंडा के शीर्ष पर लाने तथा विभिन्न स्तर पर हितधारकों, विशेषकर राज्य सरकार के संस्थानों और एजेंसियों के डीआरआर पर ज्ञान अंतराल को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

न्यूनीकरण तभी संभव है जब सभी हितधारकों को शामिल करते हुए ''समुत्थानशीलता सृजन की संस्कृति'' को बढ़ावा दिया जाए। हम केंद्र, राज्य और स्थानीय सरकारों के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों, भारत और विदेशों में अकादमिक, अनुसंधान और तकनीकी संगठनों और द्वि–पक्षीय और बहुपक्षीय अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से काम करते हैं।

महामारी के दौरान, एनआईडीएम ने अपने सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्चुअल प्लेटफॉर्म जैसे ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम, वेबिनार, ऑनलाइन कार्यशालाएं/सेमिनार/सम्मेलन आदि के माध्यम से आयोजित किए। एनआईडीएम

अब परिसर के अंदर और बाहर और अधिक आमने-सामने प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कमर कस रहा है। संस्थान ने 2021-22 के दौरान 746 प्रशिक्षण/वेबिनार/कार्यशालाएं और अन्य कार्यक्रम आयोजित करके 181951 प्रतिभागियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है।

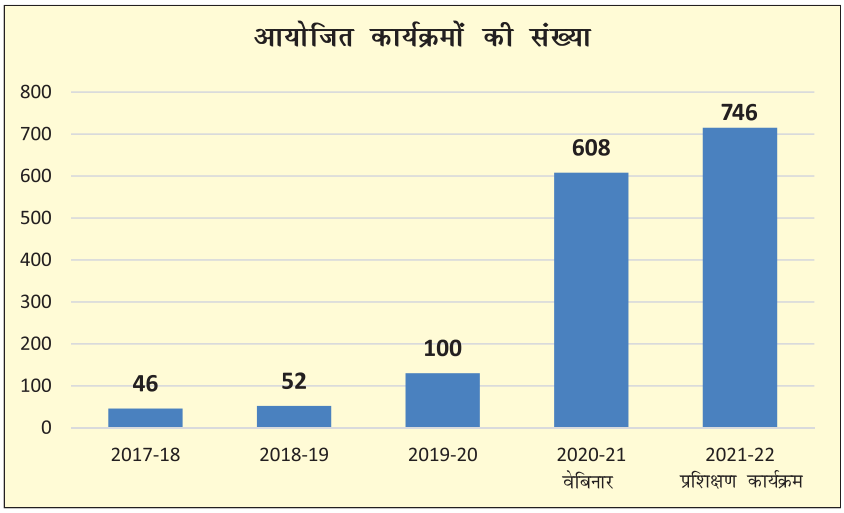
हमारा ध्येय आपदा रोकथाम की तैयारी और शमन पर ज्ञान कौशल को मज़बूत करने के लिए सभी स्तरों पर क्षमता निर्माण करके एक 'आपदा समुत्थानशील भारत' बनाना है। संस्थान के संकाय और कर्मचारियों के पूरे दिल से किए गए सहयोग के साथ यह कार्य निष्पादित किया गया। मैं गृह मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और अन्य सरकारी विभागों, संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा दिए गए सहयोग के लिए अपना आभार ज्ञापित करना चाहता हूं।

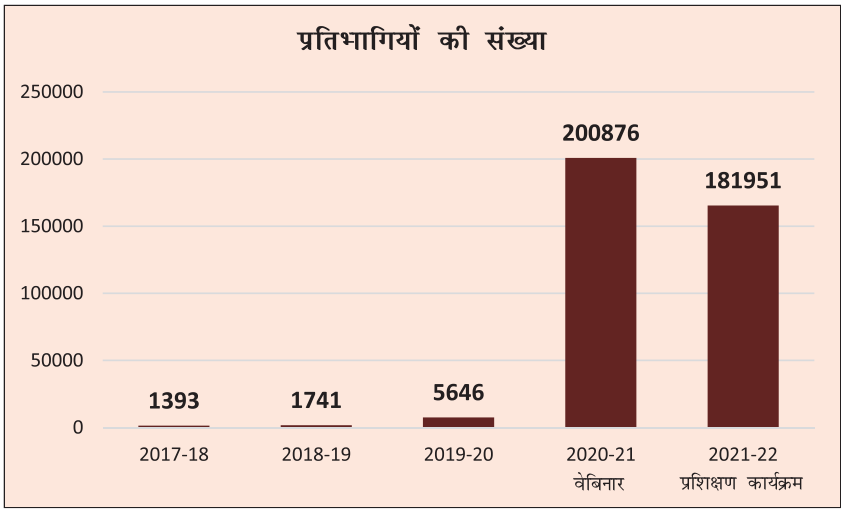
हम देश को सतत विकास के साथ एक सुरक्षित और आपदा समुत्थानशील जीवन देने के लिए अथक प्रयास जारी रखेंगे।

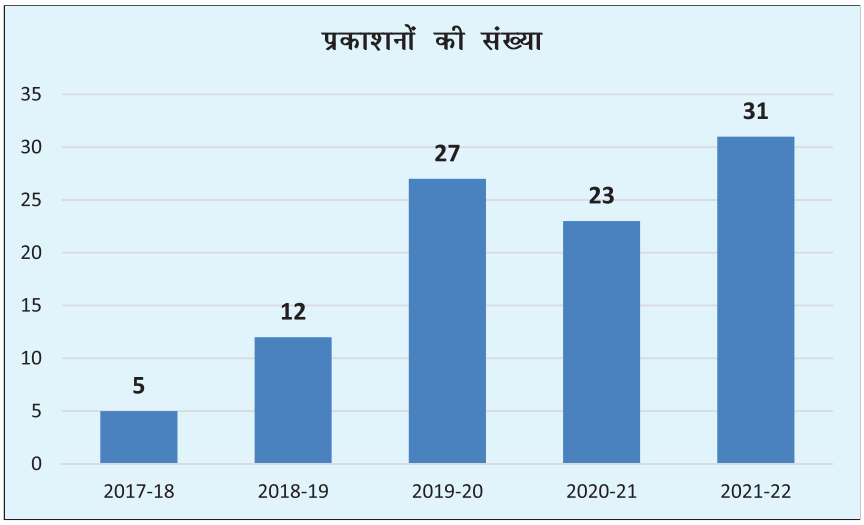
ताज हसन,
कार्यकारी निदेशक,
एनआईडीएम

गतिविधियों की समीक्षा

इस वर्ष, 432 एक दिवसीय वेबिनार आयोजित किए गए और जिनमें 90171 प्रतिभागियों ने भाग लिया। तत्पश्चात् 88572 प्रतिभागियों के लिए 255 तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के लिए आयोजित वेबिनार/प्रशिक्षण कार्यक्रमों में समग्र रूप से वृद्धि हुई। 28 आमने-सामने के कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें 1928 प्रतिभागियों ने भाग लिया। 2021–22 में, सभी 36 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को इसमें शामिल किया गया। इसके अलावा, कुल 31 ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें इस वर्ष 1280 प्रतिभागी अपनी रुचि के पाठ्यक्रमों में शामिल हुए। पिछले वर्ष एनआईडीएम द्वारा प्रकाशित प्रकाशनों की कुल संख्या 31 थी। निम्नलिखित ग्राफिक चित्रण एनआईडीएम में विगत वर्षों के दौरान विभिन्न गतिविधियों में सापेक्ष वृद्धि को संक्षेप में प्रस्तुत करते हैं।






प्रकाशनों की संख्या
35
30
25
20
15
10
5
0
5
12
27
23
31
2017-18
2018-19
2019-20
2020-21
2021-22

अध्याय 1

सिंहावलोकन

अध्याय-1

सिंहावलोकन

1.1 संस्थान के बारे में

आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के अधीन 30.10.2006[1] को गठित राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) को आपदा प्रबंधन नीतियों, निवारक तंत्र और शमन उपायों[2] के संबंध में आपदा प्रबंधन प्रलेखीकरण और राष्ट्रीय स्तर का सूचना आधार तैयार करने के क्षेत्र में योजना बनाने और प्रशिक्षण एवं अनुसंधान को प्रोत्साहन देने का दायित्व सौंपा गया है। भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन केंद्र से 16 अक्टूबर, 2003 को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) के रूप में पुन: अधिकारिक नामकरण के बाद से एनआईडीएम सभी स्तरों पर आपदा नियन्त्रण और इसके लिए तैयार रहने की संस्कृति का विकास करके तथा इसे बढ़ावा देकर एक आपदा जागरुक भारत तैयार करने के अपने लक्ष्य की ओर निंतर अग्रसर है।

1.2 प्रबंधन संरचना

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान नियम, 2006 के अनुसार, संस्थान के 2 निकाय है, नामत:, संस्थान और शासी निकाय। संस्थान में 42 सदस्य हैं जिनमें प्रसिद्ध वैज्ञानिकों और डीआरआर व्यवसायिकों के अतिरिक्त भारत सरकार और राज्य सरकारों के विभिन्न नोडल मंत्रालयों/विभागों के सचिव, राष्ट्रीय स्तर के संबंधित वैज्ञानिक, अनुसंधान और तकनीकी संगठनों के अध्यक्ष हैं। केंद्रीय गृह मंत्री इस संस्थान के अध्यक्ष हैं। एनआईडीएम राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा निर्धारित व्यापक नीतियों और दिशा-निर्देशों के अधीन कार्य कर रहा है। संस्थान की शासी परिषद् में 15 सदस्य हैं जिसके अध्यक्ष राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष हैं और गृह सचिव उपाध्यक्ष[3] हैं। संस्थान के दैनिक प्रशासन का संचालन कार्यकारी निदेशक द्वारा किया जाता है। संस्थान के निम्नलिखित शैक्षिक विभाग हैं:-

- सुशासन एवं समावेशी डीआरआर प्रभाग (जीआईडीआरआर)
- आपदा प्रतिक्रिया और रिकवरी प्रभाग (डीआर आरडी)
- भौगोलिक-मौसम संबंधी जोखिम प्रबंधन प्रभाग (जीएमआरडी)
- आपदा समुत्थानशील संरचना प्रभाग (आर आईडी)
- सीबीआरएन और साइबर जोखिम प्रबंधन प्रभाग (सीआरएमडी)
- पर्यावरणीय आपदा जोखिम प्रबंधन प्रभाग (ईसीडीआरएम)

इसके अलावा, संस्थान के 21 केंद्र और 7 कार्यात्मक समन्वय प्रकोष्ठ हैं।

1.3 परिकल्पना

भारत में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन पर प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए एक अग्रणी उत्कृष्टता प्राप्त संस्थान बनना और इस क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक अग्रणी संस्थान के रुप में अपनी पहचान बनाना। सभी स्तरों पर आपदा रोकने और इसकी तैयारी करने की संस्कृति का विकास और संवर्धन करके एक आपदामुक्त भारत के निर्माण के प्रति निरंतर प्रयास करना[4]।

[1]एनआईडीएम का गठन 30.10.2006 से एस.ओ. 1862(ई) द्वारा किया गया है।
[2]आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005, धारा 42(8)
[3]एनआईडीएम नियम, 2006 की धारा 6
[4]प्रबंधन समिति की दूसरी बैठक

1.4 मिशन

- नीति निर्माण में सहायता देकर सरकार के लिए एक विचारक मंडल के रूप में कार्य करना;
- निम्नलिखित द्वारा आपदाओं के दुष्परिणामों और प्रभावों को कम करने में सहायता देना;
  - ❖ प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण सेवाओं की आयोजना और संवर्धन;
  - ❖ अनुसंधान, प्रलेखीकरण और राष्ट्रीय स्तर का सूचना आधार तैयार करना;
  - ❖ आपदा के लिए प्रभावी ढंग से तैयारी करने और राहत के लिए पद्धति विकास और सुविज्ञता को प्रोत्साहित करना;
  - ❖ जागरूकता को बढ़ावा देना और सभी हितधारकों के ज्ञान और कौशल में वृद्धि करना;
  - ❖ सभी संबंधितों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए संस्थानिक तंत्र का सुदृढ़ीकरण;
  - ❖ नेटवर्किंग और सूचना, अनुभव और सुविज्ञता के आदान प्रदान को सुगम बनाना[5]।

1.5 कार्य

आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के अधीन संस्थान को निम्न कार्य सौंपे गए हैं:–

- आपदा प्रबंधन में प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करना, आपदा प्रबंधन में अनुसंधान और प्रलेखन करना और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना;
- आपदा प्रबंधन के सभी पहलुओं को समाहित करते हुए एक व्यापक मानव संसाधन विकास योजना का निर्माण और कार्यान्वयन;
- राष्ट्रीय स्तर की नीति तैयार करने में सहायता प्रदान करना;
- विभिन्न हितधारकों के लिए प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रमों के विकास के लिए प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थानों को आवश्यक सहायता प्रदान करना;
- राज्य स्तरीय नीतियों, रणनीतियों, आपदा प्रबंधन ढांचे के निर्माण और क्षमता निर्माण के लिए आवश्यक अन्य सहायता के रूप में राज्य सरकार और राज्य प्रशिक्षण संस्थानों को सहायता प्रदान करना;
- शैक्षिक और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों सहित आपदा प्रबंधन के लिए शैक्षिक सामग्रियों का विकास;
- कॉलेज या स्कूल के शिक्षकों और छात्रों, तकनीकी कर्मियों और बहु–जोखिम न्यूनीकरण, तैयारियों और प्रतिक्रिया उपायों से जुड़े अन्य लोगों सहित हितधारकों के बीच जागरूकता को बढ़ावा देना;
- उपरोक्त उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए देश के भीतर और बाहर अध्ययन पाठ्यक्रम, सम्मेलनों, व्याख्यानों, सेमिनारों को आयोजित करना और सुगम बनाना;
- पत्रिकाओं, शोध पत्रों और पुस्तकों के प्रकाशन के लिए सहायता प्रदान करना और पुस्तकालयों की स्थापना और रख–रखाव आदि;
- उपरोक्त उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सहायक तथा प्रासंगिक अन्य सभी विधि सम्मत कार्य करना; तथा
- केंद्र सरकार द्वारा सौंपे जाने वाले अन्य कार्यों का निष्पादन ।

1.6 प्रमुख क्षेत्र

1.6.1 प्रशिक्षण

i. **आमने–सामने प्रशिक्षण:** एनआईडीएम सरकारी कर्मचारियों और अन्य हितधारकों के लिए व्यापक विषयों और क्षेत्रों को कवर करते हुए

[5]प्रबंधन समिति की पहली बैठक की कार्यसूची
[6]आपदा प्रबंधन अधिनियम, धारा 42(9)

विभिन्न विषयों पर परिसर में और परिसर के बाहर दोनों जगह प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

ii. **वेब आधारित ऑनलाइन प्रशिक्षण:** यह संस्थान आपदा प्रबंधन से सबंधित विभिन्न विशेष विषयों पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। प्रयोक्ता रजिस्टर करके ऑनलाइन अध्ययन पोर्टल का प्रयोग कर सकते हैं।

iii. **स्व–अध्ययन पाठ्यक्रम:** संस्थान ने वेब आधारित स्व–अध्ययन पाठ्यक्रम शुरू किए हैं जिसके लिए, कोई भी, किसी भी समय लॉग–ऑन कर सकता है और इन पाठ्यक्रमों के अध्ययन से सीख सकता है।

1.6.2 अनुसंधान और प्रलेखीकरण

एनआईडीएम देश में होने वाली बड़ी आपदाओं का प्रलेखीकरण करता है ताकि इसके प्रबंधन से सबक लिया जा सके और इन मामलों के अध्ययन का प्रयोग प्रशिक्षण कक्षाओं के लिए संसाधन सामग्री और अनुकरण अभ्यास के लिए किया जा सके।

1.6.3 नीति अध्ययन और सहायता

ज्ञान और अनुसंधान संस्थान होने के नाते एनआईडीएम गृह मंत्रालय, एनडीएमए और अन्य हितधारकों को राष्ट्रीय स्तर के दिशा–निर्देश, नीतियां और योजनायें आदि तैयार करने में सहायता प्रदान करता है। एनआईडीएम राज्य स्तर की नीतियां, रणनीतियां, आपदा प्रबंधन ढांचा तैयार करने में राज्य सरकारों और राज्य प्रशिक्षण संस्थानों तथा हितधारकों के क्षमता निर्माण और उनके (राज्य सरकारों या राज्य प्रशिक्षण संस्थानों) द्वारा अपेक्षित कोई अन्य सहायता भी प्रदान करता है।

1.6.4 ज्ञान एकीकरण

एनआईडीएम नेटवर्किंग, प्रशिक्षण, शोध, प्रलेखीकरण आदि के लिए कार्यक्रम आधारित गतिविधियों पर कई राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञ संस्थानों के साथ सहयोग द्वारा ज्ञान एकीकरण करता है।

*****

अध्याय 2

संगठनात्मक व्यवस्था

अध्याय-2

संगठनात्मक व्यवस्था

केंद्रीय गृह मंत्री इस संस्थान के अध्यक्ष हैं, और कार्यकारी निदेशक इसके पदेन सदस्य सचिव हैं।

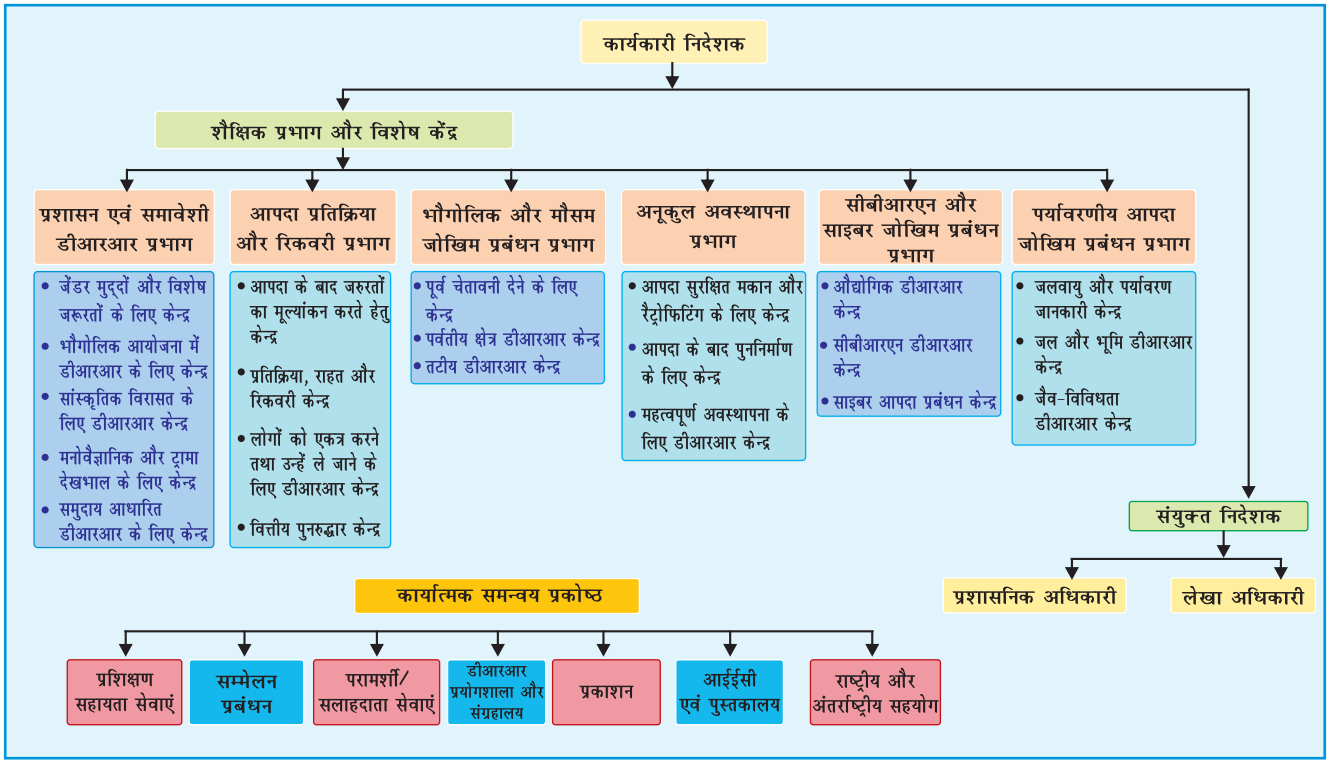
संस्थान में 42 सदस्य हैं, जिनमें भारत सरकार और राज्य सरकारों के विभिन्न नोडल मंत्रालयों एवं विभागों के सचिव और राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक, अनुसंधान और तकनीकी संस्थानों के अध्यक्षों के अलावा प्रसिद्ध विद्वान, वैज्ञानिक और डीआरआर व्यवसायी शामिल हैं, **(अनुलग्नक-।: संस्थान के सदस्यों की सूची)**

संस्थान की एक शासी परिषद है जिसके अध्यक्ष राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष हैं और केंद्रीय गृह सचिव संस्थान के शासी परिषद् के उपाध्यक्ष हैं।

(अनुलग्नक-।।: संस्थान के शासी परिषद् के सदस्यों की सूची)

संस्थान के छः प्रभाग और 21 विशेष केंद्र हैं जिनकी सहायता के लिए 7 कार्यात्मक समन्वय प्रकोष्ठ हैं। (चित्र 2.1)

2.1 संगठनात्मक ढांचा



चित्र 2.1

एनआईडीएम की नियोजित शैक्षिक और कार्यात्मक संरचना

तालिका 2.1: एनआईडीएम के कार्यकारी अधिकारी

क) कार्यकारी निदेशक

क्र.सं.	नाम	अवधि
1.	श्री ताज हसन, आईपीएस	कार्यकारी निदेशक, एनआईडीएम (अतिरिक्त प्रभार) (30.01.2022 से आज तक)
2.	मेजर जनरल मनोज कुमार बिंदल, वी.एस.एम	कार्यकारी निदेशक (01.06.2019 से 30.01.2022 तक)

ख) संयुक्त निदेशक

क्र.सं.	नाम	अवधि
3.	लेफ्टिनेंट कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ठ	संयुक्त निदेशक (14.11.2019 से 07.10.2021 तक)

ग) परामर्शदाता

क्र.सं.	नाम	अवधि
4.	श्री सुरेन्द्र ठाकुर	परामर्शदाता (11.09.2019 से आज तक) तथा प्रभारी संयुक्त निदेशक (07.10.21 से आज तक)
5.	श्री आशीष कुमार पांडा	परामर्शदाता (06.09.2019 से 30.06.2021 तक)

तालिका 2.2: प्रभागवार एनआईडीएम की संकाय सूची

1. सुशासन और समावेशी डीआरआर प्रभाग (जीआईडीआरआर)		
प्रो. संतोष कुमार		प्रोफेसर एवं प्रमुख
प्रभाग के साथ संबद्ध केंद्र		केंद्र के प्रभारी संकाय सदस्य
1.	लैंगिक मुद्दों और विशेष आवश्यकताओं के लिए केंद्र (जीआईएन)	डॉ. अजिन्दर वालिया, सहायक प्रोफेसर
2.	भौगोलिक आयोजना में डीआरआर के लिए केंद्र (जीपीएल)	
3.	सांस्कृतिक विरासत केंद्र (सीएचआर)	
4.	मनोवैज्ञानिक तथा ट्रामा देखरेख केंद्र (पीटीसी)	डॉ. अजिन्दर वालिया, सहायक प्रोफेसर
5.	समुदाय आधारित डीआरआर केंद्र (सीबीडीआरआर)	

2. आपदा प्रतिक्रिया और रिकवरी प्रभाग (डीआरआरडी)		
प्रो. संतोष कुमार		प्रोफेसर एवं प्रमुख
प्रभाग के साथ संबद्ध केंद्र		केंद्र के प्रभारी संकाय सदस्य
1.	आपदा पश्चात् आवश्यकता मूल्यांकन केंद्र (पीडीएनए)	
2.	प्रतिक्रिया, राहत और रिकवरी केंद्र (आरआरआर)	श्री शेखर चतुर्वेदी, सहायक प्रोफेसर
3.	लोगों को एकत्र करने और उन्हें ले जाने के लिए डीआरआर केन्द्र	श्री शेखर चतुर्वेदी, सहायक प्रोफेसर
4.	वित्तीय पुनरुद्धार केंद्र (एफआर)	
3. भू–मौसम संबंधी जोखिम प्रबंधन प्रभाग (जीएमआरडी)		
डॉ. सूर्य प्रकाश		प्रोफेसर एवं प्रमुख
प्रभाग के साथ संबद्ध केंद्र		केंद्र के प्रभारी संकाय सदस्य
1.	पूर्व चेतावनी संचार केंद्र (ईडब्लयूसी)	-
2.	पर्वतीय क्षेत्र डीआरआर केंद्र (एचएडीआरआर)	-
3.	तटीय डीआरआर केंद्र (सीडीआरआर)	-
4. समुत्थानशील अवसंरचना प्रभाग (आरआईएफडी)		
डॉ. चंदन घोष		प्रोफेसर एवं प्रमुख
प्रभाग के साथ संबद्ध केंद्र		केंद्र के प्रभारी संकाय सदस्य
1.	आपदा सुरक्षित मकान और रेट्रोफिटिंग केंद्र (डीएसएचआर)	–
2.	महत्वपूर्ण अवसंरचना डीआरआर केंद्र (सीआईडी)	–
3.	आपदा पश्चात् पुनर्निर्माण केंद्र (पीडीआर)	डॉ आमिर अली खान
5 सीबीआरएन और साइबर जोखिम प्रबंधन प्रभाग (सीआरएमडी)		
डॉ. सूर्य प्रकाश (09.07.2021 से आज तक)		प्रोफेसर एवं प्रमुख
डॉ. आमिर अली खान (25.07.2018 से 8.07.2021 तक)		सहायक प्रोफेसर एवं प्रमुख
प्रभाग के साथ संबद्ध केंद्र		केंद्र के प्रभारी संकाय सदस्य
1.	औद्योगिक डीआरआर केंद्र (आईएनडी)	–
2.	सीबीआरएन डीआरआर केंद्र (सीबीआरएन)	–
3.	साइबर आपदा प्रबंधन केंद्र (सीवाईडी)	–

6. पर्यावरणीय आपदा जोखिम प्रबंधन प्रभाग (ईडीआरएम)		
डॉ. अनिल कुमार गुप्त		प्रोफेसर एवं प्रमुख
प्रभाग के साथ संबद्ध केंद्र		केंद्र के प्रभारी संकाय सदस्य
1.	जलवायु अनुकूलन और पर्यावरण केंद्र (सीआरई)	डॉ. सुषमा गुलेरिया, सहायक प्रोफेसर
2.	जल और भूमि डीआरआर केंद्र (डब्ल्यूएलडी)	डॉ. सुषमा गुलेरिया, सहायक प्रोफेसर
3.	वन और जैव-विविधता डीआरआर केंद्र (एफबीडी)	श्री आशीष कुमार पांडा, परामर्शदाता (30.06.2021 तक)
7. कार्यात्मक समन्वय प्रकोष्ठ		
1.	प्रशिक्षण सहायता सेवाएँ (टीसीएस)	1. सुश्री ऋतु सूद, प्रशासनिक अधिकारी
2.	सम्मेलन प्रबंधन (सीएफएम)	
3.	परामर्शी/सलाहकार सेवाएँ (सीएएस)	1. डॉ. अनिल कुमार गुप्त, प्रोफेसर एवं प्रमुख 2. श्री शेखर चतुर्वेदी, सहायक प्रोफेसर 3. सुश्री ऋतु सूद, प्रशासनिक अधिकारी
4.	डीआरआर प्रयोगशाला और संग्रहालय (डीएलएम)	1. डॉ. चन्दन घोष, प्रोफेसर 2. डॉ. आमिर अली खान, सहायक प्रोफेसर 3. सुश्री ऋतु सूद, प्रशासनिक अधिकारी
5.	प्रकाशन (पीयूबी)	1. श्री संतोष कुमार तिवारी, पुस्तकालयाध्यक्ष
6.	आईईसी और पुस्तकालय (आईईएल)	1. श्री संतोष कुमार तिवारी, पुस्तकालयाध्यक्ष 2. सुश्री जया, पुस्तकालय अटैंडेंट
7.	राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग (एनआईसी)	1. डॉ. संतोष कुमार, प्रोफेसर एवं प्रमुख 2. डॉ. अनिल कुमार गुप्त, प्रोफेसर एवं प्रमुख 3. डॉ. सुषमा गुलेरिया, सहायक प्रोफेसर

2.2 सामान्य प्रशासन

संस्थान के कार्यकारी निदेशक संस्थान के प्रशासन के लिए जिम्मेदार हैं और शासी परिषद् के निर्देश और मार्गदर्शन के अधीन कार्य करते है। कार्यकारी निदेशक की सहायता के लिए संयुक्त निदेशक, लेखा अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी हैं। संस्थान के प्रशासन में मुख्यतया समन्वय, सांविधिक बैठकों का आयोजन, स्थापना और कार्मिक प्रबंधन, सुरक्षा, परिसर सहायता सेवाएं और कर्मचारियों का कल्याण शामिल है। यह कार्यक्रमों के अबाध आयोजन के लिए आवश्यक अवस्थापना और प्रबंधकीय सहायता प्रदान करके संस्थान के शोध, प्रशिक्षण और परामर्शी कार्यों में मदद करता है। एनआईडीएम के कर्मचारियों की सूची तालिका 2.3 में दी गई है।

तालिका 2.3: एनआईडीएम के कर्मचारी

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1.	सुश्री ऋतु सूद	प्रशासनिक अधिकारी
2.	श्री एस.एस. बिष्ट	लेखा अधिकारी
3.	श्री हेमंत कुमार	कंप्यूटर प्रोग्रामर
4.	श्री संतोष कुमार तिवारी	पुस्तकालयाध्यक्ष
5.	श्री अविनाश कुमार पाण्डेय	निजी सचिव
6.	श्री जे.एन. झा	कनिष्ठ अभियन्ता
7.	सुश्री अमृता गुप्ता	वैयक्तिक सहायक
8.	सुश्री संतोष मिश्रा	प्रशिक्षण सहायक
9.	सुश्री गीता शर्मा	प्रशिक्षण सहायक
10.	श्री राजीव कुमार	प्रशिक्षण सहायक
11.	श्री अमर सिंह	मशीन ऑपरेटर
12.	सुश्री जया	पुस्तकालय अटैंडेंट
13.	श्री लक्ष्मण सिंह	मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस)
14.	श्री विजय कनौजिया	मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) (23.04.2021 तक)
15.	श्री पंकज कुमार	मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस)

2.3 हिंदी का प्रगामी प्रयोग

एनआईडीएम का हिंदी प्रकोष्ठ कार्यालय के दैनिक कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को सुगम बनाने के लिए पूर्णतया सक्रिय है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, चालू वर्ष में चार हिंदी प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की गईं, जिनमें लगभग 94 अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया, जो आधिकारिक कामकाज की अनिवार्यताओं के अधीन था। एनआईडीएम द्वारा तिमाही प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से निर्धारित नियमों के अनुसार गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग को भेजी जाती है।

ईडी, एनआईडीएम की अध्यक्षता में गठित विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यालय में राजभाषा नियमों/अधिनियमों आदि के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए त्रैमासिक आधार पर नियमित रूप से बैठक करती है। चालू वर्ष के दौरान इस समिति की चार बैठकें हो चुकी हैं। एनआईडीएम ने प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, दिल्ली की अध्यक्षता में 27 जनवरी 2022 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की 8 वीं वेब बैठक में भी भाग लिया।

एनआईडीएम में14 सितंबर, 2021 को हिंदी दिवस मनाया गया और इस अवसर पर एक हिंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 41 अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता के विजेताओं को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। राजभाषा विभाग के निर्देशों के अनुपालन में कार्यालय में राजभाषा नियमों/अधिनियमों के कार्यान्वयन के लिए जांच बिन्दु बनाए गए हैं।

गृह मंत्रालय के निर्देशों के अनुरूप वर्ष 2020–21 की वार्षिक रिपोर्ट की प्रतियां हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में गृह मंत्रालय को भेजी गईं। इसके अलावा, हिंदी प्रकोष्ठ इस अवधि के दौरान आधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियों, भाषणों, आधिकारिक वेबसाइट के महत्वपूर्ण अध्यायों, आईडीआरएन पुस्तिकाओं, प्रशिक्षण मॉड्यूल, आपदा प्रबंधन के विभिन्न विषयों पर पुस्तकों और आधिकारिक कार्यों की नियमित मदों के अनुवाद में सक्रिय रूप से शामिल रहा है।

*****

अध्याय 3

प्रशिक्षण कार्यक्रम

अध्याय-3

प्रशिक्षण कार्यक्रम

आपदा प्रबंधन में संलग्न पदाधिकारियों की क्षमता निर्माण पर जोर देना संस्थान के प्रमुख प्रयासों में से एक रहा है। इस प्रयास के रूप में, आपदा जोखिम न्यूनीकरण के संबंध में विभिन्न क्षमता निर्माण मुद्दों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) द्वारा नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं । कार्यक्रम उपलब्ध कराने की विधि के आधार पर इन्हें वर्गीकृत किया गया है:

i. आमने-सामने प्रशिक्षण

ii. ऑनलाइन प्रशिक्षण

iii. स्व-अध्ययन

एनआईडीएम ने, वर्तमान महामारी की स्थिति में, कार्यक्रमों के संचालन की निरंतरता बनाए रखने और आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 द्वारा सौंपे गए दायित्वों को पूरा करने के लिए, अपने कार्यकरण में ऑनलाइन मोड में कार्यक्रमों के संचालन की पद्धति को जोड़ा है। इन कार्यक्रमों को वेबिनार और ई-प्रशिक्षण कार्यक्रम कहा गया है। नवम्बर 2021 से एनआईडीएम ने वेबिनार और ऑनलाईन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ-साथ आमने-सामने प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन भी आरम्भ कर दिया है

एनआईडीएम आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न उपयोगकर्ता समूहों को अपनी सेवायें प्रदान करता है। एनआईडीएम सरकारी अधिकारियों, सिविल समाज संगठनों (आपदा प्रबंधन पेशेवरों), सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, शिक्षाविदों तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों (सरकारी विभागों, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों, अंतर्राष्ट्रीय स्वंय सेवी संगठनों) को प्रशिक्षण प्रदान करता है ।

3.1 उद्देश्य

नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) को मुख्यधारा में लाने के लिए कौशल प्रदान करना, एनआईडीएम का प्राथमिक उद्देश्य है। आपदा प्रबंधन कर्मियों और अन्य पेशेवरों, जो आपदा और विकास गतिविधियों में लगे हुए हैं, को केंद्रीकृत और उपयुक्त प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के लिए, एनआईडीएम के प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ तैयार किए गए हैं:

- प्रभावी कार्यक्रम योजना और कार्यान्वयन के लिए जागरूकता पैदा करना, कौशल में सुधार करना और विकास कार्यकर्ताओं के ज्ञान को विस्तृत करना;
- सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों के संदर्भ में आपदा प्रबंधन क्षेत्र में उभरती जरूरतों के प्रति केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के विकास विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को संवेदनशील बनाना;
- परिचय दौरों, मामलों के अध्ययन और विकासात्मक हस्तक्षेपों के माध्यम से विकास कर्मियों के दृष्टिकोण में बदलाव लाना।

3.2 प्रशिक्षण कार्यक्रम

एनआईडीएम द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों को उपलब्ध कराने की विधि, लक्षित समूह और विषय के आधार पर वर्गीकृत की गई है।

3.2.1 वेबिनार/ऑनलाइन/आमने-सामने प्रशिक्षण कार्यक्रम

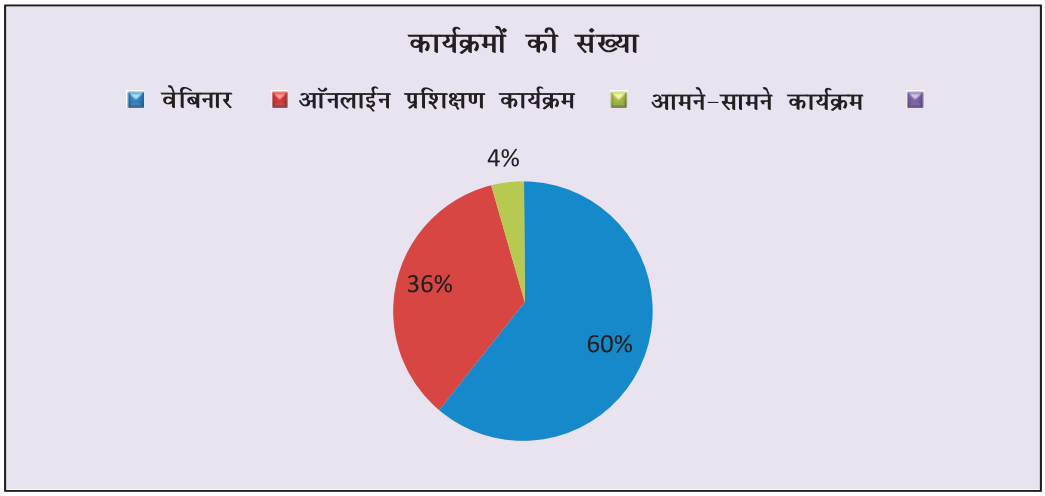
संस्थान अपने परिसर अथवा राज्य प्रशासनिक प्रशिक्षण

संस्थानों (एटीआई)/राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) और अन्य प्रशिक्षण संस्थानों दोनों में आमने-सामने प्रशिक्षण पद्धति के माध्यम से व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करता है। आपदा प्रबंधन के लगभग सभी पहलुओं को शैक्षिक प्रभागों के विशिष्ट क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से कवर किया जाता है।

भारत सरकार द्वारा निर्धारित कोविड–19 सम्बन्धी नवाचारों का अनुपालन करते हुए अपने दायित्वों के निवर्हन के उद्देश्य से एनआईडीएम ने वर्ष 2021–22 के दौरान अनेक वेबिनार और ऑनलाईन–प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए और नवम्बर 2021 से आमने–सामने प्रशिक्षण आरम्भ किया। वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान, 432 वेबिनार आयोजित किए गए और जिनमें 89572 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, 87728 प्रतिभागियों के लिए 255 तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए 28 आमने–सामने प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें 1939 प्रतिभागियों ने भाग लिया। राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के लिए आयोजित वेबिनार/प्रशिक्षण कार्यक्रमों में समग्र रूप से वृद्धि हुई।

तालिका 3.1: वर्ष 2021–22 के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण

वेबिनार		ऑनलाईन प्रशिक्षण कार्यक्रम		आमने–सामने कार्यक्रम	
वेबिनार की कुल संख्या	प्रतिभागियों की कुल संख्या	ऑनलाइन कार्यक्रमों की कुल संख्या	प्रतिभागियों की कुल संख्या	कार्यक्रमों की कुल संख्या	प्रतिभागियों की कुल संख्या
432	90171	255	88572	28	1928



3.3 प्रशिक्षण विधि

उपलब्ध कराये जा रहे प्रशिक्षण के विषयों और भाग लेने वाले प्रतिभागियों की प्रोफाइल को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रशिक्षण विधियों का प्रयोग किया जाता है। जिनमें शामिल हैं:

- व्याख्यान सह–विचार–विमर्श
- मामला अध्ययन प्रस्तुतीकरण

- कार्य का अभ्यास
- समूह विचार-विमर्श/अभ्यास
- पैनल विचार-विमर्श
- अनुकरण और भूमिका निर्वहन
- टेबल टॉप अभ्यास

3.4 प्रतिभागियों की प्रोफाइल (विवरण)

चूंकि एनआईडीएम प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आपदा प्रबंधन में लगे विभिन्न उपयोगकर्ता समूहों को शामिल करता है, अत: प्रशिक्षुओं की प्रोफाइल को निम्नलिखित श्रेणियों में बांटा गया है;

- सरकारी कर्मचारी (केंद्रीय, राज्य और जिला स्तर के अधिकारी);
- सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (पीएसयू);
- शिक्षाविद् (शोधकर्ता, वैज्ञानिक, स्कूल शिक्षक और विश्वविद्यालय संकाय);
- ज्ञान भागीदार संस्थान;
- अंतर्राष्ट्रीय भागीदार (सरकारी विभाग, यूएन एजेंसियां, आईएनजीओ);
- अवसंरचना व्यवसायिक (इंजीनियर, वास्तुकार, निर्माण एजेंसियां आदि);
- नागरिक समाज संगठन (आपदा प्रबंधन व्यावसायिक)

3.5 ई-लर्निंग

3.5.1 ऑनलाइन पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) आपदा जोखिम प्रबंधन के विभिन्न विषयों पर ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की एक श्रृंखला उपलब्ध कराता है। इसका उद्देश्य आपदा जोखिम प्रबंधन के क्षेत्रों में हितधारकों के बीच विश्लेषणात्मक कौशल और पेशेवर क्षमता को बढ़ाने के साथ सभी स्तरों पर जागरूकता और तैयारी के स्तर को बढ़ाना है। एनआईडीएम ऑनलाइन कार्यक्रम एक अद्वितीय क्षमता निर्माण हस्तक्षेप है, जो मूडल (MOODLE) आधारित वर्चुअल लर्निंग प्लेटफॉर्म पर आपसी विचार विमर्श के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करता है। विभिन्न ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को एक सामान्य चर्चा मंच पर अपने विचारों और सूचनाओं को विश्व स्तर पर साझा करने की सुविधा प्रदान करते हैं। यह कार्यक्रम प्रख्यात विषय विशेषज्ञों के साथ ऑनलाइन बातचीत करने और पेशेवर मार्गदर्शन में पाठ्यक्रम विषयों के विभिन्न पहलुओं को सीखने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं। संबंधित पाठ्यक्रमों में शामिल होने वाले प्रतिभागियों के ज्ञान स्तर को 'पाठ्यक्रम असाइनमेंट के मूल्यांकन' और 'पाठ्यक्रम परियोजना के समापन' जैसे निर्धारित मापदंडों के माध्यम से मापा जाता है, जिसके बाद उन्हें सफल घोषित किया जाता है और एनआईडीएम द्वारा जारी ''पाठ्यक्रम पूर्णता प्रमाणपत्र'' से सम्मानित किया जाता है।

कुल मिलाकर, एक समर्पित पोर्टल www.onlinenidm.gov.in के माध्यम से 10 ऑनलाइन पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिनमें से ''व्यापक आपदा जोखिम प्रबंधन ढांचा'' 'बुनियादी पाठ्यक्रम' है जो आपदा की मूलभूत अवधारणाओं और अनुप्रयोगों पर जानकारी प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त निम्नलिखित 9 ''विषयगत पाठ्यक्रम'' भी उन प्रतिभागियों को उपलबध कराए जाते हैं जो मूल पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करते हैं –

1. समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन;
2. भूकंप जोखिम न्यूनीकरण;
3. जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम;
4. क्षति और पुनर्निर्माण की आवश्यकता का आकलन;
5. आपदा रिकवरी और पुनर्निर्माण के लैंगिक पहलू;
6. जोखिम संवेदनशील भूमि उपयोग योजना;
7. जोखिम पहचान, आकलन और विश्लेषण;
8. सुरक्षित शहर; तथा

9. आपदाओं के आर्थिक प्रभावों के प्रबंधन के लिए वित्तीय रणनीतियाँ

व्यापक प्राकृतिक आपदा जोखिम प्रबंधन फ्रेमवर्क कोर्स की अवधि छह सप्ताह (1.5 महीने) है, और विषयगत पाठ्यक्रमों के लिए यह चार सप्ताह (एक महीने) है। ऑनलाइन पाठ्यक्रम पोर्टल पर सम्पर्को (हिट) की संख्या 92438 है। पाठ्यक्रम सामग्री पंजीकृत प्रतिभागियों के लिए उनके संबंधित पाठ्यक्रम प्लेटफार्मो पर आसानी से उपलब्ध है, जिसे ऑफलाइन संदर्भ के लिए भी डाउनलोड किया जा सकता है।

शैक्षणिक वर्ष 2021–22 में, कुल 31 ऑनलाइन पाठ्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें 1280 प्रतिभागियों ने भाग लिया। निम्नलिखित तालिका में वर्ष 2021–22 में आयोजित सभी पाठ्यक्रमों का विवरण दिया गया है:–

तालिका 3.2: वर्ष 2020–21 में ऑनलाईन पाठ्यक्रमों और प्रतिभागियों की संख्या

क्रमांक	पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम संख्या
1.	व्यापक आपदा जोखिम प्रबंधन ढांचा	07
2.	समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन	02
3.	भूकंप जोखिम न्यूनीकरण	02
4.	जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम प्रबंधन	02
5.	क्षति और पुनर्निर्माण की आवश्यकता का आकलन	03
6.	आपदा रिकवरी और पुनर्निर्माण के लैंगिक पहलू	03
7.	जोखिम संवेदनशील भूमि उपयोग योजना	03
8.	जोखिम पहचान, आकलन और विश्लेषण	04
9.	सुरक्षित शहर	02
10.	आपदाओं के आर्थिक प्रभावों के प्रबंधन के लिए वित्तीय रणनीतियाँ	03
	कुल	31

कोविड काल के बाद, एनआईडीएम आपदा से संबंधित ज्ञान प्रदान करने के लिए अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रमों को और विकसित करने का प्रयास कर रहा है।

3.5.2 स्व अध्ययन कार्यक्रम

एनआईडीएम का स्व–अध्ययन कार्यक्रम (एसएसपी) ई–लर्निंग की एक स्व–गतिशील प्रणाली है जिसमें सभी संबंधित हितधारकों को बिना किसी समय और स्थान की

सीमा के आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं को अपनी गति से सीखने के लिए प्रोत्साहन और सुविधा प्रदान की जाती है। इसे सीडीएसी, नोएडा द्वारा एनआईडीएम के लिए विकसित किया गया है। उपयोगकर्ता बिना किसी मानवीय सहायता के प्रस्तावित विषयों पर स्वत: ज्ञान प्राप्त करने के लिए पोर्टल www.nidmssp.in24×7 में लॉग इन कर सकते हैं। एनआईडीएम का स्व-अध्ययन कार्यक्रम विभिन्न हितधारकों के ज्ञान को बढ़ाने में अत्यधिक उपयोगी साबित हुआ है। स्वअध्ययन कार्यक्रम में 24.01.2022 से 31.03.2022 के दौरान प्रतिभागियों की संख्या 1963 रही ।

एनआईडीएम द्वारा स्व-अध्ययन पोर्टल के माध्यम से निम्नलिखित 10 स्व अध्ययन मॉड्यूल पेश किए जा रहे हैं:

तालिका 3.3: वित्त वर्ष 2020-21 में स्व अध्ययन माड्यूल और उपयोगकत्ताओं की सूची

क्रमांक सं	स्व अध्ययन मॉड्यूल
1.	आपदा प्रबंधन की मूल बातें
2.	समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन
3.	नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों के लिए एक मार्गदशिका
4.	बाढ़ जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन का परिचय
5.	चक्रवात जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन का परिचय
6.	आपदा स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन का सामान्य अवलोकल
7.	व्यापक भूस्खलन जोखिम प्रबंधन
8.	स्कूल सुरक्षा
9.	भूकंप जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन का परिचय
10.	औद्योगिक आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन का परिचय

3.6 इंटर्नशिप कार्यक्रम

हर वर्ष, एनआईडीएम को शैक्षिक/शोध/प्रशिक्षण संस्थानों के छात्रों/शोधकर्ताओं से, विशेषकर गर्मी के महीनों में, इंटर्नशिप के लिए अनुरोध प्राप्त होते हैं। इंटर्नशिप के उद्देश्य हैं:-

- संबंधित विषय में स्नातक/स्नातकोत्तर करने वाले इच्छुक व पात्र उम्मीदवारों को समग्र आपदा प्रबंधन प्रणाली और इसके विभिन्न पहलुओं की जानकारी देना ।
- विश्वविद्यालयों/कॉलेजों के छात्रों को आपदा प्रबंधन प्रक्रिया, प्रशिक्षण और शोध में व्यवहारिक अनुभव लेने में मदद करना ।
- छात्रों को उनके कौशल के परीक्षण के लिए नवाचार और नए विचारों तथा तकनीकों को शामिल करने का पर्याप्त अवसर देना ।
- औपचारिक और अनौपचारिक साधनों के माध्यम से विभिन्न विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, व्यवसायिक संस्थानों को एनआईडीएम और उसके द्वारा किए जाने वाल कार्यकलापों की जानकारी देना ।

- एनआईडीएम में इंटर्नशिप के लिए एक नीति तैयार तथा अनुमोदित करके इस प्रक्रिया को औपचारिक बनाया गया है । इंटर्नशिप के लिए आवेदन खुले विज्ञापन के द्वारा आमंत्रित किए जाते हैं, जिसके बाद बहु–स्तरीय चयन प्रक्रिया का पालन किया जाता है। पूरे देश से विभिन्न विषयों, संस्थानों और विश्वविद्यालयों से इंटर्न शोध कार्य के लिए चुने जाते हैं ।
- वर्ष 2019–20 में चुने गए 76 इंटर्न में से 48 इसमें शामिल हुए और इनमें से 28 इंटर्न ने विभिन्न संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में उन्हें आबंटित शोध कार्य को पूरा किया।

*****

अध्याय 4

परियोजनाएँ

अध्याय-4

परियोजनाऐं

4.1 राष्ट्रीय पर्यावरण वन और जलवायु आपदा प्रबंधन योजना (एनईएफसी-डीएमपी)

एनआईडीएम आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीति 2009 के तहत वैधानिक अधिदेश का उपयोग करते हुए पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के लिए राष्ट्रीय पर्यावरण वन और जलवायु आपदा प्रबंधन योजना तैयार करने में सहयोग कर रहा है।

परियोजना के मुख्य उद्देश्य:

क) मंत्रालय और उसके विभागों/प्रतिष्ठानों के तहत बुनियादी ढांचे, परिसंपत्तियों, संपत्ति और संसाधनों की आपदाओं और चरम घटनाओं से सुरक्षा सुनिश्चित करना;

ख) यह सुनिश्चित करना कि गतिविधियाँ (भौतिक विकास और व्यवस्थित प्रथाओं/संचालन सहित) आपदाओं से खतरों के जोखिम और कमजोरियों में वृद्धि न करें;

ग) यह सुनिश्चित करना कि मंत्रालय/क्षेत्र के तहत गतिविधियाँ/कार्यक्रम और योजनाऐं आपदाओं और चरम घटनाओं के जोखिम के प्रति समुत्थानशीलता का संवर्धन करें; और

घ) यह सुनिश्चित करना कि मंत्रालय और संबंधित क्षेत्र तथा घटक सभी स्तरों पर किसी भी आपदा या आपात स्थिति से उत्पन्न होने वाली स्थितियों से निपटने के लिए तैयार हैं।

परियोजना में शामिल गतिविधियाँ:

- 3 एचआरवीसीए कार्यशालाओं का आयोजन;
- 3 क्षेत्रीय परामर्श कार्यशालाओं का आयोजन;
- 3 कार्यकारी समूह की बैठकों का आयोजन;
- साझाकरण/प्रसार कार्यशाला (आधा दिन);
- क्षमता निर्माण कार्यशाला (2 दिन); तथा
- प्रशिक्षण मैनुअल और विषयगत पेपर तैयार करना।

अब तक प्रदेय:

- 3 एचआरवीसीए कार्यशालाओं का आयोजन;
- 3 क्षेत्रीय परामर्श कार्यशालाएं;
- 3 कार्यकारी समूह की बैठकें;
- 1 सलाहकार समिति की बैठक; तथा
- एनईएफसी-डीएमपी का तीसरा मसौदा प्रस्तुत कर दिया गया है।

वित्त पोषण एजेंसी: पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार

4.2 जल निकायों के अकस्मात संदूषण से निपटने के लिए संकट प्रबंधन योजना (सीएमपी-डब्ल्यूबी)

एनआईडीएम ने एक निर्दिष्ट प्रक्रिया ढांचे के तहत दूषित जल निकायों से निपटने के लिए अपनी संकट प्रबंधन योजना और संबद्ध क्षमता निर्माण प्रयासों को विकसित करने में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के साथ सहयोग किया है। इसी उद्देश्य से 15 जनवरी 2020 को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड- पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस योजना में क्षमता निर्माण और वित्तीय रणनीतियों की योजना के साथ-साथ संकट प्रबंधन, तैयारी, चेतावनी, पता लगाना और मूल्यांकन, सुरक्षा और शमन, प्रतिक्रिया और स्थिति प्रबंधन, बहाली और रिकवरी के सभी चरणों को शामिल किया गया था।

परियोजना के मुख्य उद्देश्य:

(क) अकस्मात जल संदूषण को दूर करने की तैयारियों के लिए संकट प्रबंधन योजना में मौजूदा अंतराल और चुनौतियों को समझना।

(ख) जल निकायों के संदूषण हेतु संकट प्रबंधन योजना के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करना।

अब तक प्रदेय:

- जल निकायों के अकस्मात संदूषण के लिए राष्ट्रीय संकट प्रबंधन योजना का अंतिम मसौदा प्रस्तुत किया गया।
- जल निकायों के अकस्मात संदूषण से निपटने के लिए राष्ट्रीय संकट प्रबंधन योजना पर प्रशिक्षण नियमावली प्रस्तुत की गई।
- 2 राष्ट्रीय परामर्श कार्यशालायें आयोजित की गई ।
- 4 कार्यकारी समूह की बैठकें आयोजित की गई ।
- 1 प्रसार कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 1 शोध पत्र, 2 मामला अध्ययन, 4 पुस्तक अध्याय प्रकाशित किए गए।

वित्त पोषण एजेंसी: केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार

4.3 आयुष मंत्रालय, भारत सरकार की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना (आयुष–डीएमपी)

आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीति, 2009 के तहत कानूनी अधिदेश का उपयोग करते हुए ईसीडीआरएम डिवीजन के माध्यम से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा–रिग्पा और होम्योपैथी (आयुष मंत्रालय) मंत्रालय के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना तैयार कर रहा है। इस संबंध में 8 फरवरी 2022 को एनआईडीएम और आयुष मंत्रालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। आयुष मंत्रालय से राशि मिलने के बाद आधिकारिक परियोजना गतिविधियां शुरू हो जाएंगी।

परियोजना प्रदेय:

- आयुष मंत्रालय के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना।
- एनडीएमपी की सहायता के लिए एक प्रशिक्षण नियमावली।





4.4 आपदा और स्वास्थ्य केंद्र (सीडीएच), आपदा संबंधी स्वास्थ्य मुद्दों पर उत्कृष्टता केंद्र



जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीसीएचएच) के तहत आपदा से संबंधित स्वास्थ्य मुद्दों पर उत्कृष्टता केंद्र के रूप में एनआईडीएम में आपदा और स्वास्थ्य केंद्र (सीडीएच) की स्थापना की गई है। एनपीसीएचएच का प्रबंधन राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), दिल्ली के माध्यम से किया जाता है, जो जलवायु परिवर्तन पर 'स्वास्थ्य मिशन' के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी है। आपदा से संबंधित मुद्दों पर एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुकूलन योजना पहले ही तैयार की जा चुकी है और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय को प्रस्तुत की जा चुकी है।

परियोजना के मुख्य उद्देश्य:

क) आपदा से संबंधित स्वास्थ्य मुद्दों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुकूलन योजना (एनएचएपी) को अद्यतन करना।

ख) आपदा और स्वास्थ्य मुद्दों पर एसओपी, परामर्श और आईईसी सामग्री विकसित करना।

ग) आपदा से संबंधित स्वास्थ्य मुद्दों, स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और आपदा के मुद्दों को स्वास्थ्य में मुख्यधारा में लाने पर पांच प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करना।

घ) राज्य के नोडल अधिकारियों (एसएनओ) और जलवायु परिवर्तन से जुड़े सलाहकारों के लिए आपदा से संबंधित स्वास्थ्य मुद्दों पर प्रशिक्षण आयोजित करना।

ड.) राष्ट्रीय स्तर पर आपदा से संबंधित स्वास्थ्य मुद्दों की निगरानी के लिए एक रूपरेखा तैयार करना।

परियोजना प्रदेय:

- जलवायु परिवर्तन पर ध्यान देते हुए आपदा से संबंधित स्वास्थ्य मुद्दों पर चिकित्सा अधिकारियों, परिचिकित्सकों और राज्य नोडल अधिकारियों के लिए मॉड्यूल तैयार करना।
- जन स्वास्थ्य में आपदा जोखिम न्यूनीकरण को मुख्य धारा में लाने पर प्रशिक्षण मॉड्यूल।
- आपदाओं और जलवायु परिवर्तन के प्रति स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे की समुत्थानशीलता पर प्रशिक्षण मॉड्यूल।
- आपदा से संबंधित बीमारियों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए पोस्टर और जीआईएफ छायाचित्र तैयार करना ।
- आपदा और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेज तैयार करना ।

अब तक प्रदेय:

- जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में आपदा संबंधी स्वास्थ्य मुद्दों पर तकनीकी विशेषज्ञ समूह की बैठक 24 जनवरी 2022 को आयोजित की गई।
- जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में आपदा संबंधी स्वास्थ्य मुद्दों पर उपसमिति की बैठक 18 फरवरी 2022 को आयोजित की गई।

वित्त पोषण एजेंसी: राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र, स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली

4.5 राष्ट्रीय रसायन और पेट्रोरसायन आपदा प्रबंधन योजना (एनसीपीसी-डीएमपी)

रासायनिक और पेट्रोरसायन उद्योगों के तेजी से विकास के कारण हाल के वर्षों में रासायनिक और पेट्रोरसायन खतरों की आवृत्ति और गंभीरता में वृद्धि हुई है। आपदाओं और मौसम की अनिश्चितताओं से निपटने के लिए भारत के रसायन और पेट्रोरसायन क्षेत्र की समुत्थानशीलता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एनआईडीएम अपने ईसीडीआरएम

डिवीजन के माध्यम से रसायन और पेट्रोरसायन विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के लिए 'राष्ट्रीय रसायन और पेट्रोरसायन आपदा प्रबंधन योजना (एनसीपीसी-डीएमपी)' की तैयारी में सहायता प्रदान कर रहा है।

परियोजना के मुख्य उद्देश्य:

क) आपदाओं और चरम घटनाओं से विभागों/प्रतिष्ठानों के तहत बुनियादी ढांचे, परिसंपत्तियों, संपत्ति और संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना;

ख) सुनिश्चित करना कि गतिविधियाँ (भौतिक विकास और व्यवस्थित प्रथाओं/संचालन सहित) आपदाओं से खतरों के जोखिम और कमजोरियों में वृद्धि न करें;

ग) यह सुनिश्चित करना कि गतिविधियाँ/कार्यक्रम और योजनाऐं आपदाओं और चरम घटनाओं के जोखिम के प्रति समुत्थानशीलता में संवर्धन करें; और

घ) यह सुनिश्चित करना कि विभाग और संबंधित क्षेत्र तथा घटक किसी भी आपदा या आपातकालीन स्थिति से उत्पन्न होने वाली स्थितियों से निपटने के लिए सभी स्तरों पर तैयार हैं।

अब तक प्रदेय:

- 21 जून 2021 को पहली क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया;
- 14 जुलाई 2021 को कार्यदल की पहली बैठक आयोजित की गई;
- 2 अगस्त 2021 को एचआरवीसीए प्रारूप भरने को अंतिम रूप देने के लिए नोडल अधिकारियों के साथ एचआरवीए कार्यशाला आयोजित की गई;
- 22 अक्टूबर 2021 को राष्ट्रीय रसायन और पेट्रोरसायन आपदा प्रबंधन योजना (एनसीपीसी-डीएमपी) की तैयारी के संबंध में दूसरे कार्य दल की बैठक का आयोजन किया गया;
- राष्ट्रीय रसायन और पेट्रोरसायन आपदा प्रबंधन योजना (एनसीपीसी-डीएमपी) की तैयारी के लिए 7 दिसंबर 2021 को सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया;
- एनआईडीएम, रोहिणी, दिल्ली परिसर में 3 मार्च 2022 को तृतीय कार्य समूह सह क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया; और
- अक्टूबर 2021 के दौरान डीसीपीसी और कार्यकारी समूह के सदस्यों को उनकी टिप्पणियों और आगे के इनपुट के लिए पहला मसौदा प्रस्तुत किया गया।

वित्त पोषण एजेंसी: रसायन और पेट्रोरसायन विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार।

4.6 बहु-जोखिम वातावरण में समुत्थानशीलता और सतत विकास के लिए जलवायु अनुकूली योजना (कैप-रस)

इस परियोजना का उद्देश्य विशेष रूप से भारतीय हिमालय क्षेत्र (उत्तर-पूर्व के विशेष संदर्भ में), तटीय क्षेत्र और मध्य-पश्चिमी क्षेत्रों में अवस्थित संबंधित संस्थानों और प्रशिक्षण केंद्रों द्वारा व्यापक उपयोग के लिए ज्ञान और प्रशिक्षण सहायता प्रणाली सहित क्षमता निर्माण को विकसित और कार्यान्वित करना है। परियोजना लक्ष्य के 5 प्रमुख उप-सेट हैं; अर्थात 1. हरित विकास और आपदा जोखिम न्यूनीकरण, 2. समुत्थानशील कृषि प्रणाली, 3. सार्वजनिक स्वास्थ्य समुत्थानशीलता, 4. जलवायु अनुकूल आपदा राहत और रिकवरी और 5. आपदा जोखिम न्यूनीकरण में पर्यावरण नीति साधन।

परियोजना के मुख्य उद्देश्य: चरम घटनाओं और आपदा समुत्थानशीलता के लिए जलवायु जोखिम प्रबंधन के संबंध में विज्ञान नीति-योजना-अभ्यास अंतर-फलक (इंटरफेस) का विश्लेषण करना, ज्ञान और क्षमता अंतराल का आकलन करना; कमियों और चुनौतियों को दूर करने के लिए ज्ञान संग्रह के रूप में मामला अध्ययन और सर्वोत्तम प्रथाओं का दस्तावेजीकरण और संकलन करना; ज्ञान सांझा करने के लिए मंच, नीतिगत सूचना, दृष्टिकोण पत्र और लेखों के जरिए

आपदा जोखिम प्रबंधन को जलवायु कार्यों के साथ एकीकृत करने के लिए नीति विश्लेषण और समर्थन; क्षमता अंतराल विश्लेषण और ज्ञान-आधारित संग्रह के परिणाम का उपयोग करते हुए प्रशिक्षण रणनीतियों और डिजाइन, प्रशिक्षण मॉड्यूल, निर्देश पुस्तिका, संदर्भ पठन सहित प्रशिक्षण क्षमता निर्माण के लिए टूलकिट विकसित करना; विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से नीति निर्माताओं, प्रशिक्षकों और शोधकर्ताओं सहित प्रमुख पेशेवरों के ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण के संदर्भ में क्षमता संवर्धन करना।

अब तक प्रदेय:

- **प्रकाशित पुस्तकें:** (i) क्लाईमेट रिस्क मैनेजमेंट (सीआरएम) फ्रेमवर्क फॉर इंडिया: एड्रेसिंग लॉस एण्ड डैमेज इन कोलेबरेशन विद जीआईजेड इंडिया, (ii) मैपिंग क्लाईमेटिक एण्ड बॉयोलॉजिकल डिजास्टरस इन इण्डिया इन कोलेबरेशन विद जीआईजेड इंडिया ।
- **पुस्तक अध्याय प्रकाशित:** (i) मल्टी हैजर्ड रिस्क मैनेजमेंट ड्यूरिंग पैनडमिक एण्ड एन्हैन्सिंग एपिडैमिक रैजीलियंस: प्लानिंग एण्ड इंस्टीट्यूशनल रैजीलियंस और (ii) मल्टी हैजर्ड रिस्क मैनेजमेंट डयूरिंग पैनडमिक इन स्प्रिंगर नेचरस इण्टीग्रेटेड रिस्क ऑफ पैन्डमिक: कोविड–19 इम्पैक्टस, रैजीलियंस एण्ड रिकमन्डैशन्स, (iii) न्यू पाथवेज फॉर एनबीएस टू रियलाईज एण्ड अचीव एसडीजी एण्ड पोस्ट 2015 टारगेटस्: ट्रान्सफॉरमेटिव अप्रौचस इन रैजीलियंस बिल्डिंग और (iv) नेचर-बेस्ड सॉल्यूशन एंट्री पॉइंट्स थ्रू सेक्टोरल पॉलिसीज, स्ट्रैटेजिक इंस्ट्रूमेंट्स एण्ड बिजनेस कन्टिन्यूटी इन स्प्रिंगर नेचरस नेचर-बेस्ड सॉल्यूशंस फॉर रेजिलिएंट इकोसिस्टम्स एंड सोसाइटीज।
- **प्रकाशित तकनीकी रिपोर्ट:** (i) क्लाईमेट वेरिएशंस एण्ड एग्रीकल्चरल लैन्डस्केप: ए स्टडी ऑन पॉलिसीज एण्ड प्रैक्टिसज फॉर रैजीलियंस; (ii) एग्रीकल्चर रैजीलिएंस एसेसमेंट ओवर सेन्ट्रल इण्डिया अन्डर क्लाईमेट चेन्ज, और (iii) इन्टीग्रेटेड फार्मिंग एण्ड रैजीलिएंस फॉर फूड सिक्योरिटी इन इंडियन हिमालयाज अन्डर क्लाईमेट चेन्ज।
- **सम्मेलन/गोलमेज/संगोष्ठी और कार्यवाही आयोजन:** (i) डिजास्टर रैजीलियंस एण्ड ग्रीन ग्रोथ फॉर सस्टेनेबल डैवलपमेंट इन 2019, (ii) साईस एण्ड टेक्नोलॉजी रिसर्च-पॉलिसी-प्रेक्टिस इण्टरफेस फॉर क्लाईमेट रिस्क मैनेजमेंट, (iii) लोकलाईजिंग क्लाईमेट रैजीलिएंस एजेंडा: विजन 2050 एण्ड 2100 (एलओसीसी-आरईएस 2100), (iv) साईस, टेक्नोलॉजी एण्ड इनोवेशन फॉर डीआरआर (एसटीआईडी)।
- **प्रकाशित नीतिगत संक्षिप्त विवरण:** (i) रोडमैप ऑफ रेजीलिएंस एग्रीकल्चर इन इंडिया और (ii) ग्रीन ग्रोथ बेनेफिट्स फॉर क्लाईमेट एण्ड डिजास्टर रैजीलिएंस: कन्सर्न फॉर अर्बन एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर सिस्टम।
- **प्रकाशित प्रशिक्षण मॉड्यूल:** (i) डैवलपिंग डिजास्टर रिस्क रैजीलिएंस इन सिटीज: ट्रेनिंग मोड्यूल फॉर अर्बन लोकल बॉडीज, इन्क्लूडिंग कन्टेक्स्ट ऑफ क्लाईमेट रिस्क एण्ड चिल्ड्रन्स रैजीलिएन्स, (ii) पेरी अर्बन ईको-सिस्टमस एण्ड अर्बन रेजीलिएंस: ट्रेनिंग मोड्यूल्स इन्सट्रक्शन्स एण्ड रिफ्रेंस मटेरियलस, और (ii) हैल्थ अडैप्टेशन एण्ड रैजीलिएंस टू क्लाईमेट चेन्ज, (iii) क्लाईमेट एण्ड डिजास्टर रैजीलिएंट एग्रीकल्चर मैनेजमेंट।
- **प्रकाशित संग्रह:** (i) नॉलेज कम्पॅनडियम ऑन एनवॉयरमेंटल सस्टेनबलिटी ग्रीन ग्रोथ एण्ड डिजास्टर रैजीलिएंस, (ii) हेल्थ एडप्शेसन एण्ड रैजीलिएंस टू क्लाईमेट चेंज एण्ड रिलेटेड डिजास्टरस।
- **प्रकाशित पत्र:** (i) द रोल ऑफ परसेप्शन ऑफ लोकल गवर्नमेंट ऑफिशिअल्स ऑन क्लाईमेट चेन्ज

एण्ड रैजीलिएण्ट डेवलपमेंट: ए केस ऑफ उत्तराखण्ड, इंडिया, (ii) ए नोवल एनालिसिस ऑफ कोविड 19 रिस्क इन इंडिया इनकॉर्पोरेटिंग क्लाईमेट एण्ड सोशियो-ईकोनोमिक फैक्टर्स, (iii) ज्वाइन्ट बिहेवियर ऑफ क्लाईमेट एक्सट्रीम्स अक्रोस इंडिया: पास्ट एण्ड फ्यूचर

वित्त पोषण एजेंसी: विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार।

4.7 भारत में आपातकालीन प्रतिक्रिया और तैयारी (ईपीआर) में खाद्य और पोषण आवश्यकताओं को मुख्यधारा में लाना

जलवायु परिवर्तन बढ़ती वैश्विक भूख के प्रमुख कारणों में से एक है। कहने की जरूरत नहीं है कि दुनिया जलवायु-प्रेरित आपदाओं की उच्च आवृत्ति और तीव्रता झेल रही है, जो मानवता के लिए एक बड़ा खतरा है। भूख और खाद्य असुरक्षा आपदाओं के प्रमुख प्रभावों में से एक है। ऐसी चरम घटनाओं और विशेष रूप से जलवायु संबंधी चरम घटनाओं के प्रति भारत की प्रतिक्रिया पिछले एक दशक में विकसित हुई है।

बेशक राहत कार्य प्रभावी ढंग से किए गए हों, लेकिन आजीविका तथा संपत्ति की क्षति और नुकसान खाद्य और पोषण सुरक्षा पर दीर्घकालीन प्रतिकूल प्रभाव डालती है। परिणामत:, डब्ल्यूएफपी इंडिया और एनआईडीएम के बीच एक परामर्शी बैठक के आयोजन से प्राकृतिक आपदाओं और खाद्य तथा पोषण सुरक्षा के बीच अंतर-संबंधों के महत्व की पहचान की गई, और इस बात पर सहमति व्यक्त की कि एनआईडीएम और डब्ल्यूएफपी ''आपात स्थिति, तैयारी और प्रतिक्रिया संबंधी खाद्य और पोषण रणनीतियाँ तैयार करने के लिए नीति सिफारिशों और प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने में सहयोग करेंगे'' और भारत के आपदा प्रबंधन क्षेत्र में खाद्य और पोषण सुरक्षा एजेंडा को मुख्य धारा में लाने के लिए सिफारिशों को आगे बढ़ायेंगे।

परियोजना के मुख्य उद्देश्य:

क) भारत के ईपीआर पैकेज में खाद्य और पोषण रणनीतियों के एकीकरण पर एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम विकसित करना;

ख) आपात स्थिति में भोजन और पोषण की जरूरतों के लिए क्षमता सुदृढ़ीकरण और प्रशिक्षण का समर्थन करना;

ग) आपात स्थिति में खाद्य और पोषण पर अंतरराष्ट्रीय स्तर के परामर्श का आयोजन करना; तथा

घ) अन्य देशों के लाभ के लिए तैयारी और प्रतिक्रिया।

परियोजना प्रदेय:

- खाद्य और पोषण सुरक्षा (एफ एन एस) से संबंधित प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करना;
- एफएनएस के संबंध में मानचित्रण और अच्छे व्यवहारों के आदान-प्रदान (एमईजीपी) पर संग्रह तथा
- आपात स्थिति के दौरान खाद्य और पोषण रणनीतियों पर उनके अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं को समझने के लिए एशिया भर में विभिन्न हितधारकों के साथ 3 दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित करना।

अब तक के प्रदेय:

- एफएनएस पर एक मसौदा प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किया गया है और इस पर प्रायोगिक परीक्षण किया गया है (ऑनलाइन प्लेटफॉर्म)
- एफएनएस पर एक ''मैप एंड एक्सचेंज गुड प्रैक्टिसेज (एमईजीपी)'' संग्रह तैयार किया गया है। यह साहित्यिक चोरी निवारण की कसौटी पर पूरा उतरा है और वर्तमान में इसे प्रकाशन के लिए डिजिटल रूप से डिजाइन किया जा रहा है।
- 30 नवंबर से 02 दिसंबर 2021 तक 3 दिवसीय ऑनलाइन क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया और इसका कार्यवाही वृतांत डिजिटल रूप से डिजाइन के अंतिम चरण में है।

प्रमुख भागीदार: संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (भारत)

4.8 आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर भारतीय विश्वविद्यालय और संस्थान नेटवर्क (आईयूआईएन डीआरआर-एनआईडीएम)

आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर माननीय प्रधान मंत्री जी के दस सूत्री एजेंडा के बिंदु 6, के अनुसरण में एनआईडीएम द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर भारतीय विश्वविद्यालय और संस्थान नेटवर्क (आईयूआईएनडीआरआर-एनआईडीएम) की स्थापना की गई है। आईयूआईएनडीआरआर-एनआईडीएम शिक्षा, नवीन प्रौद्योगिकी और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए जलवायु परिवर्तन अनुकूलन (सीसीए), आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क (2015-2030), और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी), क्षमता विकास तथा स्थानीय जोखिमों और विभिन्न आपदाओं से प्रभावित समुदाय के सबसे कमजोर वर्गों की जरूरतों को संबोधित करने के लिए निर्णय लेने में योगदान देने संबंधी वैश्विक मुद्दों के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में एक कदम है।

आईयूआईएनडीआरआर-एनआईडीएम शिक्षा, ज्ञान सृजन, अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और प्रसार के माध्यम से राष्ट्र और समुदायों को आपदाओं के प्रति सुरक्षित और समुत्थानशील बनाने की परिकल्पना करता है। नेटवर्क का उद्देश्य विश्वविद्यालयों के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान करना और आपदा प्रबंधन के क्षेत्रों में विशेषज्ञों का एक समूह विकसित करना है।

आईयूआईएनडीआरआर-एनआईडीएम के मुख्य उद्देश्य:

क) आपदा जोखिम न्यूनीकरण और संबंधित क्षेत्र में कार्यान्वयन उन्मुख शिक्षा और अनुसंधान में विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका की मान्यता को विस्तृत रूप देना;

ख) देश भर के विभिन्न राज्यों में शिक्षा और नीति के बीच इंटरफेस के लिए एक मंच प्रदान करना;

ग) आपदा जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्र में सृजित ज्ञान का दस्तावेजीकरण, विकास और प्रसार करना;

घ) उच्च शिक्षा में आपदा जोखिम न्यूनीकरण को बढ़ावा देने के लिए (स्नातकोत्तर शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करना, लेकिन इसी तक सीमित नहीं रहना) ज्ञान को साझा करना और मिलकर काम करना (द्विपक्षीय या बहुपक्षीय रूप में)

ड.) आपदा जोखिम न्यूनीकरण और संबंधित क्षेत्रों के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए क्षेत्र आधारित और नीति उन्मुख अनुसंधान पर सहयोग करना; तथा

च) सामान्य हित के मामलों और विषयों पर विश्वविद्यालयों के बीच परामर्श, सूचना साझा करने और सहयोग के लिए एक मंच प्रदान करना।

प्रमुख प्रदेय में शामिल हैं:

- स्नातक स्तर के कार्यक्रम के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर फाउंडेशन पाठ्यक्रम;
- स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन पर सर्टिफिकेट कोर्स पाठ्यक्रम;
- स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स पाठ्यक्रम;
- डीआरआर ''आपदा जोखिम प्रबंधन में महिलाओं की भूमिका'' पर प्रधानमंत्री के 10 सूत्रीय एजेंडा के बिंदु 3 पर संग्रह की पहली श्रृंखला का शुभारंभ।

प्रमुख गतिविधियां:

- **आपदा प्रबंधन के क्षेत्र को मजबूत करना**

  उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र को मजबूत करने के लिए, आईयूआईएनडीआरआर-एनआईडीएम ने स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर पाठ्यक्रम के विकास के लिए पहल की है।

इसलिए, राष्ट्रीय स्तर पर अनुभवों और ज्ञान को संग्रहित करने के लिए, आईयूआईएनडीआरआर–एनआईडीएम ने देश भर से नामांकन पत्र आमंत्रित किए हैं और संबंधित संयोजक को नोडल व्यक्ति के रूप में लेकर पाठ्यचर्या विकास समिति का गठन किया गया था।

कोर्स पाठ्यक्रम की 3 श्रेणियां विकसित की गई हैं:

1) **आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए फाउंडेशन कोर्स:** पाठ्यक्रम में 3 क्रेडिट शामिल हैं, जिसमें विषय पर 3 मॉड्यूल शामिल हैं जो स्नातक स्तर पर उच्च शिक्षा के हर स्ट्रीम/ विषय में एकीकृत हो सकते हैं।

2) **आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन पर सर्टिफिकेट कोर्स:** आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन में सर्टिफिकेट कोर्स को आपदा प्रबंधन में करियर के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने के लिए डिजाइन किया गया है। सर्टिफिकेट प्रोग्राम को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि स्नातक की डिग्री का पहला साल पूरा करने के बाद छात्रों को डीआरआरएम पर सर्टिफिकेट मिलेगा और दो साल बाद आपदा प्रबंधन से जुड़े विशेषज्ञ क्षेत्र में डिग्री मिलेगी। छात्र सर्टिफिकेट कार्यक्रम के साथ एक वर्ष के बाद कोर्स छोड़ने का विकल्प चुन सकता है और यूजीसी/एबीसी द्वारा अगले निर्दिष्ट अवधि के भीतर आपदा प्रबंधन से संबंधित किसी भी विशेषज्ञ क्षेत्र में स्नातक डिग्री के दूसरे वर्ष में फिर से शामिल हो सकता है।



3) **आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा:** भारत में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवर तैयार करने के लिए, आपदा प्रबंधन के व्यावहारिक पहलूओं पर छात्रों को अवसर और अनुभव जोखिम प्रदान करने की तत्काल आवश्यकता है। क्षेत्र आधारित अध्ययन बहुत आवश्यक और जरूरी है। संपूर्ण शिक्षण प्रक्रिया के दौरान कक्षा–आधारित अभ्यास होना चाहिए। इस प्रकार, स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन से संबंधित पहलुओं के स्पेक्ट्रम के तहत प्रशिक्षित पेशेवरों को समझने और तैयार करने का अवसर प्रदान करने के लिए एक व्यावहारिक/अनुप्रयोग–उन्मुख पाठ्यक्रम शामिल किया गया है। इसलिए, आपदा जोखिम न्यूनीकरण में स्नातकोत्तर कार्यक्रम को आपदा प्रबंधन के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने के लिए डिजाइन किया गया है। कार्यक्रम का पहला भाग इस तरह से तैयार किया गया है कि प्रथम वर्ष के पूरा होने के बाद छात्रों को आपदा जोखिम न्यूनीकरण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्त होगा और दो साल बाद आपदा प्रबंधन से संबंधित एक विशेष क्षेत्र में स्नातकोत्तर/एमएससी की डिग्री प्राप्त होगी। छात्र पीजीडीडीआरआर के साथ एक वर्ष के बाद डिप्लोमा कोर्स से बाहर निकलने का विकल्प चुन सकता है और यूजीसी द्वारा उल्लिखित निर्दिष्ट वर्षों के भीतर आपदा प्रबंधन से संबंधित किसी भी विशेष क्षेत्र में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के दूसरे वर्ष में फिर से शामिल हो सकता है।

- **एजेंडा 3 ''आपदा जोखिम प्रबंधन में महिलाओं की भूमिका'' पर संग्रह की पहली श्रृंखला 15 दिसंबर 2021 को शुरू की गई है** और सभी विशेषज्ञों ने 28–29 मार्च 2022 को

निर्णायक मण्डल के समक्ष अपनी पहल संबंधी प्रस्तुति पेश की । उच्च शिक्षा क्षेत्र द्वारा की गई पहल की समीक्षा और स्क्रीनिंग के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के वरिष्ठ विशेषज्ञों को निर्णायक मण्डल में शामिल किया गया था। सर्वश्रेष्ठ 5 पहलों को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। भारत में विश्वविद्यालयों और संस्थानों द्वारा शुरू किए गए सर्वोत्तम अभ्यासों पर संग्रह की एक श्रृंखला तैयार करने के लिए कदम उठाए गए हैं ताकि न केवल उच्च शिक्षण संस्थानों की गतिविधियों में डीआरआर को मुख्य धारा में लाया जा सके बल्कि माननीय प्रधान मंत्री के आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर 10 बिंदु एजेंडा के उद्देश्यों पर उनकी उपलब्धियों को भी सामने लाया जा सके।

- **आईयूआईएनडीआरआर – एनआईडीएम के** कार्यान्वयन में प्रगति की समीक्षा के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग लिंक के माध्यम से 28 जनवरी, 2022 को संयुक्त सचिव (आपदा प्रबंधन), गृह मंत्रालय की अध्यक्षता में कार्यकारी समिति की पहली बैठक आयोजित की गई थी।

- **साझेदारी**

आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में एक साथ काम करने के लिए, एनआईडीएम द्वारा आईयूआईएन के सदस्यों के साथ 3 समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं, यानी केरल के केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू-कश्मीर



के केंद्रीय विश्वविद्यालय और मुंबई विश्वविद्यालय के कॉलेज, मुंबई विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में ज्ञान, कार्यक्रमों और अनुसंधान का निर्माण करना है।

९ **क्षमता निर्माण और ज्ञान निर्माण कार्यक्रम**

आईयूआईएनडीआरआर – एनआईडीएम ने विश्वविद्यालयों और संस्थानों के सदस्यों के सहयोग से आभासीय (वर्चुअल) मोड में भी कार्यक्रम आयोजित किए।

i. हाल ही के तकनीकी विकास के संदर्भ में आपदाओं के शमन और प्रबंधन में अपनाई गई हस्तक्षेप रणनीतियों पर उच्च शिक्षा की भूमिका पर 17 अगस्त 2021 को सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ जियो – इंफॉर्मेटिक्स, सिम्बा–योसिस इंटरनेशनल (मानद विश्वविद्यालय), पुणे, महाराष्ट्र के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम;

ii. 15 जुलाई, 2021 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर, बिहार के सहयोग से "अनुसंधान हस्तक्षेप – जलवायु जोखिम न्यूनीकरण, एक अकादमिक अवलोकन" विषय पर आयोजित कार्यक्रम; तथा

iii. उत्तर पूर्वी अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एनईएसएसी), भूविज्ञान विभाग और आईक्यूएसी, सेंट एंथोनी कॉलेज, शिलांग, मेघालय के सहयोग से 20 मई, 2021 को भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र में आपदा की पूर्व चेतावनी में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग विषय पर कार्यक्रम।

- **लोगो निर्माण प्रतियोगिता 10 जून से 21 जुलाई, 2021 तक**

नेटवर्क को मजबूत करने के लिए, एनआईडीएम ने 10 जून से 24 जुलाई 2021 तक आपदा जोखिम

न्यूनीकरण (आईयूआईएनडीआरआर-एनआईडीएम) के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों और संस्थानों के नेटवर्क के लिए एक लोगो निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की। प्रतियोगिता के उद्देश्य और मानदंडों के अनुरूप, 152 प्रविष्टियों की स्क्रीनिंग की गई। प्रारंभिक चयन समिति के सदस्यों द्वारा निर्णय के लिए अंतिम चयन समिति के समक्ष प्रस्तुत की जाने वाली चार प्रविष्टियों को शॉर्टलिस्ट किया गया ।



- **आईयूआईएनडीआरआर - एनआईडीएम की सदस्यता**

नेटवर्क को मजबूत करने के लिए, आईयूआईएन डीआरआर-एनआईडीएम ने सदस्यता लेने के लिए ऑनलाइन पोर्टल की स्थापना की है। आईयूआईएनडीआरआर सचिवालय विश्वविद्यालयों/ संस्थानों को 'एक से एक' आधार पर नेटवर्क की सदस्यता लेने के लिए आमंत्रित कर रहा है; और अनुमोदन के बाद सदस्यता को ऑनलाइन पोर्टल पर अपडेट किया जाएगा जिसे आईयूआईएनडी आरआर-एनआईडीएम के तहत सदस्यों की सूची पर क्लिक करके देखा जा सकता है। वर्तमान में, देश भर के उच्च शिक्षण विश्वविद्यालयों और संस्थानों के लिए सदस्यता खुली है और नेटवर्क में शामिल होने के लिए कोई शुल्क नहीं है। अब तक, 141 विश्वविद्यालय और संस्थान नेटवर्क का हिस्सा बन चुके हैं।

वित्त पोषण एजेंसी: राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार।

4.9 बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर), एनआईडीएम

बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) केंद्र, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), गृह मंत्रालय, भारत सरकार और संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष (यूनिसेफ) की एक संयुक्त पहल है। केंद्र की स्थापना दिसंबर 2018 में हुई थी और मई 2019 से राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर विभिन्न मंत्रालयों की क्षमता बढ़ाने और बच्चों पर जलवायु परिवर्तन सहित आपदाओं के प्रभाव को रोकने, तैयारी और शमन के लिए उनकी क्षमताओं और योजनाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए कार्यात्मक हो गया। प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, अनुसंधान, नीति समर्थन और परामर्श सीसीडीआरआर केंद्र में हस्तक्षेप के प्रमुख क्षेत्र हैं।

सीसीडीआरआर केंद्र का मुख्य उद्देश्य: सीसीडीआरआर केंद्र का उद्देश्य राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर संस्थानों की क्षमता में वृद्धि करना है ताकि बच्चों, किशोरों, युवाओं और महिलाओं पर जलवायु परिवर्तन सहित आपदाओं के प्रभावों को रोकने, तैयारी और शमन के लिए मौजूदा कार्यक्रमों और योजनाओं को समायोजित किया जा सके। केंद्र का उद्देश्य देश में विकलांगता समावेशन और लिंग संवेदनशीलता से संबंधित मुद्दों को मुख्यधारा में लाना भी है।

सीसीडीआरआर केंद्र की गतिविधियां: प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, अनुसंधान, नीति समर्थन और परामर्श बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण इकाई के प्रमुख घटक हैं। सीसीडीआरआर केंद्र ने विभिन्न हितधारकों के लिए सीसीडीआरआर पर अभिविन्यास कार्यक्रम, संकाय विकास कार्यक्रम और मास्टर प्रशिक्षक कार्यक्रम आयोजित किए हैं। केंद्र जलवायु परिवर्तन अनुकूलन सहित बच्चों के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर जोखिम-विशिष्ट अनुसंधान भी कर रहा है। यह बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकारों और केंद्र सरकार को

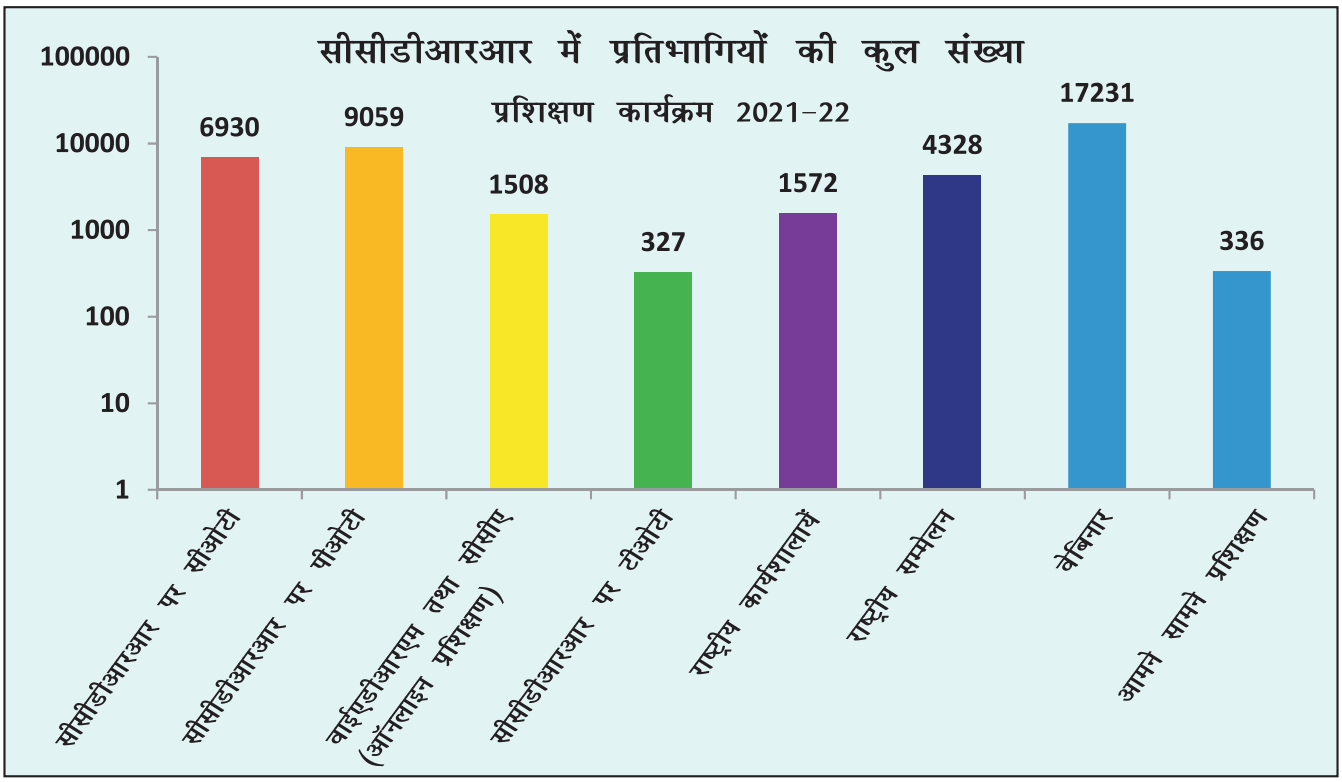
नीतिगत समर्थन प्रदान करता है। यह परामर्श के माध्यम से प्रशिक्षण, शैक्षणिक और वैज्ञानिक संस्थानों के साथ साझेदारी का एक समूह बनाता है। मूल रूप से क्षेत्रीय मुद्दों (अर्थात आवश्यकता आकलन, योजना, निगरानी और मूल्यांकन; स्वास्थ्य, पोषण; बाल संरक्षण; शिक्षा; जल, स्वच्छता और सफाई; सामाजिक सुरक्षा; लैंगिक समानता और अधिकारिता; विकलांग; प्रारंभिक बाल विकास; किशोरावस्था विकास और भागीदारी, आदि) के साथ-साथ देश में आपात और आपदा स्थितियों के लिए बाल केन्द्रित और महिलाओं से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करता है। सीसीडीआरआर केंद्र की गतिविधियों को बच्चों के लिए परिणाम-उन्मुख प्रतिबद्धताओं (सीसीसी) को सामने लाने के लिए तैयार किया गया है।

मार्च 2022 तक प्रदेय:

- **प्रशिक्षण/कार्यशालाएं/वेबिनार**

क.	प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम		
क्र.सं.	प्रकार	आयोजनों की कुल संख्या	प्रतिभागियों की कुल संख्या
1	सीसीडीआरआर पर सीओटी	16	6930
2	सीसीडीआरआर पर पीओटी	18	9059
3	वॉयएडीआरएम और सीसीए (ऑनलाइन प्रशिक्षण)	3	1508
4	सीसीडीआरआर पर टीओटी	1	327
5	राष्ट्रीय कार्यशालाएं	3	1572
6	राष्ट्रीय सम्मेलन	1	4328
7	वेबिनार	74	29438
8	आमने सामने के प्रशिक्षण	4	336
	कुल	120	41291

ख.	अनुसंधान और प्रलेखन	
	प्रकार	प्रकाशित पत्रों की संख्या
1	प्रकाशित प्रपत्रों की संख्या	3
2	विचाराधीन पुस्तकों की संख्या	8
3	नियमावली	2
4	प्रकाशित लेख	8
	कुल	21

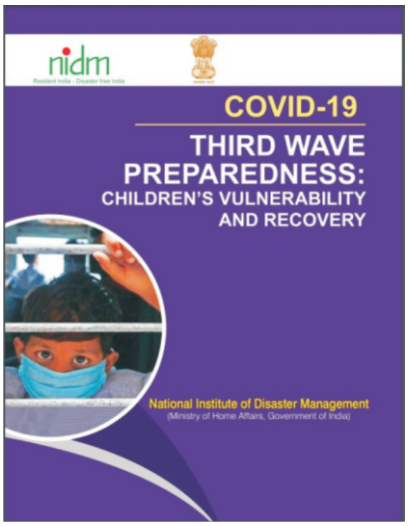


- **अनुसंधान एवं प्रकाशन:**

इस अवधि के दौरान सीसीडीआरआर केंद्र द्वारा निम्नलिखित शोध अध्ययन सम्पादित और सम्पन्न किए गए:

- सीसीडीआरआर पर प्रलेखन–20
- बच्चों के मुद्दों पर साक्ष्य आधारित शोध–10
- टायडिंग में बच्चों से संबंधित समसामयिक मुद्दों पर लेख–20
- सीसीडीआरआर पर प्रशिक्षण नियमावली–4

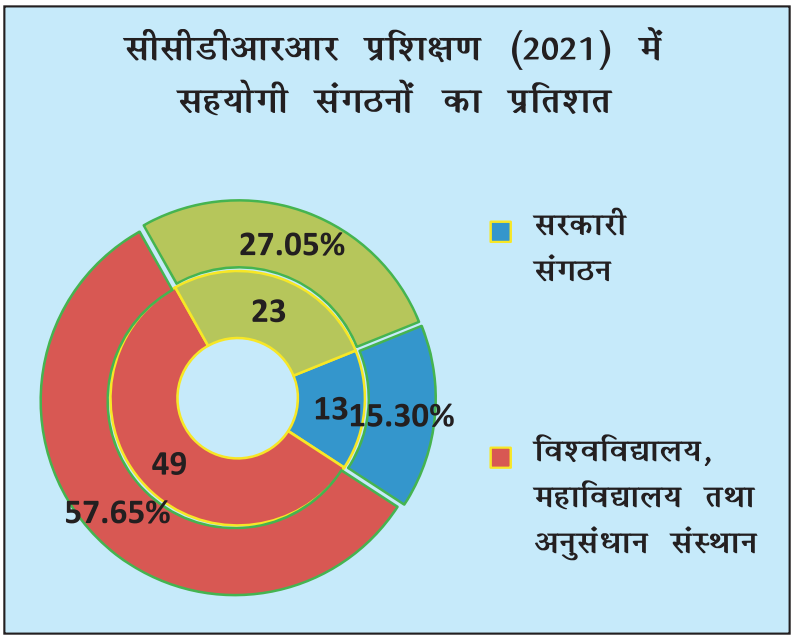




- **संगठनों और संस्थानों के साथ जुड़ाव**

आपदा जोखिम प्रबंधन योजना और शमन में बाल–केंद्रित मुद्दों और चिंताओं को सबसे आगे लाने के लिए सीसीडीआरआर केंद्र ने लगभग 85 संगठनों, संस्थानों, विश्वविद्यालयों आदि के साथ भागीदारी की। इस वर्ष, लगभग 13 सरकारी संगठनों; 49 विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और 23 अनुसंधान संस्थानों और लोकहितैषी तथा समाज संगठनों ने केंद्र के साथ एक दिवसीय वेबिनार वार्ता/प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए भागीदार संगठनों के रूप में सहयोग किया।

सीसीडीआरआर केंद्र को सबसे बड़ा सहयोग विश्वविद्यालयों, क,लेजों और अनुसंधान संस्थानों से मिला, जो कुल 85 साझेदारी का 57.65 प्रतिशत था। कुल सहयोग का लगभग 27.05 प्रतिशत लोकहितैषी और नागरिक समाज संगठनों का था। केंद्र और राज्य सरकार के संस्थानों की वर्ष 2020 में कुल भागीदारी 15.30 प्रतिशत (नीचे चार्ट देखें) रही।

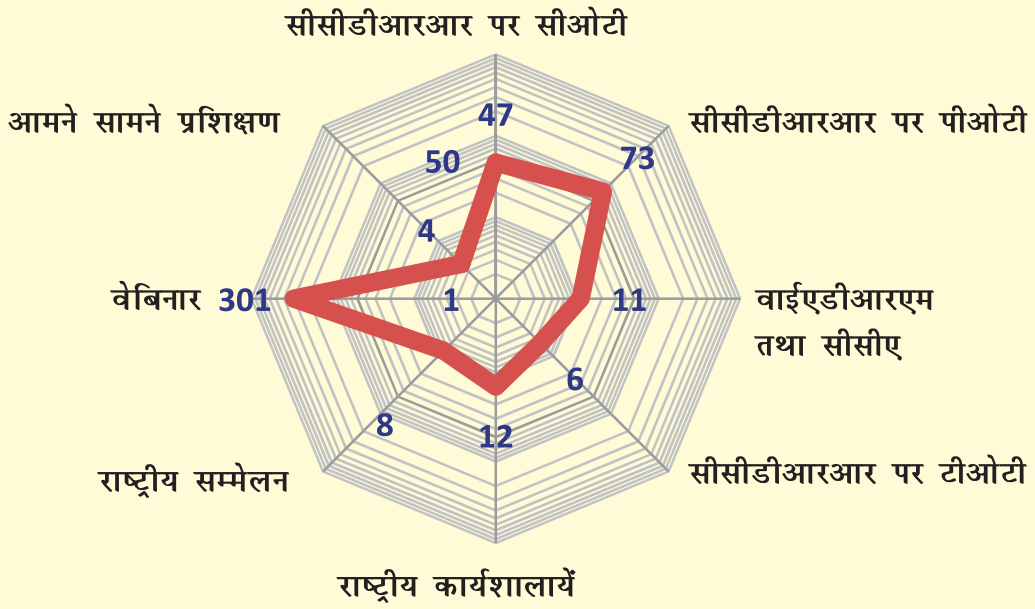


- **विषय विशेषज्ञों के साथ जुड़ाव/साझेदारी (वर्ष 2021 में)**

सीसीडीआरआर केंद्र ने बच्चों से संबंधित मुद्दों और समस्याओं के क्षेत्र में काम कर रहे संगठनों/संस्थानों की एक विस्तृत श्रृंखला से देश के भीतर और विदेशों से भी 1 दिवसीय और 3 दिवसीय प्रशिक्षण में लगभग 473 प्रख्यात पेशेवरों के साथ समन्वय, सहयोग और भागीदारी की है।

वित्त पोषण एजेंसी: संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष (यूनिसेफ)

सीसीडीआरआर गतिविधियों (2021) में बाहरी संसाधन व्यक्तियों की संख्या



4.10 अवसंरचना (रोहिणी और दक्षिणी परिसर)

क) दिल्ली के रोहिणी में एनआईडीएम के नए परिसर की आधारभूत संरचना के विकास में प्रगति

डीडीए ने भूखंड संख्या 15, ब्लॉक बी, सेक्टर 29 रोहिणी में एनआईडीएम के परिसर की स्थापना के लिए 2.87 हेक्टेयर भूमि आवंटित की। गृह मंत्रालय द्वारा एनआईडीएम के परिसर की स्थापना के लिए 59.19 करोड़ रुपए आबंटित किए गए और एनबीसीसी के माध्यम से कार्य को करने की मंजूरी दी गई।

मार्च 2021 तक कार्य की भौतिक प्रगति कार्य के प्रारंभिक आकलन का लगभग 99% है और परिसर को पूरी तरह कार्यात्मक बनाने के लिए कुछ अतिरिक्त/आवश्यक कार्य करना अपेक्षित है। हालांकि, गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार, एनआईडीएम 30.03.2021 से एनडीसीसी-द्वितीय से रोहिणी परिसर में स्थानांतरित हो गया है। परिसर में निम्नलिखित ब्लॉक शामिल हैं:

- **प्रशासनिक और प्रशिक्षण ब्लॉक**

इसमें कार्यकारी निदेशक का कार्यालय कक्ष, संयुक्त निदेशक, प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, परामर्शदाता, सहायक प्रोफेसर और प्रशासनिक कर्मचारी कार्यालय, 300 व्यक्तियों की क्षमता वाला सभागार, 100 व्यक्तियों की क्षमता वाला सम्मेलन हॉल, व्याख्यान हॉल, ग्राफिक सूचना प्रणाली (जीआईएस)

लैब, आपातकालीन संचालन केन्द्र (ईओसी), बैठक कक्ष, पुस्तकालय और भोजन हॉल शामिल हैं।

- **छात्रावास ब्लॉक**

  इसमें एकल उपयोग के 59 कमरे (33 छोटे आकार के और 26 बड़े आकार के), 4 सूट, पेंट्री और डाइनिंग हॉल, मनोरंजन सुविधाओं के लिए कॉमन रुम शामिल हैं।

- **आवास**
- टाइप VI का 1, टाइप v के 04, टाइप IV के 04, टाइप III के 08 और टाइप II के 04 आवास शामिल हैं।
- सौर प्रणाली, एसटीपी और वर्षा जल संचयन का प्रावधान किया गया है।

एनबीसीसी जल्द ही भवनों और अन्य सुविधाओं के हसतांतरण की प्रक्रिया में है।

भवनों की अद्यतन तस्वीरें इस प्रकार है। :–







(ख) आंध्र प्रदेश में एनआईडीएम दक्षिणी परिसर के बुनियादी ढांचे के विकास की प्रगति

आंध्र प्रदेश सरकार ने एनआईडीएम दक्षिणी परिसर की स्थापना के लिए आंध्र प्रदेश के गन्नवरम मंडल कृष्णा जिले के कोंडापोवल्लुरु गांव में 10 एकड़ भूमि आवंटित की। एनआईडीएम के परिसर की स्थापना के लिए गृह मंत्रालय ने 43 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं और एनबीसीसी के माध्यम से कार्य करने की स्वीकृति प्रदान की।

मार्च 2022 तक कार्य की भौतिक प्रगति इस प्रकार है:

क) प्रशासनिक ब्लॉक–संरचना का काम पूरा हो गया है।

ख) छात्रावास ब्लॉक–संरचना का काम पूरा हो गया है।

ग) आवास टाइप II, III, IV, V, और VI की संरचना का कार्य पूर्ण हो गया है।

घ) फिनिशिंग का काम प्रगति में है, मार्च 2022 तक लगभग 95% भौतिक प्रगति हासिल कर ली गई है।

अद्यतन तस्वीरें इस प्रकार हैं:-







*****

अध्याय 5

ज्ञान प्रबंधन और जागरुकता गतिविधियाँ

अध्याय-5

ज्ञान प्रबंधन और जागरुकता गतिविधियाँ

5.1 भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन)

आईडीआरएन की शुरुआत गृह मंत्रालय द्वारा भारत सरकार-यूएनडीपी आपदा जोखिम प्रबंधन (डीआरएम) कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2003 में की गई थी । आईडीआरएन के राष्ट्रीय महत्व को ध्यान में रखते हुए गृह मंत्रालय ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) को वर्ष 2008 से आईडीआरएन की निगरानी और रख-रखाव का दायित्व सौंपा है । आइडीआरएन एक महत्वपूर्ण उपकरण है क्योंकि यह उपकरण, मानव संसाधन और महत्वपूर्ण आपूर्ति के संबंध में आवश्यक सूचना उपलब्ध कराता है, जो जिला स्तर पर संबद्ध विभागों और एजेंसियों के पास उपलब्ध है ।

आईडीआरएन पोर्टल को https://idrn.nidm.gov.in पर स्थानांतरित कर दिया गया है और जून 2020 से इसे नए डिजाइन और संवादात्मक रूप के साथ पुनर्निर्मित किया गया है। नया आईडीआरएन वेब पोर्टल नवीनतम वेब तकनीकों और प्लेटफॉर्म स्वतंत्रता, जैसी सुविधाओं के साथ विकसित किया गया, जो समझने में आसान है। यह संवादात्मक, सुरक्षित और उपयोगकर्ता अनुकूल और धीमे इंटरनेट कनेक्शन पर भी कार्य निष्पादन जैसी विशेषताओं से सुसज्जित है।

एनआईसी की भूमिका-आईडीआरएन पोर्टल एनआईसी सर्वर पर स्थापित किया गया है

आईडीआरएन की निगरानी और रखरखाव वर्तमान में एनआईडीएम द्वारा केंद्रीयकृत रूप से की जाती है। एनआईडीएम की भूमिका उपयोगकर्ता प्रशासक, विकास और तकनीकी रखरखाव, प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता तक सीमित है। एनआईडीएम डेटा संग्रह या अद्यतनीकरण में शामिल नहीं है।

आई.डी.आर.एन कैसे कार्य करता है

राज्य प्राधिकारियों की भूमिका- राज्य राहत विभाग/आपदा प्रबंधन/एसडीएमए आईडीआरएन में आंकड़ो को अघतन बनाने के लिए डीएम/डीसी के साथ समन्वय करते हैं ।

जिला प्राधिकारियों की भूमिका- जिला स्तर पर आंकड़ो के संग्रह और उन्हें अघतन रूप देने के कार्य को सुगम बनाने के लिए जिला कलेक्टर/मजिस्ट्रेट प्राधिकृत अधिकारी होता है। आंकड़ों के संग्रह का प्रारूप सभी सम्बद्ध विभागों और एजैंसियों को जिला प्रशासन द्वारा भेजना होता है और एक या दो सप्ताह में उसे एकत्र करना होता है। जिला सूचना विज्ञान अधिकारियों द्वारा तकनीकी सेवाओं का उपयोग करते हुए जिला स्तर पर आंकड़ो की प्रविष्टियां की जानी चाहिए।

आईडीआरएन पोर्टल का उपयोग- सभी उपलब्ध संसाधनों की अद्यतन जानकारी समय पर प्राप्त करने के लिए कोई भी, किसी भी आपात स्थिति के दौरान आईडीआरएन पोर्टल का उपयोग कर सकता है जो किसी भी आपात स्थिति के दौरान जानमाल की क्षति और संपत्ति तथा अन्य बुनियादी ढांचे की क्षति को कम करने में अत्यंत सहायक होगा। आईडीआरएन पर संसाधन मदों की सूची देखने के लिए उपयोगकर्ता नाम और पासवर्ड की आवश्यकता नहीं है।

नवीन मुख्य विशेषता: सार्वजनिक क्षेत्र/निजी क्षेत्र की संसाधन मदों की सूची को अद्यतन बनाना पोर्टल में जोड़ा गया है।

5.2 एनआईडीएम प्रशिक्षु डाटाबेस

एनआईडीएम ने अधिकारियों और अन्य हितधारकों के लिए आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में वेबिनार और ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए है। आपदा तैयारी के लिए इन प्रशिक्षुओं का पता लगाने में सरकार/हितधारकों की मदद करने के लिए इन प्रशिक्षणों, प्रशिक्षुओं और प्रतिभागियों का पूरा डेटाबेस ऑनलाइन रखा गया है। यह जानकारी एनआईडीएम की बेवसाइट URL: http://nidm.gov.in/trainee.asp पर 2009 से उपलब्ध है।

5.3 सूचना प्रसार

5.3.1 पुस्तकालय:

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान का पुस्तकालय अपने संकाय/कर्मचारियों, भारत और विदेशों के शोधार्थियों, एनआईडीएम द्वारा आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण/डिप्लोमा कार्यक्रमों के प्रतिभागियों और अन्य अतिथि संकाय और उपयोगकर्ता की सूचना प्राप्त करने सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन और शिक्षण केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है।

यह सर्वोत्तम संदर्भ पुस्तकालयों और सूचना केंद्रों में से एक है जिसमें आपदा प्रबंधन क्षेत्र से सम्बंधित पुस्तकों, पत्रिकाओं, सरकारी रिपोर्टों, मामला अध्ययनों, प्रकाशनों का विशाल भंडार है।

संस्थान के पुस्तकालय के लिए ऑनलाइन सार्वजनिक सम्पर्क कैटालॉग (OPAC) का सम्पर्क सूत्र है: http://nidm.bestbookbuddies.com

एनआईडीएम पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं का उल्लेख नीचे किया गया है।

- पुस्तकों और पत्रिकाओं तथा अन्य पठन सामग्री का अधिग्रहण
- संदर्भ और संप्रेषण कार्य
- परिसंचरण कार्य
- पुस्तकालय स्वचालन

5.3.2 दस्तावेजीकरण और प्रकाशन

सूचना को एक संसाधन के रूप में माना जाता है, जो संगठनात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति में योगदान देता है। एक परिसंपत्ति के रूप में सूचना के मूल्य को इसके प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से सर्वोच्च स्तर तक लाया जाता है। प्रशिक्षण, अनुसंधान और परामर्श गतिविधियों को समर्थन देने के लिए आपदा प्रबंधन और विकास संबंधी जानकारी को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए निरंतर आधार पर ठोस प्रयास करना एनआईडीएम के अधिदेशों में से एक है।

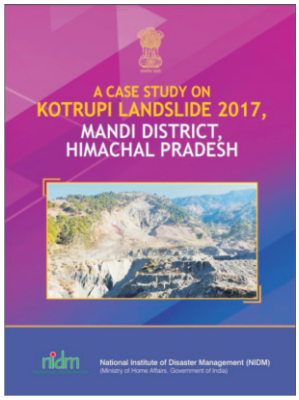
सूचना शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री

संस्थान को आपदा प्रबंधन और संबंधित पहलुओं पर सूचना प्रसारित करने का अधिदेश प्राप्त है। अधिदेश को पूरा करने में, संस्थान नियमित रूप से एक त्रैमासिक समाचार पत्रिका और विभिन्न प्रकाशन प्रकाशित करता है। विभिन्न आपदाओं और उनके प्रबंधन के बारे में जानकारी और जागरूकता पैदा करने के लिए, एनआईडीएम नियमित रूप से विभिन्न जागरूकता पैदा करने वाले संदेशों के साथ आईईसी सामग्री प्रकाशित करता है जिसे विभिन्न वेबिनार और ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में रखा जाता है। ये उपकरण एनआईडीएम की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं और इन्हें http://nidm.gov.in./iec.asp पर देखा जा सकता है। एनआईडीएम द्वारा विकसित आईईसी सामग्री का आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काम करने वाले विभिन्न हितधारकों द्वारा एनआईडीएम को समुचित श्रेय देते हुए स्वतंत्र रूप से उपयोग किया जा सकता है और व्यापक प्रसार के लिए विभिन्न भाषाओं में इसका अनुवाद किया जा सकता है। एनआईडीएम द्वारा वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान मुद्रित प्रकाशनों का विवरण पीछे सूचीबद्ध है:

प्रकाशन

i) कोट्रुपी भूस्खलन 2017, मंडी जिला, हिमाचल प्रदेश पर एक केस स्टडी

संस्थान ने हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में घटित हुए कोट्रुपी भूस्खलन की विभिन्न विशेषताओं का दस्तावेजीकरण किया है। यह घटना मंडी जिले के इतिहास में अपनी तरह की पहली घटना थी जिसने शांत और सुरम्य इलाके को तहस–नहस कर दिया। दस्तावेज आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों और अन्य प्रासंगिक हितधारकों को वर्तमान परिदृश्य में अंतराल खोजने और ऐसी विनाशकारी घटनाओं के प्रभावों को रोकने या कम करने के लिए अपनाई जाने वाली रणनीतियों में मदद करेगा।



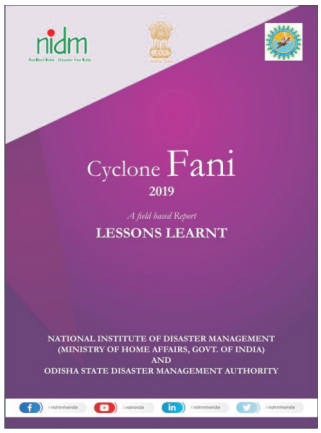
ii) केरल बाढ़ 2018

इन प्राकृतिक खतरों का सामना करने में चुनौती यह है कि इन घटनाओं में मरने के बजाय उनके साथ जीने का तरीका खोजा जाए और भविष्य में ऐसी बार–बार होने वाली आपदाओं का सामना करने के लिए समुदाय की प्रतिरोध क्षमता बढ़ाई जाए। यह आशा की जाती है कि इस दस्तावेज के प्रकाशन से बेहतर डेटा संग्रह और अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा जो भविष्य में आपदाओं के प्रबंधन में चिन्हित कमियों को दूर करने में सक्षम हो सकता है। दस्तावेज केरल में 2018 की बाढ़ आपदा से सीखे गए सबक पर आधारित है, जो आपदा समुत्थानशील समुदायों के निर्माण और ऐसी आपदाओं के कारण मानवीय, सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय नुकसान को कम करने में एक सामान्य चिंता को दर्शाता है।



iii) चक्रवात फैनी 2019: एक क्षेत्र आधारित रिपोर्ट: सीखे सबक

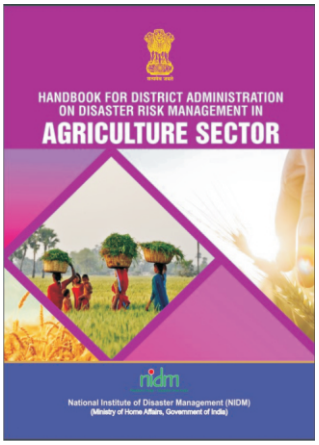
राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय ने चक्रवात फैनी से सीखे गए सबक का दस्तावेजीकरण किया है जिसने ओडिशा के लोगों के बुनियादी ढांचे और सरकारी संपत्तियों को तबाह कर दिया है। यह दस्तावेज सरकारी और गैर सरकारी संगठनों से विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श से तैयार किया गया है, चक्रवात फैनी की तुलना ओडिशा सुपर साइक्लोन 1999 से भी विस्तृत रूप में की गई है। यह दस्तावेज ओडिशा राज्य के साथ–साथ अन्य राज्यों और एजेंसियों को एक आपदा समुत्थानशील देश के निर्माण की दिशा में आपदा तैयारियों में मदद करेगा।



iv) कृषि क्षेत्र में आपदा जोखिम प्रबंधन पर जिला प्रशासन के लिए पुस्तिका

इस पुस्तिका को कृषि आपदा जोखिम, कमजोरियों और चुनौतियों, रोकथाम और शमन उपायों, तैयारी और प्रतिक्रिया योजना को परिभाषित करने के उद्देश्यों के साथ विकसित किया गया है। इस पुस्तिका का उद्देश्य जिला

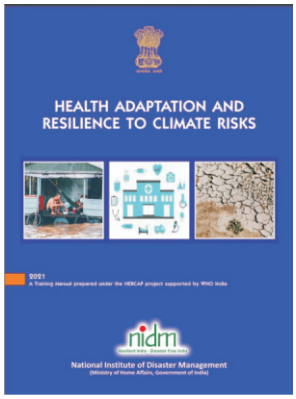
स्तर पर जोखिम न्यूनीकरण के लिए पहल करने और आपदा जोखिम प्रबंधन के क्रियान्वयन में मदद करना है। यह जिला प्रशासन स्तर पर आपदाओं से निपटने के लिए कृषक समुदाय की प्रतिरोध क्षमता बढ़ाने में भी मदद करेगा। यह पुस्तिका जिला स्तर पर संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों को आपदा से पूर्व, आपदा के दौरान और आपदा पश्चात् आपदाओं के जोखिम प्रबंधन के लिए मार्गदर्शन प्रदान करती है।



v) जलवायु जोखिमों के लिए स्वास्थ्य अनुकूलन और समुत्थानशीलता

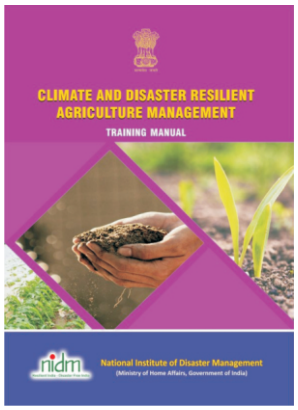
(डब्ल्यूएचओ भारत द्वारा समर्थित हरकैप (एचईआरसीएपी) परियोजना के तहत तैयार की गई प्रशिक्षण नियमावली)

इस नियमावली को जलवायु परिवर्तन से संबंधित आपदाओं के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए समुत्थानशील स्वास्थ्य प्रणाली विकसित करने की दिशा में सार्वजनिक स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों सहित क्षेत्रीय और राज्य स्तर पर अधिकारियों की क्षमता का निर्माण और उसमें सुधार करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह चरम घटनाओं और आपदाओं के संदर्भ में जलवायु और मौसम के प्रति संवेदनशील बीमारियों के लिए मौजूदा स्वास्थ्य प्रणालियों की कमजोरियों को समझने के लिए एक आधारभूत दस्तावेज या व्यावहारिक मार्गदर्शन के रूप में भी कार्य करेगा।



vi) जलवायु और आपदा समुत्थानशील कृषि प्रबंधन (प्रशिक्षण नियमावली)

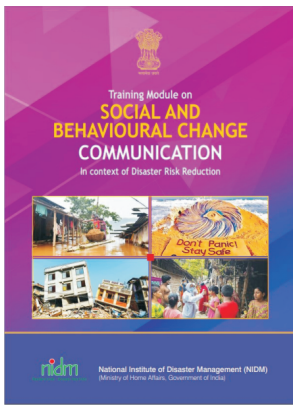
इस प्रशिक्षण नियमावली को क्षमता निर्माण गतिविधि में सहायता के लिए विकसित किया गया है। इस नियमावली को विशेष रूप से प्रशिक्षुओं को एक अंतदृष्टि प्रदान करने और आपदा जोखिम न्यूनीकरण और सीसीए के बारे में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में काम करने वाले सभी लोगों की क्षमता निर्माण के उद्देश्य से तैयार किया गया है।



vii) सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार पर प्रशिक्षण मॉड्यूल (एसबीसीसी)

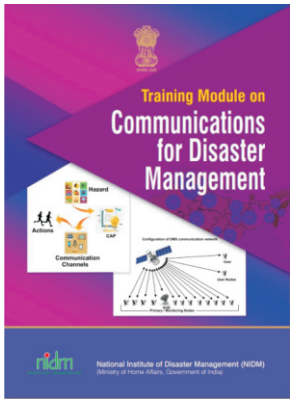
समय पर और उचित संचार द्वारा आपदाओं के प्रभाव को बहुत कम किया जा सकता है जो समुदायों के प्रतिक्रिया

करने के तरीके को बदल सकता है। आपदा जोखिम न्यूनीकरण संचार में आपदाओं के सभी चार चरणों को कवर करने के लिए समुदायों और सामुदायिक प्रभावकों को शामिल करना चाहिए। एसबीसीसी पर इस मॉड्यूल को इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दृष्टि से विकसित किया गया है। इसका उपयोग एसडीएमए और आपदा संचार का प्रबंधन करने वाले अन्य संबंधित विभागों के प्रबंधकों और अन्य संचारकों को संवेदनशील बनाने के लिए किया जा सकता है। यूनिसेफ इस मॉड्यूल को विकसित करने में भागीदार रहा है।



viii) आपदा प्रबंधन के लिए संचार पर प्रशिक्षण मॉड्यूल

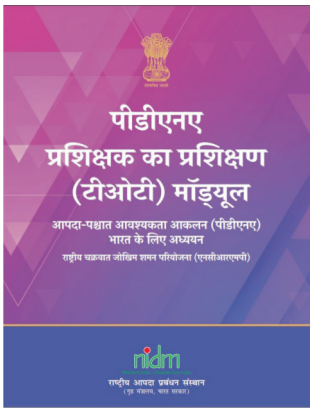
''आपदा प्रबंधन के लिए संचार'' पर यह प्रशिक्षण मॉड्यूल राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन दिशानिर्देशों– राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन सूचना और संचार प्रणाली (एनडीएमआईसीएस) भारत सरकार के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का एक प्रकाशन, जो 2012 में प्रकाशित हुआ था, को बढ़ावा देने की दृष्टि से प्रेरित और अभिप्रेत है। आपदा संचार और कलिष्ट मुद्दों के प्रबंधन को समझने के लिए



प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करना आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) को दिए गए अधिदेश का एक महत्वपूर्ण अंग है।

ix) आपदा पश्चात आवश्यकता आकलन (पीडीएनए)

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान ने भारत सरकार की राष्ट्रीय चक्रवात जोखिम शमन परियोजना, जिसका कार्यान्वयन राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा और वित्तपोषण विश्व बैंक द्वारा किया गया, के अंतर्गत भारतीय स्थितियों के अनुरूप पीडीएनए साधन विकसित किया है। यह काफी व्यावहारिक और आसानी से प्रयोग किया जाने वाला साधन है। एनआईडीएम ने पीडीएनए साधन का प्रयोग करने के लिए प्रयोक्ता मैनुअल और व्यावसायिक विकास मॉड्यूल भी विकसित किए हैं।

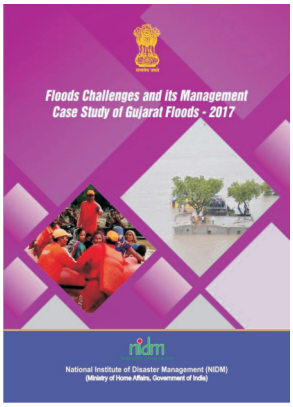






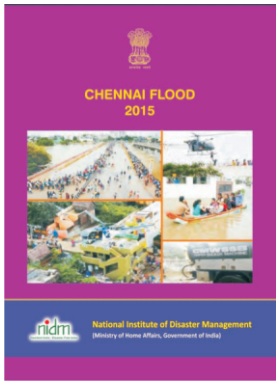
x) बाढ़ की चुनौतियाँ और उसका प्रबंधनः गुजरात बाढ़ की केस स्टडी – 2017

यह दस्तावेज गुजरात बाढ़ 2017 पर केंद्रित है; और इसके कारणों की पहचान करना, योजना और तैयारियों में सुधार करना, पूर्व चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना इसका उद्देश्य है। डीआरआर पर पीएम के 10 सूत्री एजेंडा के बिन्दु संख्याः 9 पर जोर देते हुए नीति और आपदा शासन में सुधार के लिए सीखे गए सर्वोत्तम अभ्यासों और सबक को समझने के लिए यह दस्तावेज तैयार किया गया है। यह दस्तावेज गुजरात बाढ़ 2017 पर केंद्रित है और इसमें कारणों की पहचान करना, योजना और तैयारियों में सुधार करना, पूर्व चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना आदि शामिल हैं।



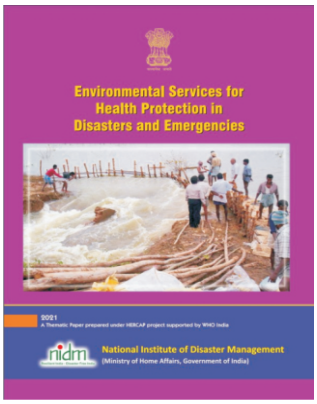
xi) चेन्नई बाढ़ 2015

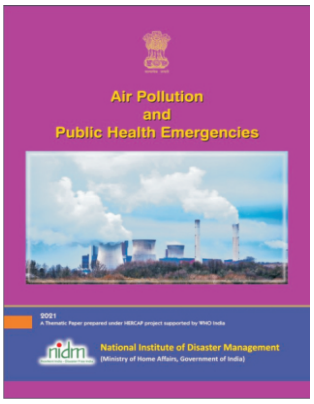
इस पुस्तक में कारण, प्रभाव, प्रतिक्रिया, राहत और रिकवरी गतिविधियों को शामिल करते हुए 2015 की चेन्नई बाढ़ की घटना को उसके सभी आयामों में प्रलेखित किया गया है। यह इस बाढ़ के बाद के परिदृश्य में भूमि उपयोग योजना मानदंडों और विकास नियमों के संदर्भ में सीखे गए सबक और निर्णयों को भी दर्शाता है। इस पुस्तक का उद्देश्य देश में बाढ़ प्रतिरोधी शहरी विकास को मजबूत करने का मार्ग प्रशस्त करना है।

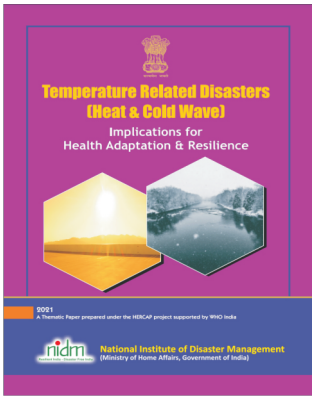


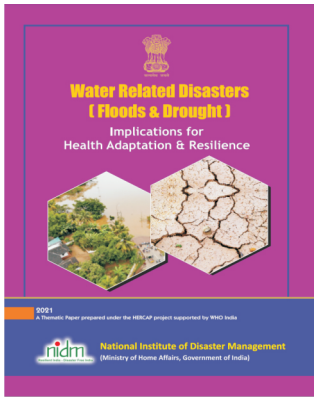
xii) डब्ल्यूएचओ भारत द्वारा समर्थित हरकैप (एचईआरसीएपी) परियोजना के तहत तैयार किए गए विषयगत पेपर

डब्ल्यूएचओ इंडिया के समर्थन से ''हेल्थ एडेप्टेशन एंड रेजिलियैंसः एडवांसिंग स्ट्रैटेजीज नॉलेज एंड कैपेसिटीज'' (एचईआर-सीएपी)'' प्रोजेक्ट के तहत विकसित किया गया है, जिसमें अचानक उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य आपात परिस्थितियों और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव और हम कैसे विभिन्न शमन और अनुकूलन रणनीतियों और प्रासंगिक नीतियों द्वारा प्रतिकूल प्रभावों को कम कर सकते हैं, का उल्लेख किया गया है









xiii) पर्यावरणीय स्थिरता, हरित विकास और आपदा समुत्थानशीलता (ज्ञान संग्रह)

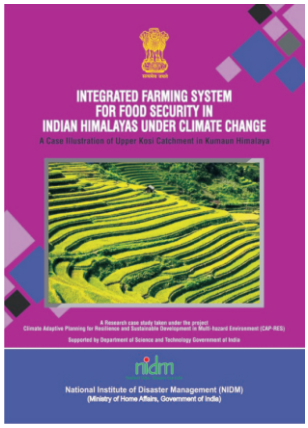
पर्यावरणीय स्थिरता, हरित विकास और आपदा समुत्थानशीलता पर इस ज्ञान संग्रह का उद्देश्य विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञों द्वारा केस स्टडी और सर्वोत्तम



प्रथाओं के माध्यम से ज्ञान, अनुभव और विशेषज्ञता का प्रसार करना है। इस संग्रह ने हमें विज्ञान, नीति नियोजन और प्रथाओं सहित डीआरआर के लिए विभिन्न दृष्टिकोणों की वर्तमान समझ में वृद्धि करने और हरित विकास दृष्टिकोण के माध्यम से जलवायु परिवर्तन प्रेरित जोखिमों और भेद्यता को संबोधित करने के लिए एक मार्गदर्शिका तैयार करने की सुविधा प्रदान करने में सक्षम बनाया है। यह दस्तावेज बहुत प्रासंगिक है क्योंकि बढ़ते जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ अनियंत्रित विकासात्मक गतिविधियाँ वैश्विक तापमान और समुद्र के स्तर को बढ़ा रही हैं।

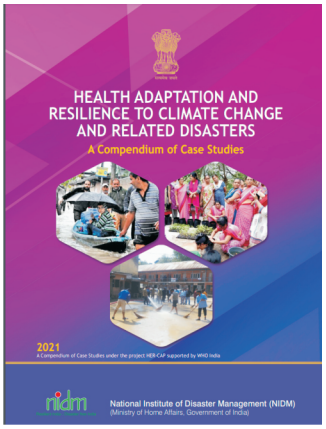
xiv) जलवायु परिवर्तन के तहत भारतीय हिमालय में खाद्य सुरक्षा के लिए एकीकृत कृषि प्रणाली

(कुमाऊं हिमालय में ऊपरी कोसी जलग्रहण का उदाहरण)



परियोजना के तहत किया गया वर्तमान शोध केस स्टडी परियोजना के समुत्थानशील कृषि विषय पर केंद्रित है और इसके अंतर्गत उत्तराखंड के भारतीय हिमालयी क्षेत्र में खाद्य और आजीविका सुरक्षा पर जलवायु परिवर्तन और जलवायु प्रेरित आपदा जोखिमों के प्रभाव का अध्ययन किया गया है। इसके अलावा, यह अध्ययन एक एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन दृष्टिकोण को नियोजित करके क्षेत्र में खाद्य और आजीविका सुरक्षा में सुधार के लिए जलवायु समुत्थानशील एकीकृत कृषि प्रणालियों के लिए एक रूपरेखा पर भी विचार करता है। इस अध्ययन ने नीति नियोजकों, स्थानीय शासन संस्थानों और समुदायों के लिए जलवायु-समुत्थानशील ढांचे को विकसित करने, अपनाने और पर्वतीय कृषि प्रणालियों को मजबूत करने के लिए कुछ मूल्यवान अंतदृष्टि और महत्वपूर्ण सिफारिशें प्रस्तुत करने में मदद की है।

xv) जलवायु परिवर्तन और संबंधित आपदाओं के लिए स्वास्थ्य अनुकूलन और समुत्थानशीलता: मामला अध्ययनों का एक संग्रह



यह संग्रह जलवायु और आपदा संबंधी उन अध्ययनों को प्रदर्शित करता है जिनमें स्वास्थ्य प्रभाव शामिल हैं और जिनमें भारत के विभिन्न हिस्सों से सीखे गए पाठों पर प्रकाश डाला गया है। यह दस्तावेज इस बात पर प्रकाश डालता है कि विभिन्न हितधारक और क्षेत्र कैसे सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार कर सकते हैं।

xvi) वार्षिक रिपोर्ट (2020–21)

वर्ष 2020–21 के लिए एनआईडीएम की वार्षिक रिपोर्ट अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में प्रकाशित की गई है। रिपोर्ट में संस्थान के विजन, मिशन, शासनादेश, संरचना, कार्यों और प्रमुख उपलब्धियों का विवरण है। रिपोर्ट को आठ अध्यायों में संरचित किया गया है। जैसे सिंहावलोकन, संगठनात्मक ढाँचा, प्रशिक्षण कार्यक्रम, परियोजनाएं, ज्ञान प्रबंधन और जागरूकता गतिविधियाँ

प्रमुख कार्यक्रम/कार्यशाला/सम्मेलन/आयोजित सेमिनार और आउटरीच गतिविधियाँ, प्रशासन, वित्त और लेखा; इसके अतिरिक्त प्रशिक्षण/प्रशिक्षुओं की संख्या, प्रशिक्षण के प्रकार आदि के संदर्भ में प्राप्त प्रगति और गतिविधियों को इसमें सूचीबद्ध किया गया है। उपलब्धियों को भौगोलिक, टाइपोलोजिकल और अस्थायी प्रवृत्तियों को दर्शाने के लिए मानचित्र, चार्ट और आंकड़े के रूप में प्रस्तुत किया गया है। एनआईडीएम और परिसर से बाहर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की विस्तृत सूची,



एनआईडीएम के शासी निकाय के सदस्यों की सूची आदि के सम्बन्ध में पाँच अनुलग्नक संलग्न किए गए है।

xvii) आपदा एवं विकास जर्नल

संस्थान ''आपदा और विकास'' (डिजास्टर एण्ड डिवलैपमैंट) शीर्षक से एक द्वि-वार्षिक पत्रिका प्रकाशित करता है।

पत्रिका का पहला अंक 29 नवंबर 2006 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में प्रथम भारत आपदा प्रबंधन कांग्रेस के उद्घाटन समारोह में भारत के तत्कालीन माननीय प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा जारी किया गया था। वित्त वर्ष (2021–22) के दौरान, इस पत्रिका के दो अंक प्रकाशित किए गए है।





xviii) समाचार पत्रिका ''टाइडिंग्स''

एनआईडीएम की समाचार पत्रिका ''टाइडिंग्स'' एक त्रैमासिक प्रकाशन है। यह विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सेमिनारों और कार्यशालाओं की सिफारिशों पर प्रकाश डालता है, जो एनआईडीएम द्वारा नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर अग्रिम प्रचार देने के अलावा, इस समाचार पत्रिका में संकाय विकास, सफलता की कहानियों, यात्राओं और प्रतिनिधिमंडलों आदि के बारे में समाचार शामिल किए जाते हैं।









*****

अध्याय 6

कार्यशालाएं/सेमिनार/सम्मेलन

अध्याय-6

कार्यशालाएं/सेमिनार/सम्मेलन

6.1 पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की आपदा प्रबंधन योजना तैयार करने के लिए इस मंत्रालय के नोडल अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यशाला, 8 अप्रैल 2021

पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की आपदा प्रबंधन योजना तैयार करने के लिए इस मंत्रालय के नोडल अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान द्वारा आयोजित अभिविन्यास कार्यशाला 8 अप्रैल 2021 को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यशाला में पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के विभिन्न संभागों, संस्थानों, संगठनों और क्षेत्रीय कार्यालयों के 25 नोडल अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य सभी नोडल अधिकारियों को जोखिम खतरा भेद्यता और क्षमता विश्लेषण (एचआरवीसीए) टेम्पलेट और अभ्यास से परिचित कराना था। एचआरवीसीए टेम्पलेट के प्रत्येक घटक पर विस्तार से चर्चा की गई

6.2 पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की आपदा प्रबंधन योजना के विकास के लिए खतरा जोखिम भेद्यता और क्षमता विश्लेषण (एचआरवीसीए) कार्यशाला, 14 जून 2021

आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीति 2009 के अनुसार, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के लिए एक राष्ट्रीय पर्यावरण वन और जलवायु आपदा प्रबंधन योजना (एनईएफसीडीएमपी) विकसित कर रहा है। इस संदर्भ में, एनआईडीएम ने 14 जून 2021 को पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की आपदा प्रबंधन योजना तैयार करने पर मंत्रालय के सभी प्रभागों और संस्थानों के नोडल अधिकारियों के साथ एक एचआरवीसीए कार्यशाला का आयोजन किया ।

6.3 राष्ट्रीय रसायन एवं पेट्रोरसायन आपदा प्रबंधन योजना (एनसीपीसी-डीएमपी), की तैयारी के लिए प्रथम क्षेत्रीय परामर्श पर कार्यशाला, 21जून, 2021

एनआईडीएम के ईसीडीआरएम प्रभाग ने राष्ट्रीय रसायन और पेट्रोरसायन आपदा प्रबंधन योजना (एनसीपीसी-डीएमपी) तैयार करने के लिए 21 जून 2021 को प्रथम क्षेत्रीय परामर्श पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में रसायन और पेट्रोरसायन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन क्षेत्रों में काम करने वाले विभिन्न संगठनों के 59 विशेषज्ञों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, अर्थात् केंद्रीय पेट्रोकेमिकल्स, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), चेन्नई; कीटनाशक निर्माण प्रौद्योगिकी संस्थान (आईपीएफटी), हरियाणा; हिंदुस्तान ऑर्गेनिक केमिकल्स लिमिटेड (एचओसीएल), नेशनल सेफ्टी काउंसिल (एनएससी), केमिकल्स एंड पेट्रोकेमिकल्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सीपीएमए), फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफआईसीसीआई), आईआईटी रुड़की, यूएनईपी, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मुंबई, ओएनजीसी, मैंगलोर आदि।

6.4 एनसीपीसी-डीएमपी की तैयारी के लिए पहली कार्यकारी समूह की बैठक, 14 जुलाई 2021

एनआईडीएम के ईसीडीआरएम प्रभाग ने राष्ट्रीय रसायन एवं पेट्रोरसायन आपदा प्रबंधन योजना (एनसीपीसी-डीएमपी) की तैयारी के लिए कार्यकारी समूह की पहली बैठक 14 जुलाई 2021 को आयोजित की। बैठक में रसायन और पेट्रोरसायन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन क्षेत्र में काम करने वाले विभिन्न सरकारी संगठनों के 25 सदस्यों (12 डब्ल्यूजी सदस्यों सहित) ने भाग लिया, नामत: खतरनाक पदार्थ प्रबंधन प्रभाग (एचएसएमडी), पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली; केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), नई दिल्ली; सीएसआईआर-भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान (आईटीआरआई), लखनऊ; सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सिपेट), चेन्नई; कीटनाशक निर्माण प्रौद्योगिकी संस्थान (आईपीएफटी), हरियाणा; हिंदुस्तान ऑर्गेनिक केमिकल्स लिमिटेड (एचओसीएल)। एनआईडीएम से, वाईपी, जेसी और ईसीडीआरएम प्रभाग के परियोजना कर्मचारी भी उपस्थित थे। बैठक के दौरान जोखिम, खतरा, भेद्यता और क्षमता विश्लेषण (एचआरवीसीए) टेम्पलेट पर चर्चा की गई और इसे अंतिम रूप दिया गया।

6.5 नोडल अधिकारियों के साथ एचआर-वीसीए कार्यशाला, 2 अगस्त 2021

रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के रसायन और पेट्रोरसायन विभाग (डीसीपीसी) के लिए राष्ट्रीय रसायन और पेट्रोरसायन - आपदा प्रबंधन योजना की तैयारी के लिए खतरा जोखिम भेद्यता और क्षमता विश्लेषण (एचआरवीसीए) के लिए टेम्पलेट पर चर्चा करने और उसे भरने के लिए एनआईडीएम द्वारा एक एचआरवीसीए कार्यशाला 2 अगस्त, 2021 को आयोजित की गई थी। कार्यशाला ने एचआरवीसीए टेम्पलेट के बारे में डीसीपीसी के सभी प्रभागों और संस्थानों के नोडल अधिकारियों के साथ संवाद का अवसर प्रदान किया ताकि वे विश्लेषण की प्रगति के लिए इसे विधिवत रूप से भर सकें। कार्यशाला में डीसीपीसी के 07 नोडल अधिकारियों सहित 16 सदस्यों ने भाग लिया ।

6.6 ''जलवायु समुत्थानशीलता एजेंडा का स्थानीयकरण'' विषय पर उच्च स्तरीय नीति वार्ता: परिकल्पना 2050 और 2100, 2-3 सितंबर 2021

एनआईडीएम ने कैप-रस परियोजना के तहत डीएसटी, भारत सरकार के साथ संयुक्त रूप से तथा जीआईजेड, जर्मनी, भारत कार्यालय के सहयोग से ''जलवायु समुत्थानशीलता एजेंडा का स्थानीयकरण'' विषय पर उच्च स्तरीय नीति वार्ता: परिकल्पना 2050 और 2100, का 2-3 सितंबर 2021 को ऑनलाइन आयोजन किया। सम्मेलन ने भविष्य के जलवायु स्थानीयकरण एजेंडा को विकसित करने के लिए पिछले दशकों से सीखे गए अनुभवों और सबक पर चर्चा और संवाद के माध्यम से सभी समावेशी दृष्टिकोण और रूपरेखा विकास के लिए एक मंच प्रदान किया। सम्मेलन के दौरान विचार-विमर्श द्वारा 2050 और 2100 की परिकल्पना के लिए कई विषयों के बीच एस एंड टी नवाचारों की एक श्रृंखला का उपयोग करने के अवसरों की पहचान की गई । इस कार्यक्रम में लगभग 229 प्रतिभागियों ने भाग लिया।



6.7 पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की आपदा प्रबंधन योजना (एनईएफसी-डीएमपी) की तैयारी के लिए कार्य समूह की सिस्को वीबेक्स के माध्यम से दूसरी बैठक, 17 सितंबर 2021

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान द्वारा पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की आपदा प्रबंधन योजना तैयार करने के लिए 17 सितंबर 2021 को द्वितीय कार्यकारी दल की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पर्यावरण, वन, जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न सरकारी संगठनों के कार्यदल के 18 सदस्यों ने भाग लिया, जिनमें राष्ट्रीय सतत तटीय प्रबंधन केंद्र, चेन्नई, भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून , केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नई दिल्ली, कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग-आईसीएआर, नई दिल्ली, सीएसआईआर-राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (एनईईआरआई), नागपुर, वन्य जीवन अपराध नियंत्रण ब्यूरो, नई दिल्ली, जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण संस्थान, वन अनुसंधान संस्थान देहरादून, राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, रसायन और उर्वरक मंत्रालय, आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना गठबंधन, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, जल शक्ति मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय शामिल थे।

6.8 ''जलवायु और आपदा समुत्थानशीलता के लिए जलवायु अनुकूलन महत्वपूर्ण सुविधाएं'' पर पहली राज्य स्तरीय परामर्श बैठक, 7 अक्टूबर 2021

सीईसीआर-एनआईडीएम, सीसीए और डीआरआर के विशेष संदर्भ में अधिकारियों और नीति नियोजकों सहित प्रमुख पेशेवरों और हितधारकों के ज्ञान के आधार में सुधार के संदर्भ में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के लिए जीआईजेड जर्मनी इंडिया ऑफिस और जियो हैजर्ड्स सोसाइटी के सहयोग से अपनी तरह की पहली अनुकूलन परियोजना का प्रस्ताव कर रहा है। परियोजना के हिस्से के रूप में पहली राज्य स्तरीय परामर्श बैठक 7 अक्टूबर 2021 को सिस्को-वेबएक्स प्लेटफॉर्म पर हुई। तीन राज्यों अर्थात गुजरात, हिमाचल प्रदेश और ओडिशा के अधिकारी बैठक के दौरान मौजूद थे। परामर्श से (i) जलवायु संवेदनशील स्थानों, समुदायों और महत्वपूर्ण सुविधाओं की पहचान करने; (ii) द्वितीयक आंकड़ों के आधार पर जलवायु जोखिमों के संदर्भ में प्रमुख महत्वपूर्ण सुविधाओं की समुत्थानशीलता की समीक्षा करने; और (iii) पूर्व चेतावनी सहित जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के लिए प्रभावी तैयारी सुनिश्चित करने के लिए फ्रंटलाइन स्टाफ और सीबीओ की क्षमताओं में सुधार करने में सहायता मिली।

6.9 आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाने के लिए कार्यशाला का आयोजन और ईपीआर हैंडबुक जारी करना, 13 अक्टूबर 2021

आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाने और ईपीआर हैंडबुक जारी करने के लिए इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें एनडीएमए, एनआईडीएम, यूएनडीआरआर, यूनिसेफ के विशेषज्ञों का एक पैनल शामिल था, जिन्होंने आधिकारिक तौर पर हैंडबुक का विमोचन किया। इस कार्यक्रम में आपदा जोखिम न्यूनीकरण में मीडिया की भूमिका पर बल देने वाली एक मीडिया गोलमेज भी शामिल थी, जिसमें 4-5 पैनलिस्ट (संयुक्त राष्ट्र, सरकार और मीडिया विशेषज्ञ) शामिल थे।

6.10 एनसीपीसी-डीएमपी की तैयारी के लिए कार्यदल की दूसरी बैठक, 22 अक्टूबर 2021

एनसीपीसी-डीएमपी की तैयारी के लिए एनआईडीएम ने दूसरी कार्य समूह की बैठक 22 अक्टूबर 2021 को



आयोजित की। बैठक में 18 सदस्यों (डब्ल्यूजी सदस्यों सहित) ने भाग लिया। बैठक के दौरान डीएम योजना का पहला मसौदा साझा किया गया और उस पर चर्चा की गई। एचआरवीसीए अभ्यास और योजना के अन्य घटकों के परिणामों और विश्लेषण पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान आपातकालीन आकस्मिकता और व्यापार निरंतरता योजना पर भी चर्चा की गई।

6.11 आपदा के बाद की स्थितियों में उत्पन्न ठोस अपशिष्ट के उपयोग और सुरक्षित निपटान के लिए चुनौतियों और समाधानों पर राष्ट्रीय परामर्श कार्यक्रम, 11-12 नवंबर 2021

''आपदा के बाद की स्थितियों में उत्पन्न ठोस अपशिष्ट के उपयोग और सुरक्षित निपटान के लिए चुनौतियां और समाधान'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श का आयोजन 11 और 12 नवंबर 2021 को डॉ. गरिमा अग्रवाल, वरिष्ठ परामर्शदाता, और प्रो. चंदन घोष, प्रमुख, समुत्थानशील अवसंरचना प्रभाग, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया, जिसमें आपदा के बाद ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर चार तकनीकी सत्र शामिल थे। इसका विवरण नीचे दिया गया है:

क्र.सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम	सहयोगी एजेंसी	तिथि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	तकनीकी सत्र-1: ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबद्ध अवलोकन और चुनौतियाँ	एनआईडीएम	11 नवम्बर 2021	66
2.	तकनीकी सत्र 2: आपदाओं और नवाचारों के कारण प्लास्टिक अपशिष्ट उत्पादन और पुर्नचक्रण के लिए उपलब्ध प्रौद्योगिकी- पर्यावरण अनुकूल तरीके से प्लास्टिक कचरे का पुन: उपयोग।	यूएनडीपी	11 नवम्बर 2021	54
3.	तकनीकी सत्र 3: आपदाओं के बाद मलबा अपशिष्ट प्रबंधन- चुनौतियाँ और समाधान	एनआईडीएम	12 नवम्बर 2021	80
4.	तकनीकी सत्र 4: औद्योगिक आपदाओं, आग और स्वास्थ्य सुविधाओं के कारण उत्पन्न खतरनाक अपशिष्ट निपटान	एनआईडीएम	12 नवम्बर 2021	84

6.12 ''आपदा अनुसंधान में परिप्रेक्ष्य: स्थिति, आवश्यकताएँ और अवसर'' पर विशेष गोलमेज कार्यशाला, 15 नवंबर 2021

आपदा प्रबंधन पर 5वीं विश्व कांग्रेस का यह एक पूर्व-सम्मेलन कार्यक्रम था। डीएसटी, पीएसए से लेकर भारत सरकार, नीति आयोग और सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हडर्स फील्ड, यूके से आए वक्ताओं ने आपदा अनुसंधान के विभिन्न दृष्टिकोणों और संभावनाओं के बारे में चर्चा की। आपदा प्रबंधन विस्तार ले रहे विषयों में से एक है और यह एक ही समय में कई विषयों से उभरा है, उदाहरण के लिए, सामाजिक विज्ञान विषयों से उत्पन्न समुदाय-आधारित हस्तक्षेप, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, रेट्रोफिटिंग और इंजीनियरिंग और वैज्ञानिक क्षेत्र से संबंधित, पृथ्वी विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, आदि।





6.13 ''जलवायु और आपदा समुत्थानशीलता के लिए जलवायु अनुकूलन महत्वपूर्ण सुविधाएं'', विषय पर दूसरी राज्य स्तरीय परामर्श बैठक 26 नवंबर 2021

एनआईडीएम में सीईसीआर ने जीआईजेड जर्मनी इंडिया अ,फिस और जियोहाजर्ड्स सोसाइटी के सहयोग से सिस्को-वेबेक्स प्लेटफॉर्म पर 26 नवंबर 2021 को दूसरी राज्य स्तरीय परामर्श बैठक का आयोजन किया। बैठक में ओडिशा, गुजरात और हिमाचल प्रदेश के राज्य अधिकारियों ने भाग लिया। परामर्श का उद्देश्य परियोजना की अवधारणा को परिष्कृत करना और सभी हितधारक विभागों से राज्य की विशिष्ट कमजोरियों और आवश्यकताओं को समझना है। परामर्श बैठक में 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

6.14 एनसीपीसी - डीएमपी की तैयारी के लिए सलाहकार समिति की बैठक, 7 दिसंबर 2021

एनआईडीएम के ईसीडीआरएम प्रभाग द्वारा 7 दिसंबर 2021 को सिस्को वेबएक्स ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से राष्ट्रीय रसायन और पेट्रोरसायन आपदा प्रबंधन योजना (एनसीपीसी-डीएमपी) की तैयारी के लिए सिफारिश/सुझाव प्राप्त करने के लिए एक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक संयुक्त सचिव (पीसी), डीसीपीसी की अध्यक्षता में हुई। विषय क्षेत्र के विशेषज्ञों से सुझाव प्राप्त करने के लिए बैठक के दौरान आपदा प्रबंधन योजना के मसौदे को साझा किया गया और चर्चा की गई। इस बात पर जोर दिया गया कि योजना को सभी एजेंसियों के लिए स्पष्ट संगठनात्मक संरचना प्रदान करनी चाहिए और स्थिति की मांग होने पर किए जाने वाले कर्तव्यों को विस्तार देना चाहिए, ताकि सामुदायिक पीड़ा और संपत्ति क्षति की संभावना/गंभीरता को कम किया जा सके।

6.15 डीसीपीसी, नई दिल्ली में डीएमपी के पहले मसौदे पर बैठक, 21 दिसंबर 2021

21 दिसंबर 2021 को डीसीपीसी, नई दिल्ली में सचिव (सी एंड पीसी) और संयुक्त सचिव (पीसी), डीसीपीसी की अध्यक्षता में आयोजित डीएमपी के पहले मसौदे पर आमने-सामने की बैठक आयोजित की गई। डीएम योजना का पहला मसौदा साझा किया गया और बैठक के दौरान उस पर चर्चा की गई। बैठक में डीसीपीसी के विभिन्न संभागों के नोडल अधिकारी शामिल हुए।

6.16 ''भारत में डीआरआर के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति (एसटीआईडी)'' पर उच्च स्तरीय गोलमेज, 6 जनवरी 2022

भारत सरकार के सहयोग से सीएपी-आरईएस परियोजना के तहत सिस्को- वेबेक्स प्लेटफॉर्म पर 6 जनवरी 2022

को भारत में डीआरआर (एसटीआईडी) के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति पर एक उच्च स्तरीय गोल मेज का आयोजन किया। सम्मेलन ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और नवाचार की भूमिका को उजागर करने के लिए एक मंच प्रदान किया। सत्र के दौरान चर्चा में रणनीति दस्तावेज विकसित करने, कार्यान्वयन के लिए क्षेत्रों और क्षेत्रों को प्राथमिकता देने और नीति कार्यान्वयन के माध्यम से आपदा जोखिम न्यूनीकरण के कार्यान्वयन के लिए एक रूपरेखा/ मार्गदर्शिका प्रदान करने के लिए एक अवसर प्रदान किया गया ।

6.17 पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की आपदा प्रबंधन योजना (एनईएफसी-डीएमपी) की तैयारी के लिए दूसरी क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला 20 जनवरी 2022

पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सहयोग से एनआईडीएम द्वारा पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की आपदा प्रबंधन योजना तैयार करने के लिए एक क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्रो. अनिल के गुप्त, पीडी-एनईएफसीडीएमपी ने स्वागत भाषण दिया और कार्यशाला के लिए संदर्भ निर्धारित किया। आमंत्रित प्रतिभागियों के परिचय के बाद, डॉ. सनयनबी होडम, रिसर्च एसोसिएट द्वारा एनईएफसी-डीएमपी के मसौदे पर एक प्रस्तुति दी गई, जिसमें उन्होंने योजना की सामग्री दिखाई। सुश्री ऋचा श्रीवास्तव ने योजना की झलक दिखाई और कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञों से सुझाव मांगे। कार्यशाला में पर्यावरण, वन और जलवायु क्षेत्रों के क्षेत्र में काम कर रहे 30 से अधिक आमंत्रित विशिष्ट विशेषज्ञों ने भाग लिया।

6.18 विज्ञान प्रसार , विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा 22-28 फरवरी, 2022 को आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान पुस्तक मेले में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान की भागीदारी

पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय महोत्सव, स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ पर विभिन्न क्षेत्रों में देश की उपलब्धियों को प्रदर्शित करता है । इस कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी संगठनों ने 75 वर्षों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की उपलब्धियों का उत्सव मनाया। राष्ट्रीय विज्ञान पुस्तक मेले के साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी मेगा एक्सपो 22-28 फरवरी, 2022 तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) ने निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ राष्ट्रीय विज्ञान पुस्तक मेला-2022 में भाग लिया:





- आपदा प्रबंधन के बारे में आम जनता के बीच जागरूकता पैदा करने और रुचि पैदा करने के लिए,
- एनआईडीएम और इसके कार्य को आम जनता के सामने उजागर करने और साथ ही साथ विभिन्न विभागों और मंत्रालयों के अन्य हितधारकों के साथ जुड़ना, और
- डीआरआर के क्षेत्र में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण से संबंधित गतिविधियों में उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए प्रासंगिक हितधारकों का एक नेटवर्क बनाना ।

प्रदर्शनी में एनआईडीएम टीम ने स्टाल के माध्यम से संस्थान के प्रकाशनों और अन्य गतिविधियों को प्रदर्शित किया। एनआईडीएम की विभिन्न गतिविधियों को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न माध्यमों का उपयोग किया गया था, जिसमें संस्थान की परिकल्पना, ई-लर्निंग प्रमाणित पाठ्यक्रम और आईडीआरएन प्लेटफॉर्म आदि शामिल थे। सक्रिय जुड़ाव के माध्यम से, एनआईडीएम टीम ने स्टाल पर आगंतुकों के साथ विभिन्न जागरूकता सामग्री साझा की और चयनित/विभिन्न आईईसी सामग्री का वितरण भी किया। जागरूकता सामग्री के अलावा एनआईडीएम द्वारा प्रकाशित विभिन्न मॉड्यूल, केस स्टडी, कार्यशालाओं/सम्मेलनों की कार्यवाही, पुस्तकें आदि भी प्रदर्शित की गईं और उनमें से कुछ का वितरण भी किया गया। देश में आपदा प्रबंधन के लिए किए गए कार्यों और एनआईडीएम की भूमिका के बारे में जानने के लिए बच्चों, महिलाओं और अन्य सहित सभी श्रेणियों के आगंतुक उत्सुक थे। पेशेवरों और छात्रों ने ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों और वेबिनार आदि में भाग लेने में गहरी रुचि दिखाई। उनमें से कई ने ई-लर्निंग पाठ्यक्रमों में शामिल होने की इच्छा दिखाई। कुल मिलाकर यह एनआईडीएम, आपदा जोखिम शमन और प्रबंधन के बारे में लोगों को जागरूक करने के प्रति एक बहुत अच्छी पहल थी, और इसके द्वारा अंततः आम जनता/समुदाय को आपदाओं के प्रति अधिक सुरक्षित और समुत्थानशील बनाने का लक्ष्य था।

6.19 ''जलवायु चरम और आपदाओं के कारण हानि और क्षति'' पर गोलमेज कार्यशाला, 25 फरवरी 2022

एनआईडीएम ने 'जलवायु चरम और आपदाओं के कारण हानि और क्षति' पर एक गोलमेज कार्यशाला का आयोजन किया। चूंकि आपदाओं को एक सतत विकास चुनौती के रूप में देखा जा रहा है और संचारी रोगों में, भारत जैसे विकासशील देश में जलवायु आपदाओं और जैविक प्रकोपों के मानचित्रण के लिए कई स्रोतों से डेटा के संपूर्ण संकलन की आवश्यकता होती है। इस तरह के अध्ययन बहुत महत्वपूर्ण हैं और समय की जरूरत है। ऐसा ही एक अध्ययन एनआईडीएम द्वारा जीआईजेड के सहयोग से ''भारत में जलवायु और जैविक आपदाओं का मानचित्रण'' पर किया गया है और इसी क्रम में इस गोलमेज कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें अध्ययन के प्रमुख निष्कर्षों तथा हानि और क्षति को कम करने पर चर्चा की गई तथा हानि और क्षति को कम करने पर प्रकाश डाला गया।



6.20 अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 8 मार्च 2022

एनआईडीएम ने 8 मार्च 2022 को अपने नवनिर्मित परिसर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। यह वह दिन था जब एनआईडीएम की महिला कर्मचारियों ने दुनिया भर में

महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों पर खुशी मनाई। समारोह की शुरुआत प्रतिभागियों के एक छोटे से परिचय के साथ हुई। सभी महिला कर्मचारियों ने 'लैंगिक संवेदनशीलता' पर अपने-अपने विचार रखे। यह उन सभी निडर महिलाओं के साथ एकजुटता से खड़े होने का अवसर था जो लैंगिक समानता के लिए डटी रहीं। वहां उपस्थित महिलाओं में से कुछ ने स्वेच्छा से गीत गाए, कविता पाठ किया और अपने अनुभव साझा किए।

इस पर विचार किया गया कि कई लोगों के लिए महिलाओं की भूमिका घर के कामों तक ही सीमित है। हालांकि, इसमें बदलाव की जरूरत है क्योंकि हम सभी इंसान हैं और सभी से समान अधिकारों और अवसरों के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए। हर कोई अपने जीवन में महिलाओं के महत्व और समाज में उनके अभूतपूर्व योगदान को भी स्वीकार करता है। 2022 के लिए, संयुक्त राष्ट्र द्वारा दी गई थीम ''एक स्थायी कल के लिए आज लैंगिक समानता'' है, जिसका उद्देश्य उन महिलाओं को पहचानना है जो सतत भविष्य नियोजन के लिए काम कर रही हैं।

6.21 राष्ट्रीय वार्षिक प्रशिक्षण सम्मेलन 2022 (एनएटीसी-2022), 14 मार्च 2022

राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों का राष्ट्रीय वार्षिक प्रशिक्षण सम्मेलन चुनौतियों, क्षमता अंतरालों पर चर्चा करने और आमने-सामने प्रशिक्षण कार्यक्रम कैलेंडर 2022-2023 के लिए प्रशिक्षण रणनीति विकसित करने के लिए आयोजित किया गया था। राष्ट्रीय वार्षिक प्रशिक्षण सम्मेलन- 2022 का आयोजन विशेषज्ञों की सिफारिशों के आधार पर आपदा अनिश्चितताओं को दूर करने और आपदाओं से लड़ने के लिए राष्ट्र को तैयार करने की तात्कालिकता को समझने के लिए किया गया था। सम्मेलन में सरकारी और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ-साथ विभिन्न राज्यों



और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न हितधारकों ने भाग लिया। इसमें एसडीएमए/आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, एटीआई और अन्य संबंधित विश्वविद्यालय और संस्थान भी शामिल थे। इन हितधारकों को एक मंच पर एक साथ लाने और एनआईडीएम द्वारा आयोजित ''प्रशिक्षण और आवश्यकता मूल्यांकन'' के आधार पर आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को एकीकृत करने की आवश्यकता पर विचार-मंथन करने पर इस सम्मेलन के दौरान ध्यान केंद्रित किया गया।

6.22 तृतीय कार्य समूह सह क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला, 16 मार्च 2022

रसायन और पेट्रोरसायन विभाग (डीसीपीसी) के सहयोग से एनआईडीएम, रोहिणी , नई दिल्ली परिसर में 16 मार्च 2022 को तीसरे कार्य समूह सह क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला का आमने-सामने आयोजन किया गया। योजना का एक अंतिम मसौदा साझा किया गया और सभी सदस्यों के साथ उनके विचार और सुझाव प्राप्त करने के लिए चर्चा की गई। कार्यशाला में विभिन्न संगठनों जैसे रसायन और पेट्रोरसायन विभाग, केंद्रीय जल आयोग, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, पेट्रोलियम मंत्रालय, एचआईएल (इंडिया) लिमिटेड, केंद्रीय पेट्रोकेमिकल्स, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान आदि के 15 से अधिक विशिष्ट विशेषज्ञों ने भाग लिया ।

*****

अध्याय 7

वित्त और लेखा

अध्याय–7

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

एच के कोतावालिया एण्ड कम्पनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट

बी-2ए/31, जनक पुरी, मेट्रो पिलर नं. 536, नई दिल्ली-110058
दूरभाष: 011-41650299 मोबाइल: +91-9810450299, 9999701196
ई-मेल: kotwalia@gmail.com / khurana@hkkotwalia.com
sneha@hkkotwalia.com Web.: www.hkkotwalia.com

सेवा में
कार्यकारी निदेशक
राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा सम्बन्धी रिपोर्ट

अभिमत

हमने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (''संस्था'') की 31 मार्च 2022 तक के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है, जिसमें इस तिथि को समाप्त होने वाले वर्ष का तुलन-पत्र, आय और व्यय खाते, प्राप्ति और भुगतान खाता तथा महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का एक सारांश और अन्य स्पष्टीकरण जानकारी शामिल है। हमारे विचार में और हमारी सर्वोत्तम सूचना तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उपरोक्त वित्तीय विवरण अपेक्षित तरीके से जानकारी प्रदान करते हैं तथा संलग्नक 'क' में दी गई टिप्पणियों को छोड़कर, सही और निष्पक्ष मत परिलक्षित करते हैं।

अभिमत का आधार

हमने लेखा परीक्षा मानकों के आधार पर लेखा परीक्षा की है। इन मानकों के आधार पर हमारे उत्तरदायित्व हमारी रिपोर्ट के "वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक के उत्तरदायित्व" खण्ड में भी स्पष्ट किए गए हैं। वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा से सम्बद्ध नैतिक अपेक्षाओं के अनुरूप हम संस्था से स्वतंत्र हैं, और हमने अपने अन्य उत्तरदायित्वों का निर्वहन इन नैतिक अपेक्षाओं के अनुरूप किया है। हमारा विश्वास है कि लेखा परीक्षा साक्ष्य हमने प्राप्त किए हैं, वे हमें हमारा अभिमत व्यक्त करने के आधार के रूप में पर्याप्त और समुचित हैं।

प्रबंधन और वित्तीय विवरणों के संचालकों के उत्तरदायित्व

वित्तीय विवरण तैयार करने और ऐसे आंतरिक नियंत्रण सृजित करने का उत्तरदायित्व प्रबंधन पर होगा, जो कि उसके अनुसार ऐसा वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए आवश्यक है जिसमें कोई मिथ्या कथन न हो, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण से हो। वित्तीय विवरण तैयार करने में, यथा प्रयोज्य, चालू व्यापार लेखांकन आधार और चालू व्यापार से सम्बद्ध मुद्दों को उद्घाटित करते हुए यह प्रबंधन का उत्तदायित्व होगा कि वह संस्था की क्षमता का आकलन करे कि वह अपना व्यापार (गतिविधियां) चालू रखने में सक्षम है, बशर्ते प्रबंधन का इरादा संस्था के परिसमापन, अथवा संचालन बंद करने, अथवा ऐसा करने के अतिरिक्त और कोई विकल्प न हो। संस्था के संचालकों को यह उत्तरदायित्व होगा कि वे संस्था की वित्तीय रिपोर्ट प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की निगरानी करें।

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रुप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पायी जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के सम्बंध में लेखापरीक्षक के उत्तरदायित्व:

हमारे उद्देश्य ये है कि हम एक उचित आश्वासन प्राप्त करें कि वित्तीय विवरण में कोई मिथ्या कथन नहीं चाहे यह किसी धोखाधड़ी के कारण हो अथवा किसी त्रुटि के कारण, और तद्नुसार एक लेखापरीक्षक रिपोर्ट प्रस्तुत करें जिसमें हमारा अभिमत शामिल हों, उचित आश्वासन एक उच्च स्तर का आश्वासन होता है, परन्तु यह इस बात की कोई गारंटी नहीं देता कि लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार की गई लेखा परीक्षा सदैव वित्तीय विवरण में दिए गए किसी मिथ्या कथन को ढूंढ ही लेगी। मिथ्या कथन किसी धोखा धड़ी अथवा त्रुटि के कारण हो सकते हैं; और इन्हें तब तथ्यात्मक माना जाता है, जब व्यक्तिगत रूप से अथवा समग्र रूप से प्रयोक्ता द्वारा इन वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए निर्णयों को इनके द्वारा काफी हद तक प्रभावित करने की संभावना हो।

लेखा परीक्षा मानकों को आधार पर लेखा परीक्षा प्रक्रिया के दौरान हमने व्यवसायिक तर्कशीलता का उपयोग करते हुए और व्यवसायिक संशय बनाए रखते हुए लेखा परीक्षा निष्पादित की है।

हमने यह कार्य भी किए:-

- वित्तीय विवरणों से सम्बद्ध मिथ्या कथन को चिह्नित करना तथा उसका आकलन करना, चाहे यह किसी धोखाधड़ी अथवा त्रुटि के कारण से हो, इन जोखिमों के अनुरूप लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं को डिजायन और निष्पादित करना तथा ऐसे लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करना जो हमारे अभिमत के प्रकटीकरण के लिए पर्याप्त और समुचित आधार प्रदान करते हो। तथ्यात्मक मिथ्या कथन की अपेक्षा किसी घोखाधड़ी के कारण किए गए तथ्यात्मक मिथ्या कथन को न ढूंढ पाने का जोखिम अधिक होता है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिली भगत, जालसाजी, आन्तरिक चूक, गलत प्रस्तुतिकरण अथवा आन्तरिक नियन्त्रण अतिरिक्त शामिल हो सकता है।
- अपनी लेखा परीक्षा को डिजायन करने के लिए सुसंगत ऐसी आन्तरिक नियन्त्रण सम्बन्धी जानकारी प्राप्त की गई जो कि इन परिस्थितियों के अनुरूप है: परन्तु जिसका उद्देश्य संस्था के आन्तरिक नियन्त्रण की प्रभावशीलता पर मत व्यक्त करना नहीं था;
- प्रबंधन द्वारा उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता तथा लेखांकन, प्राक्कलनों की व्यवहारिकता और सम्बद्ध प्रकटीकरण का मूल्यांकन करना;
- प्रबंधन द्वारा चालू व्यापार लेखांकन आधार के प्रयोग की उपयुक्तता तथा प्राप्त किए गए लेखा परीक्षा साक्ष्यों के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना कि क्या कोई ठोस अनिश्चितता ऐसी घटनाओं और परिस्थितियों के सम्बंध में विद्यमान है जो संस्था की चालू व्यापार क्षमता पर उल्लेखनीय शंका पैदा कर सकती है। अगर हम ऐसे किसी निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि ठोस अनिश्चितता वास्तव में विद्यमान है; तो हमें अपनी लेखा परीक्षक रिपोर्ट में वित्तीय विवरणों में दिए गए ऐसे प्रासंगिक प्रकटीकरण की ओर ध्यान आकृष्ट करवाना आवश्यक है; और अगर यह प्रकटीकरण अपर्याप्त हैं; तो अपने अभिमत को तदनुसार संशोधित करेंगे। हमारे निष्कर्ष हमारी लेखा परीक्षा रिपोर्ट तैयार होने तक प्राप्त किए गए लेखा परीक्षा साक्ष्यों पर आधारित है। तथापि, भविष्य में व्याप्त होने वाली घटनाओं और परिस्थितियां संस्था के चालू व्यापार अस्तित्व को समाप्त कर सकती है।

अन्य मुद्दों के अतिरिक्त, नियोजन दायरे, लेखा परीक्षा के समय तथा लेखा परीक्षा प्रक्रिया के दौरान हमारे द्वारा चिह्नित आन्तरिक नियन्त्रण से सम्बन्धित किसी विशिष्ट त्रुटि के साथ साथ महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा निष्कर्षों के सम्बंध में हम संस्था के संचालकों के साथ निरंतर सम्पर्क में रहे ।

एच के कोतावालिया एण्ड कम्पनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म रजि. सं.. 015187छ

राजेश खुराना
एम.नं. 095946
यूडीआईएन:.....

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रुप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पायी जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट का संलग्नक 'क'

लेखा परीक्षा टिप्पणिया/अर्हतायें

1. भारत में सामान्यत: स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप संस्थान के प्रबंधन द्वारा वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए अपनाई जाने वाली लेखांकन नीतियों का अनुपालन नहीं किया गया है। प्रबंधन ने वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए प्राप्ति आधार अपनाया है (स्थापना व्यय, किराया, दर तथा कर, सहायता अनुदान के अतिरिक्त जिनका लेखा जोखा नकदी के आधार पर रखा जाता है) जिसके कारण प्राप्ति संकल्पना नीति और टीडीएस प्रावधानों का उल्लंघन हुआ है।

2. स्रोत पर कर के रूप में काटी गई 2,53,673.65 रुपए की राशि लम्बे समय से बही में दर्ज है और वसूली योग्य नहीं है।

3. मात्रात्मक विवरण और स्थायी परिसम्पत्तियों की स्थिति को दर्शाते हुए सम्पूर्ण विवरण संस्थान द्वारा तैयार नहीं किया गया है। एक चरणबद्ध जांच कार्यक्रम के अनुसार प्रबंधन द्वारा परिसम्पत्तियों की वास्तविक जांच नहीं की गई है।

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रुप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पायी जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
(गृह मंत्रालय)
31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और लेखा टिप्पण

अनुसूची 1

1. महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

क) वित्तीय विवरण प्राप्ति आधार पर प्राचीन लागत परंपरा के अनुसार तैयार किए जाते हैं (स्थापना व्यय, किराया, दर तथा कर, सहायक अनुदान के अतिरिक्त, जिनका लेखा जोखा नकदी के आधार पर रखा जाता है) और सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन व्यवहारों के अनुसरण में है ।

ख) स्थिर परिसंपत्ति रजिस्टर भौतिक सत्यापन के लिए रखा जा रहा है और परियोजना के अतंर्गत अर्जित सभी स्थिर परिसंपत्तियों को उस वित्तीय वर्ष, जिसमें वह आस्ति प्राप्त की गई थी, में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान की लेखा बही में रखा जाता है। स्थिर आस्तियों को प्राप्ति की लागत और स्थापना की लागत, यदि हो, के साथ एक वर्ष में प्रभारित अवमूल्यन से घटाकर लिखा जाता है। स्थिर आस्तियों पर अवमूल्यन का प्रावधान आयकर अधिनियम के तहत निर्दिष्ट दरों के अनुसार किया जाता है ।

ग) एनआईडीएम के स्टाफ के लिए पेंशन योजना के कार्यान्वयन के संबंध में गृह मंत्रालय के दिनांक 24 मार्च, 2017 के पत्र संख्या 45-16/2012-एनडीएम-II के अनुसार एनडीआईएम ने 3 कर्मचारियों, जिन्होंने एनपीएस में राशि जमा करने का विकल्प नहीं दिया है, को छोड़कर 27 में से 24 कर्मचारियों की राशि एनपीएस खाते में जमा की है । तथापि, जिन कर्मचारियों ने सेवा छोड़ दी है, अदालत में विचाराधीन और निधन के मामले, उनकी राशि (कर्मचारी और नियोक्ता अंशदान) एनआईडीएम के बैंक खाते में है ।

घ) पूर्व वर्ष के आंकड़ों को, जहां कही आवश्यक हो, पुनः व्यवस्थित/पुनः समूहीकृत किया गया है ।

ङ) एनआईडीएम और एनडीएमसी के बीच किराया करार पर हस्ताक्षर नहीं किए गए हैं। एनआईडीएम द्वारा नवम्बर 2017 से अक्टूबर 2019 तक की अवधि के लिए गृह मंत्रालय और एनडीएमसी के मध्य अनुबंध कृत दर पर किराए का भुगतान कर दिया है।

च) संस्थान का एक चालू बैंक खाता और दो बचत बैंक खाते हैं।

छ) जो लेखांकन नीतियां विशेष रूपए से उल्लेखित नहीं हैं, वे, अन्यथा सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन व्यवहारों के अनुरूप हैं ।

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रुप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पायी जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

2. **आकस्मिक देयताएं**

संस्थान के विरूद्ध दावों को ऋण के रूप में मान्यता नहीं दी गई – शून्य ।

3. प्रबंधन की राय में व्यापार के सामान्य क्रम में वर्तमान आस्तियां, ऋण और अग्रिम वसूली का मूल्य राशि से कम नहीं होगा जो बैलेंस शीट में दर्शायी गई है। सभी ज्ञात देयताओं के लिए प्रावधान लेखा में किया गया है ।

4. गृह मंत्रालय (आपदा प्रबंधन प्रभाग) के दिनांक 23 मार्च, 2010 के पत्र संख्या 45-5/2008-एनडीएम-IV/II के अनुसरण में एक अलग पब्लिक लेजर अकाउंट (पीएलए) बनाया गया है और जमा से प्राप्त ब्याज सहित परियोजनाओं से सृजित निवल बचत भारत की संचित निधि में जमा कराई गई है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए पीएलए के वित्तीय विवरण अलग से तैयार किए गए हैं ।

महत्वपूर्ण लेखांकन और नीतियों और लेखा टिप्पणी

एच के कोतावालिया एण्ड कम्पनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म रजि. सं.. 015187N

कृते राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-
राजेश खुराना	**सुरेन्द्र ठाकुर**	**सुरेन्द्र सिंह बिष्ट**
(पार्टनर)	संयुक्त निदेशक (प्रभारी)	(लेखा अधिकारी)
एम.नं. 095946		
यूआईडीएन: 22095946ARWGFE2673		

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 12.09.2022

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रुप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पायी जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
(गृह मंत्रालय के अधीन एक सांविधिक निकाय)
31 मार्च, 2022 तक का आय-व्यय लेखा

विवरण	अनुसूची	31.03.2022 तक राशि	31.03.2021 तक राशि
संचित निधि/पूंजी कोष और देयताएं			
आरक्षिती और अधिशेष	2	1,142,422,710.41	1,114,574,925.08
वर्तमान देयताएं और प्रावधान	3	62,688,164.14	64,109,850.00
कुल		1,205,110,874.55	1,178,684,775.08
आस्तियां			
स्थिर आस्तियां	4	1,039,632,858.14	962,452,146.30
निवेश	5	138,543,406.00	189,716,964.00
वर्तमान आस्तियां, ऋण और अग्रिम	6	26,934,610.41	26,515,664.78
कुल		**1,205,110,874.55**	**1,178,684,775.08**

महत्वपूर्ण लेखांकन और नीतियों और लेखा टिप्पणी

एच के कोतावालिया एण्ड कम्पनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म रजि. सं.. 015187N

कृते राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

हस्ता/-
राजेश खुराना
(पार्टनर)
एम.नं. 095946
यूआईडीएन: 22095946ARWGFE2673

हस्ता/-
सुरेन्द्र ठाकुर
संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

हस्ता/-
सुरेन्द्र सिंह बिष्ट
(लेखा अधिकारी)

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 12.09.2022

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रुप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पायी जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
(गृह मंत्रालय के अधीन एक सांविधिक निकाय)
31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के दौरान आय और व्यय लेखा

(राशि रुपये में)

विवरण	अनुसूची	31.03.2022 तक	31.03.2021 तक
		रुपए	रुपए
आय/(गृह मंत्रालय से) अनुदान			
गृह मंत्रालय से प्राप्त अनुदान	7	300,000,000.00	120,000,000.00
कुल क		**300,000,000.00**	**120,000,000.00**
व्यय (गृह मंत्रालय अनुदान)			
स्थापना व्यय	8	83,255,883.00	58,519,927.00
अन्य प्रशासनिक व्यय	9	145,940,183.67	31,652,265.21
प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालाओं पर व्यय	10	36,636,682.00	20,374,855.00
अवमूल्यन	4	6,319,466.00	4,836,456.00
कुल ख		**272,152,214.67**	**115,383,503.21**
पूर्व अवधि और असाधारण मदों से पहले गृह मंत्रालय कोष से घाटा होने के कारण शेष राशि		**27,847,785.33**	**4,616,496.79**
घटा: पूर्व अवधि व्यय		-	-
गृह मंत्रालय कोष से घाटा होने पर शेष		**27,847,785.33**	**4,616,496.79**
अन्य की ओर से प्राप्त किया गया ब्याज		-	
एफडीआर (अन्य) पर ब्याज	11		**11,246,324.00**

महत्वपूर्ण लेखांकन और नीतियों और लेखा टिप्पणी

एच के कोतावालिया एण्ड कम्पनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म रजि. सं.. 015187N

हस्ता/-
राजेश खुराना
(पार्टनर)
एम.नं. 095946
यूआईडीएन: 22095946ARWGFE2673

कृते राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

हस्ता/-
सुरेन्द्र ठाकुर
संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

हस्ता/-
सुरेन्द्र सिंह बिष्ट
(लेखा अधिकारी)

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 12.09.2022

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रुप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पायी जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
(गृह मंत्रालय के अधीन एक सांविधिक निकाय)
31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां और भुगतान लेखा

(राशि रुपये में)

विवरण	31.03.2022 तक		31.03.2021 तक	
	रुपए	रुपए	रुपए	रुपए
प्राप्तियां				
अर्थशेष				
यूको बैंक खाता संख्या				
18200200000924	20,076,523.33		1,308,248.34	
यूको बैंक खाता संख्या				
182001100067819	25,787.80	**20,102,311.13**	(1,412,362.00)	**(104,113.66)**
प्राप्त अनुदान				
गृह मंत्रालय से प्राप्त अनुदान	300,000,000.00		120,000,000.00	
रोहिणी परिसर के निर्माण के लिए प्राप्त अनुदान	–		73,881,868.00	
दक्षिणी परिसर के निर्माण के लिए प्राप्त अनुदान	–		61,300,000.00	
		300,000,000.00		**255,181,868.00**
बैंक ब्याज अन्य	715.00		594.00	
ब्याज (पूंजी शीर्ष)	633,623.00		631,601.00	
सावधि पर ब्याज (अन्य)	–		622,788.00	
एफडीआटो स्वीप	–		29,881,200.00	
पूंजीशीर्ष एफडी आटो स्वीप	74,733,065.00		72,270,540.00	
त्योहार के लिए अग्रिम	54,000.00		–	
पीएलआई खाता संख्या	8,338.00		–	
कार्यशाला के लिए अग्रिम राशि (बसूली)	–		300,000.00	
अग्रिम एलटीसी	196,696.00		–	
सीजीएचएस खाता	25,650.00		–	
विविध प्राप्तियां	–		5,813.00	
पीएलए (विविध प्राप्तियां)	–		1,502,000.00	
अग्रिम राशि	85,000.00	**75,737,087.00**	–	105,214,536.00
एनपीएस के लिए कर्मचारी अंशदान	238,142.00	**238,142.00**	209,664.00	209,664.00
कुल		**396,077,540.13**		**360,501,954.34**
भुगतान				
पूंजी व्यय/अन्य देयताएं				
फर्नीचर और फिक्सर	8,684,784.00		–	
कार्यालय उपकरण	12,765,859.00		1,289,794.00	
निर्माणाधीन भवन (दक्षिणीपरिसर)	26,862,729.00		108,507,960.00	
निर्माणाधीन भवन (रोहिणीपरिसर)	34,868,630.84		60,392,179.00	
पुस्तकें	858,196.00		4,042,418.00	
लेनदार	–		37,745,605.00	
कम्प्यूटर	4,969,088.00	**89,009,286.84**	6,550,542.00	218,528,498.00
राजस्व व्यय				
प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं	31,985,121.00		17,501,610.00	
एलटीसी अग्रिम	–		242,000.00	
टीडीएस खाता	183.00		–	
स्थायी जमा (ऑटो स्वीप एफएफडी)	14,561,824.00		–	
स्थायी जमा (निधि)	7,500,000.00		–	
पीएलए खाता	59,000.00		–	
आकस्मिक व्यय के लिए अग्रिम	44,926.00		71,936.00	
त्योहार के लिए अग्रिम	–	**54,151,054.00**	54,000.00	17,869,546.00

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रुप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पायी जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

स्थापना व्यय				
वेतन और भत्ते	70,792,620.00		48,827,017.00	
यात्रा रियायत भत्ता/एलटीए	743,204.00		521,937.00	
मेडिकल	558,336.00		181,588.00	
पेंशन अंशदान	2,804,669.00		-	
ट्यूशन फीस	-	**74,898,829.00**	477,000.00	50,007,542.00
अन्य प्रशासनिक व्यय				
मरम्मत और रखरखाव	9,521,661.00		2,169,044.00	
विद्युत व्यय	3,177,698.00		-	
डाक	126,270.00		74,196.00	
मुद्रण और स्टेशनरी	615,953.00		628,828.00	
किराया, दर और कर	104,781,914.00		7,373,885.00	
विविध व्यय	2,427,534.00		1,925,171.00	
समाचार-पत्र और पत्रिकाएं	44,805.00		102,190.00	
टेलीफोन व्यय	933,759.00		470,260.00	
जल का शुल्क	363,140.00		-	
घरेलू यात्रा	2,423,328.00		2,061,959.00	
विदेश यात्रा	-		153,766.00	
व्यवसायिक शुल्क	6,088,221.00		12,068,511.00	
पुस्तकालय/प्रकाशन	1,459,228.00		1,590,250.00	
बैंक शुल्क	8,703.67		7,976.21	
अनुसंधान और विकास	3,723,574.00		1,035,725.00	
कार्यालय वाहन मरम्मत व्यय	227,208.00		183,433.00	
देय खर्चे	8,855,036.00	**144,778,032.67**	3,583,719.00	33,428,913.21
सरकार को भुगतान				
एनपीएस ट्रस्ट को भुगतान (सीपीएफ)	55,208.00		830,173.00	
प्रधान मंत्री राहत कोष	-		21,236.00	
देय खर्चे–एनबीसीसी (पूंजी शीर्ष)	31,696,575.00		-	
पीएओ, मंत्रीमंडलीय मामले (श्री आशीष के. पांडा)	1,000.00		-	
कर्मचारियों को सीपीएफ भुगतान	-		220,827.00	
पूर्वदत्त खर्चे	-		5,739,422.00	
कर्मचारियों द्वारा देय एनपीएस अंशदान	3,503,690.00		2,963,219.00	
सरकार को अतिरिक्त आय का भुगतान	11,252,137.00	**46,508,610.00**	10,790,267.00	**20,565,144.00**
अंतिम शेष				
यूको बैंक खाता संख्या 182001100067819	(36,378,127.14)		25,787.80	
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया खाता संख्या40256508810	8,609,854.76		-	
यूको बैंक खाता संख्या 18200200000924	14,500,000.00	**(13,268,272.38)**	20,076,523.33	20,102,311.13
कुल		**396,077,540.13**		**360,501,954.34**

महत्वपूर्ण लेखांकन और नीतियों और लेखा टिप्पणी

एच के कोतावालिया एण्ड कम्पनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म रजि. सं.. 015187N

कृते राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

हस्ता/-
राजेश खुराना
(पार्टनर)
एम.नं. 095946
यूआईडीएन: 22095946ARWGFE2673

हस्ता/-
सुरेन्द्र ठाकुर
संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

हस्ता/-
सुरेन्द्र सिंह बिष्ट
(लेखा अधिकारी)

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 12.09.2022

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रुप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पायी जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

अनुसूची 4: 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए स्थिर आस्तियों और अवमूल्यन का विवरण

क्र.सं.	विवरण	दर	01.04.2021 को डब्ल्यूडीवी	परिवर्धन		कटौती	कुल	वर्ष के लिए अवमूल्यन	31.03.3022 को डब्ल्यूडीवी
				180 दिन से अधिक	180 दिन से कम				
			रुपए	रुपए	रुपए	रुपए	रुपए	रुपए	रुपए
1.	पुस्तकें	40%	3,034,132.00	15,986.00	842,210.00	–	3,892,328.00	1,388,489.00	2,503,839.00
2.	कार्यालय उपकरण	15%	2,784,475.00	1,026,604.00	6,205,189.00	–	10,016,268.00	1,037,051.00	8,979,217.00
3.	फर्नीचर और उपस्कर	10%	555,132.00	2,377,285.00	6,307,499.00	–	9,239,916.00	608,617.00	8,631,299.00
	संयत्र और मशीनरी								
4.	संयत्र और	15%	250,084.00	–	24,957.00	–	275,041.00	39,384.00	235,657.00
5.	वाहन (मारूति सियाज)	15%	497,674.00	–	–	–	497,674.00	74,651.00	423,023.00
	कंप्यूटर								
6.	कंप्यूटर और मशीनरी	40%	4,607,926.00	1,671,400.00	3,297,688.00	–	9,577,014.00	3,171,268.00	6,405,746.00
7.	सॉफफ्टवेयर	40%	14.00	–	–	–	14.00	6.00	8.00
8.	भूमि (रोहिणीपरिसर)	0%	55,417,002.00	–	–	–	55,417,002.00	–	55,417,002.00
9.	निर्माणाधीन भवन (दक्षिणीपरिसर)	0%	368,344,305.30	16,854,385.00	10,008,344.00	–	395,207,034.30	–	395,207,034.30
10.	निर्माणाधीन भवन (रोहिणीपरिसर)	0%	526,961,402.00	–	34,868,630.84		561,830,032.84	–	561,830,032.84
कुल			**962,452,146.30**	**21,945,660.00**	**61,554,517.84**	–	**1,045,952,324.14**	**6,319,466.00**	**1,039,632,858.14**

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पायी जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

अनुसूची 2: आरक्षितियां और अधिशेष

विवरण	31.03.2022 तक	31.03.2021 तक
	रुपए	रुपए
आरक्षितियां और अधिशेष		
अथशेष	1,114,574,925.08	974,776,560.29
जोड़े: वर्ष के दौरान आंतरिक आय पर व्यय के आधिक्य का अंतरण	**27,847,785.33**	**4,616,496.79**
पूंजी शीर्ष के अंतर्गत प्राप्त अनुदान		
- रोहिणी परिसर	-	73,881,868.00
- साउथ कैंपस	-	61,300,000.00
कुल	**1,142,422,710.41**	**1,114,574,925.08**

अनुसूची 3: वर्तमान देयताएं और प्रावधान

विवरण	31.03.2022 तक	31.03.2021 तक
	रुपए	रुपए
स्टॉफ अंशदान भविष्य निधि		
अथशेष	7,327,849.00	7,388,104.00
जोड़े: - नियोक्ता अंशदान	-	-
- कर्मचारी अंशदान	-	-
भविष्य निधि पर ब्याज	-	-
	7,327,849.00	**7,388,104.00**
घटा: कर्मचारी को अदायगी	55,208.00	60,255.00
	7,272,641.00	**7,327,849.00**
सावधि जमा पर प्राप्त ब्याज (बी जी) सरकार को देय	388,281.00	272,548.00
सरकार को देय अन्य आय'	1,847,682.00	11,252,137.00
बयाना जमा राशि	296,298.00	211,298.00
देय व्यय	11,238,600.00	8,855,036.00
प्राप्त सुरक्षा राशि	71,809.00	71,809.00
अर्जित ब्याज (सीपीएफ फंड)	181,528.00	-
सीजीएचएस	37,700.00	12,050.00
एनपीएस में नियोक्ता अंशदान	991,290.00	753,148.00
एनपीएस में नियोक्ता का देय अंशदान	1,265,481.00	938,673.00
यूको बैंक खाता संख्या 182001100067819	36,378,127.14	-
देय व्यय (पूंजी शीर्ष)	2,718,727.00	34,415,302.00
कुल	**62,688,164.14**	**64,109,850.00**

*इस राशि में सावधि जमा में निवेश किए गए पूंजी अनुदानों पर अर्जित ब्याज शामिल हैं।

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रुप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पायी जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

अनुसूची 5: निवेश

विवरण	31.03.2022 तक	31.03.2021 तक
	रुपए	रुपए
सावधि जमा (ऑटो-स्वीप एफएफडी)	14,563,000.00	-
सावधि जमा (पूंजी शीर्ष खाता)	114,423,371.00	188,006,233.00
प्राप्त ब्याज (ऑटो-स्वीप एफएफडी-एसबीआई)	49,043.00	-
सावधि जमा (निधि)	7,681,528.00	-
सावधि जमा (दक्षिणीपरिसर-बैंक)	1,826,464.00	1,710,731.00
कुल	**138,543,406.00**	**189,716,964.00**

अनुसूची 6: चालू आस्तियां, ऋण और अग्रिम

विवरण	31.03.2022 तक	31.03.2021 तक
	रुपए	रुपए
क. चालू आस्तियां		
बैंक बकाया:		
यूको बैंक खाता संख्या 1820020000924924	14,500,000.00	20,076,523.33
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया खाता संख्या 40256508810	8,609,854.76	-
यूको बैंक खाता संख्या 18200110067819	-	25,787.80
बैंक बकाया	23,109,854.76	20,102,311.13
ख. ऋण, अग्रिम और अन्य आस्तियां		
सुरक्षा जमा	**50,999.00**	-
स्रोत पर वसूली योग्य काटा गया टैक्स	259,257.65	253,673.65
आकस्मिक व्यय के लिए अग्रिम	10,440.00	33,700.00
परिवहन अग्रिम	29,781.00	29,781.00
त्योहार अग्रिम	-	54,000.00
एलटीसी अग्रिम	-	196,696.00
पीएलए (विविध प्राप्तिखाते)	45,081.00	106,081.00
पूर्व दत्त व्यय	3,429,197.00	5,739,422.00
कुल	**26,934,10.41**	**26,515,664.78**

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रुप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पायी जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
(गृह मंत्रालय के अन्तर्गत एक स्वायत निकाय)
31 मार्च, 2022 की तिथि के अनुसार आय-व्यय खाता संबंधी अनुसूची

अनुसूची 7: गृह मंत्रालय से प्राप्त अनुदान (डीएम-डिवीजन)

विवरण	31.03.2022 तक	31.03.2021 तक
	रुपए	रुपए
गृह मंत्रालय से प्राप्त अनुदान	300,000,000.00	120,000,000.00
कुल	**300,000,000.00**	**120,000,000.00**

अनुसूची 8: संस्थापना व्यय (गृह मंत्रालय- अनुदान)

विवरण	31.03.2022 तक	31.03.2021 तक
	रुपए	रुपए
वेतन और भत्ते	75,319,176.00	49,371,854.00
पेंशन अंशदान	6,635,167.00	7,318,781.00
यात्रा रियायत भत्ता/एलटीए	743,204.00	567,241.00
मेडिकल	558,336.00	326,051.00
ट्यूशन फीस	-	936,000.00
कुल	**83,255,883.00**	**58,519,927.00**

अनुसूची 9: अन्य प्रशासनिक व्यय (गृह मंत्रालय-अनुदान)

विवरण	31.03.2022 तक	31.03.2021 तक
	रुपए	रुपए
मरम्मत और रखरखाव	10,866,659.00	2,838,404.00
डाक	141,952.00	82,155.00
मुद्रण और स्टेशनरी	640,005.00	636,623.00
विद्युत एवं जल प्रभार	3,540,838.00	-
विविध व्यय	2,962,308.00	2,977,072.00
समाचार-पत्र और पत्रिकाएं	49,625.00	102,190.00
टेलीफोन व्यय	8,804,481.00	473,980.00
घरेलू यात्रा	2,605,745.00	2,107,052.00
विदेश यात्रा	-	153,766.00
व्यवसायिक प्रभार	6,088,221.00	12,068,511.00
किराया, दर और कर	104,781,914.00	7,373,885.00
बैंक प्रभार	8,703.67	7,976.21

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रुप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पायी जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

प्रकाशन	1,459,228.00	1,590,250.00
अनुसंधान और प्रलेखन	3,753,574.00	1,035,725.00
कार्यालय चलाना और रखरखाव	236,930.00	204,676.00
कुल	**145,940,183.67**	**31,652,265.21**

अनुसूची 10: प्रशिक्षण कार्यक्रम पर व्यय (गृह मंत्रालय-अनुदान)

विवरण	**31.03.2022 तक**	**31.03.2021 तक**
	रुपए	रुपए
प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशाला व्यय	36,636,682.00	20,374,855.00
कुल	**36,636,682.00**	**20,374,855.00**

अनुसूची 11: अर्जित ब्याज

विवरण	**31.03.2022 तक**	**31.03.2021 तक**
	रुपए	रुपए
सावधि जमा पर ब्याज	–	11,245,730.00
अन्य ब्याज	–	594.00
कुल	–	**11,246,324.00**

महत्वपूर्ण लेखांकन और नीतियों और लेखा टिप्पणी

एच के कोतावालिया एण्ड कम्पनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म रजि. सं.. 015187N

कृते राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

हस्ता/-
राजेश खुराना
(पार्टनर)
एम.नं. 095946
यूआईडीएन: 22095946ARWGFE2673

हस्ता/-
सुरेन्द्र ठाकुर
संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

हस्ता/-
सुरेन्द्र सिंह बिष्ट
(लेखा अधिकारी)

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 12.09.2022

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रुप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पायी जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

पब्लिक लेजर अकांउट(पीएलए)
(राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान)
(गृह मंत्रालय)
31 मार्च, 2022 तक पीएलए बैलेंस शीट

विवरण	अनुसूची	31.03.2022 तक	31.03.2021 तक
		रुपए	रुपए
संचित निधि और देयताएं			
पूंजी और आरक्षिती तथा अधिशेष	1	731,560	731,560
निर्धारित राशि	2	3,934,350	6,590,408
चालू देयताएं और प्रावधान	3	1,997,192	554,668
कुल		**6,663,102**	**7,876,636**
आस्तियां			
चालू आस्तियां, ऋण और अग्रिम	4	6,663,102	7,876,636
कुल		**6,663,102**	**7,876,636**

महत्वपूर्ण लेखांकन और नीतियों और लेखा टिप्पणी

एच के कोतावालिया एण्ड कम्पनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म रजि. सं.. 015187N

हस्ता/-
राजेश खुराना
(पार्टनर)
एम.नं. 095946
यूआईडीएन: 22095946ARWGFE2673

कृते राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

हस्ता/-
सुरेन्द्र ठाकुर
संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

हस्ता/-
सुरेन्द्र सिंह बिष्ट
(लेखा अधिकारी)

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 12.09.2022

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रुप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पायी जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

पब्लिक लेजर अकांउट(पीएलए)
(राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान)
(गृह मंत्रालय)
31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

विवरण	31.03.2022 तक	31.03.2021 तक
	रुपए	रुपए
आय		
ब्याज आय	188,144.00	10,305.00
विविध प्राप्ति	–	34,350.00
सावधि जमा पर ब्याज	–	410,072.00
ऑनलाईन पाठ्यक्रम प्राप्ति	985,004.36	–
परियोजनाओं से संस्थागत अतिरिक्त आय	159,876.00	–
कुल (क)	**1,333,024.36**	**454,727.00**
व्यय		
बैंक प्रभार	1,213.69	669.98
प्रशिक्षण कार्यक्रम	146,000.00	–
कुल (ख)	**147,213.69**	**669.98**
अधिशेष होने के कारण बकाया (क-ख)	**1,185,810.67**	**454,057.02**
घटाएं: पीएओ, गृह मंत्रालय को अंतरित बचत	1,185,810.67	454,057.02
अधिशेष/कम होने के कारण बैलेंश शीट में ले जाया गया बकाया		

महत्वपूर्ण लेखांकन और नीतियों और लेखा टिप्पणी

एच के कोतावालिया एण्ड कम्पनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म रजि. सं.. 015187N

कृते राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

हस्ता/-
राजेश खुराना
(पार्टनर)
एम.नं. 095946
यूआईडीएन: 22095946ARWGFE2673

हस्ता/-
सुरेन्द्र ठाकुर
संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

हस्ता/-
सुरेन्द्र सिंह बिष्ट
(लेखा अधिकारी)

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 12.09.2022

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रुप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पायी जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (पीएलए)

अनुसूची 1: संचित/पूंजी निधि

विवरण	31.03.2022 तक	31.03.2021 तक
	रुपए	रुपए
अथशेष	731,560.00	731,560.00
कुल	**731,560.00**	**731,560.00**

अनुसूची 2: संचित/पूंजी निधि

विवरण	31.03.2022 तक	31.03.2021 तक
	रुपए	रुपए
1. **विश्व स्वास्थ्य संगठन परियोजना व्यय खाते से प्राप्त राशि,**		
अथशेष	1,248,577.00	2,759,191.00
जमा: वर्ष के दौरान प्राप्ति	61,580.00	-
	1,310,157.00	**2,759,191.00**
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग की गई राशि	1,310,157.00	1,510,614.00
	-	**1,248,577.00**
2. **ऑनलाइन-पाठ्यक्रम से प्राप्त राशि**		
अथशेष	-	-
वर्ष के दौरान प्राप्ति	985,004.36	34,350.00
	985,004.36	**34,350.00**
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग/व्यय की गई राशि	146,000.00	-
घटा: सरकारी कोष में देय बचत	**839,004.36**	**34,350.00**
	-	-
3. **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग से प्राप्त राशि (कैप-रस परियोजना)**		
अथशेष	1,851,225.97	2,125,265.00
वर्ष के दौरान प्राप्ति	1,500,000.00	2,140,000.00
	3,351,225.97	**4,265,265.00**
घटा: सरकारी कोष में देय बचत	-	
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग/व्यय की गई राशि	2,262,813.00	2,414,039.03
	1,088,412.97	**1,851,225.97**
4. **यूनिसेफ (सीसीडीआरआर परियोजना) से प्राप्त राशि**		
अथशेष	322,346.00	2,767,365.00
वर्ष के दौरान प्राप्ति	5,933,000.00	3,044,239.00
	6,255,346.00	**5,811,604.00**
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग नहीं की गई राशि यूनिसेफ को लौटाई गई	832,479.00	634,684.00
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग/व्यय की गई राशि	5,180,170.00	4,854,574.00
	242,697.00	**322,346.00**

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रुप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पायी जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

5. **पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय- से (सीपीसीबी-सीएमपी परियोजना) के लिए प्राप्त राशि**		
अथशेष	19,754.00	400,000.00
वर्ष के दौरान प्राप्ति	200,000.00	300,000.00
	219,754.00	700,000.00
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग/व्यय की गई राशि	90,000.00	680,246.00
	129,754.00	**19,754.00**
6. **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय (एनएडीएमपी परियोजना) से प्राप्त राशि**		
अथशेष	18,105.00	60,203.00
वर्ष के दौरान प्राप्ति		1,000,000.00
	18,105.00	**1,060,203.00**
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग की गई राशि	18,105.00	1,042,098.00
	–	**18,105.00**
7. **रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय (एनसीपीसी-डीएमपी परियोजना) से प्राप्त राशि**		
अथशेष	500,000.00	–
वर्ष के दौरान प्राप्ति	682,000.00	500,000.00
	1,182,000.00	**500,000.00**
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग/व्यय की गई राशि	1,135,495.00	–
	46,505.00	**500,000.00**
8. **पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एनईएफसी-डीएमपी परियोजना) से प्राप्त राशि**		
अथशेष	2,630,400.00	–
वर्ष के दौरान प्राप्ति	–	2,760,000.00
	2,630,400.00	**2,760,000.00**
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग/व्यय की गई राशि	2,261,619.00	129,600.00
	368,781.00	**2,630,400.00**
9. **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (सीडीएच परियोजना) से प्राप्त राशि**		
अथशेष	–	–
वर्ष के दौरान प्राप्ति	500,000.00	–
	500,000.00	–
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग/व्यय की गई राशि		
	500,000.00	–
10. **आयूष मंत्रालय (एनडीएमपी-आयूष) से प्राप्त राशि**		
अथशेष	–	–
वर्ष के दौरान प्राप्ति	1,558,200.00	–
	1,558,200.00	–
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग/व्यय की गई राशि	–	
	1,558,200.00	–
कुल	**3,934,349.97**	**6,590,407.97**

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रुप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पायी जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

अनुसूची 3: चालू देयताएं और प्रावधान

विवरण	31.03.2022 तक	31.03.2021 तक
	रुपए	रुपए
सरकारी खाते में देय परियोजना बचत	1,224,107.62	454,056.95
परियोजना कर्मचारी (यूनिसेफ)	10,401.00	–
देय व्यय	717,602.00	–
एनआईडीएम (मुख्य खाता)	45,081.00	100,611.00
कुल	**1,997,191.62**	**554,667.95**

अनुसूची 4: चालू आस्तियां, ऋण और अग्रिम

विवरण	31.03.2022 तक	31.03.2021 तक
	रुपए	रुपए
(क) चालू आस्तियां		
बैंक बकाया :		
यूको बैंक खाता संख्या 6139	–	7,876,635.92
एसबीआई बैंक खाता संख्या 5043	6,660,159.59	–
अर्जित ब्याज	2,942.00	–
कुल	**6,663,101.59**	**7,876,635.92**

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रुप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पायी जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

पब्लिक लेजर अकांउट(पीएलए)
(राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान)
(गृह मंत्रालय)
31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति और भुगतान लेखा

(राशि रुपए में)

विवरण	31.03.2022 तक		31.03.2021 तक	
प्राप्तियां				
अथशेष				
यूको बैंक (बचत खाता)	7,876,635.92		23,740.93	
सावधि जमा	–	7,876,635.92		23,740.93
वर्ष के दौरान प्राप्तियां				
1 ऑनलाइन पाठ्यक्रम से प्राप्ति	985,004.36		79,850.00	
2 सीपीसीबी परियोजना से प्राप्त राशि	200,000.00		300,000.00	
3 बाल केंद्रित डीआरआर-यूनीसेफ परियोजना से प्राप्त राशि	5,933,000.00		3,044,239.00	
4 विश्व स्वास्थ्य संगठन से प्राप्ति	61,580.00			
5 एनएडीएमपी परियोजना से प्राप्ति	–		1,000,277.00	
6 विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय से प्राप्तियां (कैप-रेस परियोजना)	1,500,000.00		2,147,690.97	
7 एनसीपीसी-डीएमपी परियोजना (पेट्रो-रसायन विभाग) से प्राप्त राशि	591,000.00		500,000.00	
8 एमएचएफडब्ल्यू परियोजना से प्राप्त राशि	500,000.00			–
9 आयुष मंत्रालय से प्राप्त राशि	1,558,200.00			–
10 प्रधानमंत्री राहत कोष से प्राप्त राशि	–		21,236.00	
11 एनआईडीएम (मुख्य खाता) से प्राप्त राशि	5,800,000.00		–	
12 एनईएफसी-डीएमपी परियोजना (पयोवरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय)	–	17,128,784.36	2,760,000.00	9,853,292.97
अन्य प्राप्तियां				
1 सावधि जमा (ऑटो-स्वीप)	–		12,171,542.00	
2 प्राप्त ब्याज (ऑटो-स्वीप)	–		1,043,189.00	
3 प्राप्त ब्याज (अन्य)	185,202.00	185,202.00	7,201.00	13,221,932.00
कुल		**25,190,622.28**		**23,098,965.90**
भुगतान				
परियोजना व्यय				
1 बाल केंद्रित डीआरआर-यूनीसेफ परियोजना से प्राप्त राशि	5,559,975.00		5,461,478.00	
2 जलवायु परिवर्तन (एमओईएफ/यूएनडीपी) से प्राप्त राशि	–		–	
3 विश्व स्वास्थ्य संगठन परियोजना पर व्यय	1,273,750.00		1,507,614.00	
4 एनएडीएमपी परियोजना पर व्यय	2,215.00		1,042,368.00	
5 यूजीसी परियोजना	–		–	
6 कैप-रस परियोजना व्यय	2,198,322.00		2,406,730.00	
7 सीपीसीबी परियोजना व्यय	90,000.00		680,246.00	
8 एनईएफसी-डीएमपी परियोजना (पयोवरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय)	1,933,901.00		129,600.00	
9 एनसीपीसी-डीएमपी परियोजना (पेट्रो-रसायन विभाग)	789,535.00		–	
10 ऑनलाईन पाठ्यक्रम व्यय	–	11,847,698.00	45,500.00	11,273,536.00
अन्य व्यय/भुगतान				
1 सरकार को देयता	454,057.00		–	
2 एनआईडीएम (मुख्य खाता)	5,770,000.00		1,500,000.00	
3 परियोजना कर्मचारी (यूनिसेफ)	436,803.00		27,780.00	
4 कैप-रस परियोजना अग्रिम	20,691.00		–	
5 बैंक प्रभार	1,213.69		669.98	
6 गृह मंत्रालय को दी गई परियोजना बचत	–	6,682,764.69	2,420,344.00	3,948,793.98
अंतिम शेष				
यूको बैंक (बचत खाता)	–		7,876,635.92	
सावधि जमा	6,660,159.59	6,660,159.59	–	7,876,635.92
कुल		**25,190,622.28**		**23,098,965.90**

महत्वपूर्ण लेखांकन और नीतियों और लेखा टिप्पणी

एच के कोतावालिया एण्ड कम्पनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म रजि. सं.. 015187N

हस्ता/-
राजेश खुराना
(पार्टनर)
एम.नं. 095946
यूआईडीएन: 22095946ARWGFE2673

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 12.09.2022

कृते राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

हस्ता/-
सुरेन्द्र ठाकुर
संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

हस्ता/-
सुरेन्द्र सिंह बिष्ट
(लेखा अधिकारी)

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रुप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पायी जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

अध्याय 8

अनुलग्नक

अध्याय-8

अनुलग्नक

अनुलग्नक की सूची		
8.1	अनुलग्नक-I	संस्थान के सदस्यों की सूची
8.2	अनुलग्नक-II	संस्थान के सदस्यों की सूची
8.3	अनुलग्नक-III	2021-22 के दौरान एनआईडीएम द्वारा आयोजित आमने-सामने कार्यक्रम की सूची
8.4	अनुलग्नक-IV	2021-22 के दौरान एनआईडीएम द्वारा संचालित ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूची
8.5	अनुलग्नक- V	2021-22 के दौरान एनआईडीएम द्वारा आयोजित वेबिनार की सूची

अनुलग्नक-I: संस्थान के साधारण निकाय के सदस्यों की सूची

क्र.सं	सदस्य	पद
1.	केन्द्रीय गृहमंत्री, गृह मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली- 110001	अध्यक्ष
2.	उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीएमए भवन, ट्रामा सेंटर, एम्स, ए-1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	उपाध्यक्ष
3.	सदस्य, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीएमए भवन, ट्रॉमा सेंटर, एम्स, ए-1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	सदस्य
4.	केंद्रीय गृह सचिव, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली-110001	सदस्य
5.	सचिव, वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
6.	सचिव, कृषि मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली	सदस्य
7.	सचिव, विदेश मंत्रालय, साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
8.	सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली	सदस्य
9.	सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली	सदस्य
10.	सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग, साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
11.	सचिव, अंतरिक्ष विभाग, लोक नायक भवन, नई दिल्ली	सदस्य
12.	सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, महासागर भवन, ब्लॉक नंबर 12, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003	सदस्य
13.	सचिव (सीमा प्रबंधन), गृह मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
14.	अपर सचिव तथा वित्तीय सलाहकार, गृह मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
15.	सचिव/अपर सचिव, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीएमए भवन, ट्रॉमा सेंटर, एम्स, ए-1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	सदस्य
16.	महानिदेशक, सिविल डिफेंस एवं राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, ईस्ट ब्लॉक-7, लेवल-7, आर.के. पुरम, नई दिल्ली-66	सदस्य

17.	एकीकृत रक्षा स्टाफ के उप प्रमुख, डॉक्टराइन ऑरगेनाईजेशन एण्ड ट्रेनिंग (डीओटी), आईडीएस, मुख्यालय इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टॉफ, 23 साउथ हटमेंट्स, कश्मीर हाउस, राजाजी मार्ग, नई दिल्ली-110001	सदस्य
18.	सचिव (आपदा प्रबंधन), गुजरात सरकार, राजस्व विभाग, ब्लॉक-11, तीसरा तल, न्यू सचिवालय, गांधीनगर-382010	सदस्य
19.	सचिव (आपदा प्रबंधन), आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार, पुराना सचिवालय, पटना–800015	सदस्य
20.	उप-कुलपति, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट, दिल्ली -110006	सदस्य
21.	निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी, मसूरी–248179	सदस्य
22.	निदेशक, सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, शिवरामपल्ली, हैदराबाद–500 052	सदस्य
23.	महानिदेशक, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, मौसम भवन, लोधी रोड, नई दिल्ली	सदस्य
24.	निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोलकाता, जोका, डी.एच. रोड, कोलकाता-700 104	सदस्य
25.	निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड	सदस्य
26.	अध्यक्ष, केंद्रीय जल आयोग, सेवा भवन, आर.के. पुरम, नई दिल्ली	सदस्य
27.	निदेशक, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली	सदस्य
28.	महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि भवन, नई दिल्ली	सदस्य
29.	महानिदेशक, आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास अकादमी, राजेंद्रनगर, हैदराबाद-500030	सदस्य
30.	महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, वी. रामलिंगमस्वामी भवन, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029	सदस्य
31.	अध्यक्ष, उत्तराखंड प्रशासनिक सुधार आयोग, 159 श्रद्धा कुंज, वसंत विहार, चकराता रोड, देहरादून	सदस्य
32.	राष्ट्रीय भूकंप संबंधी सलाहकार, गृह मंत्रालय, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली	सदस्य
33.	अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, भारतीय साधारण बीमा निगम, सुरक्षा, जे टाटा रोड, चर्चगेट, मुंबई-400020	सदस्य
34.	अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, इलाहाबाद बैंक, प्रधान कार्यालय, 2, एन.एस. रोड, कोलकाता-700001	सदस्य
35.	अध्यक्ष, भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग संघ (फिक्की), फेडरेशन हाउस, नई दिल्ली	सदस्य
36.	अध्यक्ष, कान्फैडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई), कोर 4-ए, चौथा तल, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी एस्टेट, नई दिल्ली-110003	सदस्य
37.	निदेशक, अखिल भारतीय आपदा शमन संस्थान, साकार पांच, नजदीक नटराज सिनेमा, आश्रम रोड़, अहमदाबाद-9	सदस्य
38.	महासचिव, इंडियन रेडक्रास सोसायटी, 1 रेडक्रास रोड़, नई दिल्ली	सदस्य
39.	निदेशक, नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टीटयूट, उप्पल रोड़, अहमदाबाद-500007	सदस्य
40.	महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवायें, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली	सदस्य
41.	प्रोफेसर, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, प्लॉट नंबर 15, पॉकेट 3, ब्लॉक बी, सेक्टर 29, दिल्ली–110042	सदस्य
42.	कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, प्लॉट नंबर 15, पॉकेट 3, ब्लॉक बी, सेक्टर 29, दिल्ली–110042	सदस्य सचिव

अनुलग्नक-II: संस्थान के शासी निकाय के सदस्यों की सूची

क्र.सं	नाम एवं पता	पद
1.	उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीएमए भवन, ए-1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	अध्यक्ष
2.	केंद्रीय गृह सचिव, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली -110001	उपाध्यक्ष
3.	अपर सचिव एवं प्रभारी, आपदा प्रबंधन, गृह मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
4.	सचिव, वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
5.	सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली	सदस्य
6.	सचिव, अंतरिक्ष विभाग, लोक नायक भवन, नई दिल्ली	सदस्य
7.	सचिव, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीएमए भवन, ए-1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	सदस्य
8.	अपर सचिव तथा वित्तीय सलाहकार, गृह मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
9.	प्रधान सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, असम सरकार, असम सचिवालय, दिसपुर, गुवाहाटी, असम	सदस्य
10.	अध्यक्ष, केंद्रीय जल आयोग, 315, सेवा भवन, आर.के. पुरम, नई दिल्ली	सदस्य
11.	निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोलकाता, जोका, डी.एच. रोड, कोलकाता-700104	सदस्य
12.	निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की-267667, उत्तराखंड	सदस्य
13.	निदेशक, नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टीटयूट, उथल रोड़, अहमदाबाद-500007	सदस्य
14.	उप-कुलपति, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट, दिल्ली -110006	सदस्य
15.	कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, भूखण्ड संख्या 15 ब्लॉक बी, पॉकेट 3, सेक्टर 29, रोहिणी, दिल्ली-110042	सदस्य सचिव

अनुलग्नक-III: एनआईडीएम द्वारा 01.11.2021 से 31.03.2022 तक आयोजित आमने-सामने प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	स्थान	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
1.	आपदा प्रबंधन में मनोसामाजिक देखभाल	अरबिंदो आश्रम और पीएसडीएमए, पुडुचेरी	08-12 नवंबर, 21	डॉ. अजिंदर वालिया	39
2.	सिटी डीएम योजना का निर्माण	यशदा, पुणे	08-12 नवंबर, 21	डॉ. आमिर अली खान	41
3.	जलवायु परिवर्तन में बहु जोखिम प्रबंधन: पश्चिमी हिमालय में सतत आर्थिक विकास और आजीविका	कश्मीर विश्वविद्यालय	08-12 नवंबर, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	100
4.	बड़ी सभाओं में भीड़ का प्रबंधन	भूमि और आपदा प्रबंधन संस्थान, केरल सरकार	09-13 नवंबर, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	55
5.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर)	एमएस विश्वविद्यालय	15-19 नवंबर, 21	डॉ. बालू आई	65
6.	आपदा प्रबंधन पर संकाय विकास कार्यक्रम	पेट्रोलियम और ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय (यूपीईएस)	22-26 नवंबर, 21	प्रो. सूर्य प्रकाश	130
7.	समुदाय आधारित सतत आपदा जोखिम प्रबंधन (सीबीडीआरएम) को संस्थागत बनाना	सेव द हिल्स, कलिम्पोंग, पश्चिम बंगाल	22-26 नवंबर, 21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	76
8.	समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन (सीबीडीआरएम)	विज्ञान प्रसार, नोएडा	22-26 नवंबर, 21	डॉ. अजिंदर वालिया	63
9.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण	जिला प्रशिक्षण केंद्र, गुंटूर	22-26 नवंबर, 21	डॉ. कुमार राका	81
10.	शहरी क्षेत्रों से जुड़ी संवेदनशीलता और जोखिम को समझना	मिरांडा हाउस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय	23-27 नवंबर, 21	डॉ. गरिमा अग्रवाल	126
			कुल		**776**
	दिसंबर, 2021				
11.	कोविड-19 महामारी पर केंद्रित आपदा प्रबंधन	रफी अहमद किदवई राष्ट्रीय डाक अकादमी (आरएकेएनपीए)	07-08 दिसंबर, 21	प्रो. सूर्य प्रकाश,	12
12.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर)	राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद	06-10 दिसंबर, 21	डॉ. बालू आई एवं श्री रंजन कुमार	114

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	स्थान	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
13.	तटीय क्षेत्रों में बहु-जोखिम मूल्यांकन और प्रबंधन	पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान (IPSHEM)-ONGC	13–17 दिसंबर, 21	प्रो. सूर्य प्रकाश	23
14.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर)	महात्मा गांधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान (MGSIPA)	13–17 दिसंबर, 21	डॉ. कुमार राका, एवं श्री रंजन कुमार	79
15.	आपातकालीन संचालन केंद्र और रसद अनुभाग की स्थापना और संचालन	यशदा, पुणे	13–17 दिसंबर, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	91
16.	आपदाओं में प्रथम प्रतिक्रियाकर्ताओं के लिए तनाव प्रबंधन	डॉ. मैरी चन्ना रेड्डी मानव संसाधन विकास संस्थान, तेलंगाना	21–23 दिसंबर, 21	डॉ. अजिंदर वालिया	16
17.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता के लिए क्षमता विकास	दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, दिल्ली	20–24 दिसंबर, 21	प्रो. सूर्य प्रकाश	44
18.	जलवायु अनुकूल बुनियादी ढांचा	आईएलडीएम, राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग, केरल सरकार	20–24 दिसंबर, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्ता	55
19.	आपदा प्रबंधन की मूल बातें तथा ईमारतों में आग और आपातकालीन रोकथाम	दिल्ली अग्नि सुरक्षा प्रबंधन अकादमी-एनआईडीएम परिसर	27–31 दिसंबर, 21	डॉ. गरिमा अग्रवाल	35
20.	आपदा पश्चात् आवश्यक्ताओं का आकलन और दीर्घकालीन रिकवरी	एनआईडीएम परिसर	27–31 दिसंबर, 21	प्रो. संतोष कुमार	35
21.	उत्तराखंड के जिला अधिकारियों के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता पर क्षमता विकास कार्यक्रम	वीर चंद्र सिंह गढ़वाली, सरकारी चिकित्सा विज्ञान और अनुसंधान संस्थान	27–31 दिसंबर, 21	प्रो. सूर्य प्रकाश	133
			कुल		**637**
	जनवरी, 2022				
22.	डीआरआर पर तटीय समुदायों की तैयारी और क्षमता में वृद्धि	भूमि और आपदा प्रबंधन संस्थान, केरल सरकार	03–07 जनवरी, 22	प्रो. सूर्य प्रकाश	52

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	स्थान	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
23.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर)	ग्रेटर विशाखापत्तनम नगर निगम (जीवीएमसी)	04–08 जनवरी, 22	श्री रंजन कुमार	129
			कुल		**181**
	मार्च, 2022				
24.	नदी तलछट और जल विज्ञान चरम: कारण, प्रभाव और प्रबंधन	सिविल इंजीनियरिंग विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान	07–11 मार्च, 22	प्रो. अनिल कुमार गुप्ता	73
25.	दिल्ली अग्नि सुरक्षा प्रबंधन अकादमी के सहयोग से मेट्रो शहरों में शहरी आपदा जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता	एनआईडीएम, परिसर	21–23 मार्च, 22	प्रो. सूर्य प्रकाश	45
26.	जिला आपदा प्रबंधन योजना की तैयारी एवं अद्यतनीकरण	सिपार्ड, अगरतला	21–25 मार्च, 22	श्री शेखर चतुर्वेदी	44
27.	भूकंप जोखिम शमन और जागरूकता समुदाय आधारित दृष्टिकोण	विज्ञान प्रसार, नॉएडा	21–25 मार्च, 22	डॉ. आमिर अली खान	63
28.	आपदा प्रबंधन में मनोसामाजिक देखभाल	एमजीएसआईपीए, चंडीगढ़	28 मार्च– 01 अप्रैल, 22	डॉ. अजिंदर वालिया	109
			कुल		**334**
			कुल योग		**1928**

अनुलग्नक-IV: एनआईडीएम द्वारा 01.04.2021 से 31.03.2022 तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
1.	औद्योगिक सुरक्षा और जोखिम प्रबंधन: हरित स्वच्छ और सुरक्षित उद्योग	05-07 अप्रैल, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	660
2.	शहरी आपदा प्रबंधन पर एफडीपी	12-14 अप्रैल, 21	श्री आशीष कुमार पांडा	363
3.	आपदा समुत्थानशील स्वास्थ्य देखभाल संरचना	13-16 अप्रैल, 21	डॉ. आमिर अली खान	285
4.	महामारी उपयुक्त व्यवहार के लिए जन आंदोलन पर आभासी प्रशिक्षण कार्यशाला	15-16 अप्रैल, 21	प्रो. सूर्य प्रकाश	61
5.	शहरी बाढ़ समुत्थानशील बुनियादी ढांचा, पशुधन और पशु सुरक्षा	22-24 अप्रैल, 21	प्रो. चंदन घोष	539
6.	घटना प्रतिक्रिया प्रणाली: मौलिक और मध्यम	26-28 अप्रैल, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	126
7.	स्कूल सुरक्षा	27-29 अप्रैल, 21	डॉ. अजिंदर वालिया	55
8.	उद्योगों में बहु-जोखिम सुरक्षा और आपदा न्यूनीकरण	26-28 अप्रैल, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	557
9.	शुष्क भूमि सुधार के लिए पारिस्थितिकी-आपदा न्यूनीकरण (डीआरआर)	26-28 अप्रैल, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	193
10.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर प्रक्रिया अभिविन्यास प्रशिक्षण (पीओटी) कार्यक्रम	26-28 अप्रैल, 21	श्री रंजन कुमार	357
11.	मीडिया और आपदा प्रबंधन	26-28 अप्रैल, 21	प्रो. सूर्य प्रकाश	907
12.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर प्रशिक्षक का प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम	26-30 अप्रैल, 21	डॉ. कुमार राका	327
13.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर प्रक्रिया अभिविन्यास प्रशिक्षण (पीओटी) कार्यक्रम	28-30 अप्रैल, 21	डॉ. बालू आई	662
14.	आपदा प्रबंधन योजना का ग्राम पंचायत विकास योजना के साथ एकीकरण	28-30 अप्रैल, 21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	213
15.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए नई उभरती चुनौतियां: नई रणनीति और 15 वां वित्त आयोग	28-30 अप्रैल, 21	प्रो. संतोष कुमार	255
16.	आपदा प्रभावित क्षेत्रों की महिलाओं के लिए उद्यमिता कौशल के विकास पर ईडीपी	28-30 अप्रैल, 21	डॉ. अजिंदर वालिया	105
17.	खेल में कोविड प्रोटोकॉल के विशेष संदर्भ के साथ आपदा प्रबंधन	30 अप्रैल-02 मई, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	264
		कुल		**5929**
	मई, 2021			
18.	जोखिम प्रबंधन और व्यापार निरंतरता	04-06 मई, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	564

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
19.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर सामग्री अभिविन्यास प्रशिक्षण (सीओटी) कार्यक्रम	05-07 मई, 21	श्री रंजन कुमार	59
20.	आपदा और आपात स्थिति में ग्रहों का स्वास्थ्य	10-12 मई, 21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	413
21.	कोविड-19 सेकेंड वेव और लॉजिस्टिक्स सप्लाई चेन प्रबंधन	11-13 मई, 21	प्रो. चंदन घोष	398
22.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर)	13-15 मई, 21	डॉ. बालू आई	486
23.	औद्योगिक बुनियादी ढांचे में समुत्थानशीलता विकसित करना	18-20 मई, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	542
24.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर प्रक्रिया अभिविन्यास प्रशिक्षण (पीओटी) कार्यक्रम	19-21 मई, 21	डॉ. बालू आई	368
25.	कोविड-19 महामारी उपयुक्त व्यवहार के लिए जन आंदोलन	19-21 मई, 21	प्रो. सूर्य प्रकाश	543
26.	आईआरएस: मौलिक और मध्यम	19-21 मई, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	451
27.	आपदा प्रभावित क्षेत्रों की महिलाओं के लिए कृषि व्यवसाय पर ईडीपी	19-21 मई, 21	डॉ. अजिंदर वालिया	103
28.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण और आपदा प्रबंधन	19-21 मई, 21	श्री आशीष कुमार पांडा	956
29.	समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन	26-28 मई, 21	डॉ. अजिंदर वालिया	730
30.	आपदा प्रबंधन और डीआरआर की मूल बातें	26-28 मई, 21	श्री आशीष कुमार पांडा	940
31.	कोविड-19 जैव आपदा-तैयारी, व्यावसायिक सेटिंग्स की प्रतिक्रिया और समुत्थानशीलता	27-29 मई, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	197
32.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर)	27-29 मई, 21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	1019
33.	स्कूल सुरक्षा योजना और सुरक्षा लेखा परीक्षा	27-29 मई, 21	डॉ. आमिर अली खान	101
34.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए नई उभरती चुनौतियां, नई रणनीति और 15 वां वित्त आयोग	27-29 मई, 21	प्रो. संतोष कुमार	570
35.	लैंगिक समानता, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास लक्ष्य	27-29 मई, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	1426
36.	कोविड-19 काल में स्कूली सुरक्षा	31 मई-02 जून, 21	डॉ. आमिर अली खान	1009
		कुल		**10875**
	जून, 2021			
37.	ग्राम पंचायत योजना (जीपीडीपी) के साथ आपदा जोखिम न्यूनीकरण को एकीकृत करना	01-04 जून, 21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	122
38.	आपदा तकनीकी वित्तीय, और क्षमता निर्माण के लिए समुत्थानशीलता	01-03 जून, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	568

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
39.	व्यापक आपदा प्रबंधन	02–04 जून, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	556
40.	सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमता	02–04 जून, 21	प्रो. सूर्य प्रकाश	664
41.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर प्रक्रिया अभिविन्यास प्रशिक्षण (पीओटी) कार्यक्रम	02–04 जून, 21	डॉ. कुमार राका	740
42.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर सामग्री अभिविन्यास प्रशिक्षण (सीओटी) कार्यक्रम	07–09 जून, 21	श्री रंजन कुमार	393
43.	42वें बैच (2019) के 29 आईएसएस परिवीक्षाधीनों के लिए आपदा प्रबंधन	07–11 जून, 21	प्रो. सूर्य प्रकाश	29
44.	सड़क सुरक्षा और परिवहन अवसंरचना समुत्थानशीलता	08–10 जून, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	546
45.	ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) के साथ डीएम योजना का एकीकरण	09–11 जून, 21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	992
46.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर)	09–11 जून, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	935
47.	कोविड–19 शमन और प्रबंधन में उद्योगों की भूमिका	09–11 जून, 21	प्रो. चंदन घोष	697
48.	कोविड–19 महामारी द्वितीय लहर की समझ, प्रतिक्रिया और तैयारी	11–13 जून, 21	प्रो. संतोष कुमार	145
49.	आपदा समुत्थानशीलता के लिए भविष्यपरक शोध	11–13 जून, 21	प्रो. चंदन घोष	285
50.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर प्रक्रिया अभिविन्यास प्रशिक्षण (पीओटी) कार्यक्रम	15–17 जून, 21	डॉ. बालू आई	497
51.	सतत स्थानों के लिए आपदा प्रतिरोधी अपशिष्ट प्रबंधन	16–18 जून, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	704
52.	कोविड–संकट के दौरान आपदा प्रबंधन	16–18 जून, 21	प्रो. सूर्य प्रकाश	448
53.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर प्रक्रिया अभिविन्यास प्रशिक्षण (पीओटी) कार्यक्रम	17–19 जून, 21	डॉ. बालू आई	294
54.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर प्रक्रिया अभिविन्यास प्रशिक्षण (पीओटी) कार्यक्रम	21–23 जून, 21	डॉ. कुमार राका	426
55.	उद्यम जोखिम प्रबंधन पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम	21–23 जून, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	353
56.	तटीय समुदाय आधारित सतत आपदा जोखिम न्यूनीकरण	21–23 जून, 21	डॉ. अजिंदर वालिया	776
57.	महामारी की स्थिति के दौरान बाढ़ जोखिम न्यूनीकरण	23–25 जून, 21	डॉ. आमिर अली खान	637
58.	पुल विफलताओं पर सम्मेलन: मानव निर्मित आपदा स्वास्थ्य आकलन और सड़कों, रेलवे और मेट्रो पर पुलों का मूल्यांकन	23–25 जून, 21	प्रो. चंदन घोष	345

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
59.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण और आपदा प्रबंधन पर एमडीपी कार्यक्रम	24-26 जून, 21	श्री आशीष कुमार पांडा	1047
60.	पूर्वोत्तर भारत में भूस्खलन जोखिम शमन और प्रबंधन	28-30 जून, 21	डॉ. आमिर अली खान	331
61.	समवर्ती आपदाएं और उत्तरजीविता सर्वोत्तम प्रथाएं	28-230 जून, 21	डॉ. अजिंदर वालिया	201
62.	कोविड-19 महामारी पर केंद्रित आपदा प्रबंधन	28-30 जून, 21	प्रो. सूर्य प्रकाश	52
63.	कोविड-19 महामारी के संदर्भ में आपदा प्रबंधन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण की मूल बातें	30 जून-02 जुलाई, 21	श्री आशीष कुमार पांडा	647
		कुल		**13430**
	जुलाई, 2021			
64.	समुदाय आधारित आपदा तैयारी	01-03 जुलाई, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	974
65.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण में युवाओं के लिए व्यापक क्षमता निर्माण कार्यक्रम	01-03 जुलाई, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	395
66.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर प्रक्रिया अभिविन्यास प्रशिक्षण (पीओटी) कार्यक्रम	05-07 जुलाई, 21	डॉ. कुमार राका	695
67.	स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा प्रणाली पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव विषय पर कार्यशाला सह संकाय विकास कार्यक्रम	05-09 जुलाई, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	247
68.	आपदा प्रबंधन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण में प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग पर क्षमता निर्माण	05-07 जुलाई, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	200
69.	ग्रामीण विकास नीतियों और कार्यक्रमों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु परिवर्तन समुत्थानशीलता का एकीकरण (एसआईआरडी-सिक्किम)	06-09 जुलाई, 21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	175
70.	कोलकाता में शहरी बाढ़ और यास(वायएएसएस) द्वारा तूफान वृद्धि प्रभाव	07-09 जुलाई, 21	प्रो. चंदन घोष	309
71.	शहरी और बुनियादी ढांचा प्रणालियों में अग्नि सुरक्षा-रोकथाम, लेखा परीक्षा और प्रतिक्रिया	12-14 जुलाई, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	1029
72.	स्कूल सुरक्षा और आपदा जोखिम न्यूनीकरण	14-16 जुलाई, 21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	509
73.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर प्रक्रिया अभिविन्यास प्रशिक्षण (पीओटी) कार्यक्रम	14-16 जुलाई, 21	श्री रंजन कुमार	329
74.	बाढ़ जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता	14-16 जुलाई, 21	प्रो. सूर्य प्रकाश	276
75.	लैंगिक आपदा और सतत समुदाय	15-17 जुलाई, 21	डॉ. अजिंदर वालिया	280

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
76.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर प्रक्रिया अभिविन्यास प्रशिक्षण (पीओटी) कार्यक्रम	21–23 जुलाई, 21	डॉ. बालू आई	282
77.	पारिस्थितिकी तंत्र बहाली और आपदा प्रबंधन	22–24 जुलाई, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	554
78.	सामुदायिक प्रतिक्रिया के माध्यम से कोविड–19 तीसरी लहर के प्रभाव को कम करना	26–28 जुलाई, 21	प्रो. संतोष कुमार	206
79.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर प्रक्रिया अभिविन्यास प्रशिक्षण (पीओटी) कार्यक्रम	26–28 जुलाई, 21	डॉ. बालू आई	254
80.	भू जोखिम विश्लेषण और प्रबंधन	26–28 जुलाई, 21	डॉ. आमिर अली खान	475
81.	कोविड–19 महामारी के दौरान समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन	28–30 जुलाई, 21	डॉ. अजिंदर वालिया	332
82.	व्यापक भूस्खलन जोखिम प्रबंधन	28–30 जुलाई, 21	प्रो. सूर्य प्रकाश	525
83.	अस्पताल आपदा तैयारी और प्रतिक्रिया	29–31 जुलाई, 21	डॉ. आमिर अली खान	624
		कुल		**8670**
	अगस्त, 2021			
84.	समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन	02–04 अगस्त, 21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	253
85.	आपदा और जोखिम प्रबंधन में नेतृत्व और आध्यात्मिकता पर संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)	02–04 अगस्त, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	678
86.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता में युवाओं की भागीदारी	04–06 अगस्त, 21	प्रो. सूर्य प्रकाश	217
87.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर प्रक्रिया अभिविन्यास प्रशिक्षण (पीओटी) कार्यक्रम	09–11 अगस्त–21	डॉ. कुमार राका	480
88.	आपदा पश्चात् आवश्यकताओं का आकलन (पीडीएनए)	11–13 अगस्त–21	डॉ. अनुराधा मौर्य	437
89.	विष जोखिम प्रबंधन और सर्वोत्तम अभ्यास	11–13 अगस्त–21	डॉ. अजिंदर वालिया	366
90.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर सामग्री अभिविन्यास प्रशिक्षण (सीओटी) कार्यक्रम	11–13 अगस्त–21	सुश्री डॉल्फी रमन	678
91.	युवा केंद्रित तटीय डीआरआर एवं आर	11–13 अगस्त–21	डॉ. हरजीत कौर	474
92.	युवा और मानसिक स्वास्थ्य, बुनियादी मनो–सामाजिक कौशल	12–14 अगस्त–21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	397
93.	कोविड–19 की तीसरी लहर के लिए तैयारी	16–18 अगस्त–21	डॉ. आमिर अली खान	101
94.	युवा: आपदा जोखिम न्यूनीकरण में भविष्य की संपत्ति	16–18 अगस्त–21	श्री अनिल कठैत	160
95.	आपदा प्रबंधन में ड्रोन की भूमिका	16–18 अगस्त–21	प्रो. चंदन घोष	298

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
96.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर सामग्री अभिविन्यास प्रशिक्षण (सीओटी) कार्यक्रम	18-20 अगस्त-21	श्री रंजन कुमार	295
97.	नदी की गतिशीलता, भारतीय नदियों में बाढ़ और तलछट खतरों का आकलन	23-25 अगस्त-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	481
98.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण	23-25 अगस्त-21	प्रो. सूर्य प्रकाश	182
99.	आपदा प्रबंधन	24-26 अगस्त-21	डॉ. एएल हलदर	301
100.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर प्रक्रिया अभिविन्यास प्रशिक्षण (पीओटी) कार्यक्रम	24-26 अगस्त-21	डॉ. बालू आई	264
101.	आपदा प्रबंधन योजना	24-26 अगस्त-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	384
102.	महिलाओं के नेतृत्व में सतत और विकेन्द्रीकृत जल संसाधन प्रबंधन-एक बहु-हितधारकों का परिप्रेक्ष्य	25-27 अगस्त-21	डॉ.कोपल वर्मा	219
103.	शहरी बाढ़ जोखिम शमन और प्रबंधन	25-27 अगस्त-21	डॉ. आमिर अली खान	105
104.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता के लिए प्रारंभिक चेतावनी और संचार	25-27 अगस्त-21	डॉ. राजू थापा	271
105.	सार्वजनिक भवनों में आग और आपातकालीन रोकथाम: अस्पताल और स्वास्थ्य सुविधाएं	25-27 अगस्त-21	डॉ. गरिमा अग्रवाल	699
106.	आपदा प्रबंधन के बुनियादी सिद्धांत	25-27 अगस्त-21	लेफ्टिनेंट कर्नल, डीसी वशिष्ठ, संयुक्त निदेशक	301
107.	प्रौद्योगिकी के माध्यम से आपदा और महामारी शमन के वर्तमान और भविष्य के रुझान	25-27 अगस्त-21	श्री अली हैदर	361
108.	समुत्थानशील बस्तियों के लिए स्थानिक योजना के माध्यम से पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली	25-27 अगस्त-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	74
109.	भारत के तटीय क्षेत्रों में लैंगिक सशक्तिकरण के संबंध में महामारी और जलवायु परिवर्तन के लिए सतत अनुकूलन	25-27 अगस्त-21	डॉ. अजिंदर वालिया	261
110.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर प्रक्रिया अभिविन्यास प्रशिक्षण (पीओटी) कार्यक्रम	26-28 अगस्त-21	डॉ. वर्तिका	255
111.	उभरते साइबर खतरे और समुत्थानशीलता के लिए रणनीतियाँ	31अगस्त-02- सितंबर-21	श्री माइकल इस्लेरी	428
		कुल		**9420**
	सितंबर, 2021			
112.	आपदा प्रबंधन के बुनियादी सिद्धांत	01-03 सितंबर, 21	लेफ्टिनेंट कर्नल, डीसी वशिष्ठ, संयुक्त निदेशक	292

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
113.	कॉलेज छात्रों के विशेष संदर्भ में आपदा मनो–सामाजिक देखभाल	01–03 सितंबर, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	415
114.	जलवायु समुथानशीलता एजेंडा के स्थानीयकरण पर उच्च स्तरीय नीति वार्ता: विजन 2050 और 2100 के लिए विजन	02–03 सितंबर, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	229
115.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर सामग्री अभिविन्यास प्रशिक्षण (सीओटी) कार्यक्रम	06–08 सितंबर, 21	डॉ. कुमार राका	382
116.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता के लिए क्षमता वृद्धि	06–08 सितंबर, 21	प्रो. सूर्य प्रकाश	275
117.	एसडीजी और हिंद महासागर द्वीप में तटवर्ती और अपतटीय नीली अर्थव्यवस्था	08–10 सितंबर, 21	डॉ. अजिंदर वालिया	272
118.	आपदा के बाद आवास पुनर्निर्माण: अतीत और भविष्य के पहलुओं से सबक'	08–10 सितंबर, 21	डॉ. गरिमा अग्रवाल	194
119.	सामुदायिक जुड़ाव के माध्यम से सामाजिक आर्थिक सूखा प्रबंधन	14–16 सितंबर, 21	प्रो. संतोष कुमार	84
120.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर सामग्री अभिविन्यास प्रशिक्षण (सीओटी) कार्यक्रम	15–17 सितम्बर, 21	डॉ. कुमार राका	248
121.	आपदा जोखिम प्रबंधन में समुदायों की भूमिका को सुदृढ़ बनाना: सीबीडीआरएम पर पुनर्विचार	15–17 सितम्बर, 21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	79
122.	पूर्व चेतावनी और प्रसार में युवाओं की भागीदारी	15–17 सितम्बर, 21	डॉ. राजू थापा	345
123.	आपदा प्रबंधन की मूल बातें	15–17 सितम्बर, 21	लेफ्टिनेंट कर्नल, डीसी वशिष्ठ, संयुक्त निदेशक	261
124.	मानवजनित खतरों और महामारी आपदाओं में डिजिटल इंडिया की भूमिका: प्रभाव आकलन	16–18 सितंबर, 21	डॉ. अजिंदर वालिया	315
125.	तटीय समुदाय में आपदा जोखिम न्यूनीकरण रणनीतियाँ	20–22 सितंबर, 21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	324
126.	जलवायु परिवर्तन शहरीकरण और बहु–खतरा प्रबंधन	20–22 सितंबर, 21	श्री अनिल कठैत	471
127.	लद्दाख के विशेष संदर्भ में हिमालयी क्षेत्र में आपदा जोखिम न्यूनीकरण	21–23 सितंबर, 21	डॉ. आमिर अली खान	118
128.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर सामग्री अभिविन्यास प्रशिक्षण (सीओटी) कार्यक्रम	22–24 सितंबर, 21	डॉ. बालू आई	274
129.	आपदा जोखिम सुभेद्यता मूल्यांकन और प्रबंधन	22–24 सितंबर, 21	डॉ. एएल हलदर	213
130.	भू–खतरों पर केन्द्रित आपदा प्रबंधन पर आभासी राष्ट्रीय सम्मेलन	23–24 सितंबर, 21	प्रो. सूर्य प्रकाश	407

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
131.	महामारी आपदा के दौरान खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में समुत्थानशीलता	23-25 सितंबर, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	124
132.	ध्रुवीय क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन संबंधी चुनौतियां	27-29 सितंबर, 21	डॉ. आमिर अली खान	282
133.	आपदा प्रबंधन की मूल बातें	27-29 सितंबर, 21	डॉ. हरजीत कौर	317
134.	मानव आवासों के लिए सुभेद्यता मूल्यांकन और समुत्थानशीलता विकास	27-29 सितंबर, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	285
135.	आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे और आगे की राह पर कार्यशाला सह एफडीपी	28-30 सितंबर, 21	श्री माइकल इस्लेरी	327
136.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर सामग्री अभिविन्यास प्रशिक्षण (सीओटी) कार्यक्रम	28-30 सितंबर, 21	श्री रंजन कुमार	80
137.	बाढ़ जोखिम प्रबंधन	28-30 सितंबर, 21	प्रो. सूर्य प्रकाश	130
138.	घटना प्रतिक्रिया प्रणाली: मौलिक और मध्यम	28-30 सितंबर, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	267
139.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु परिवर्तन के लिए नई उभरती चुनौतियाँ	28-30 सितंबर, 21	डॉ. अनुराधा मौर्य	298
140.	उद्योगों के लिए अग्नि और आपातकालीन रोकथाम के उपाय	28-30 सितंबर, 21	डॉ. गरिमा अग्रवाल	747
141.	समुदाय आधारित आपदा तैयारी	28-30 सितंबर, 21	श्री अली हैदर	56
142.	हिमालयी क्षेत्र में भू-खतरे और आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना	28-30 सितंबर, 21	डॉ.कोपल वर्मा	157
143.	सांस्कृतिक विरासत आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए क्षमता निर्माण और समुत्थानशीलता	29 सितंबर-01 अक्टूबर, 21	प्रो. संतोष कुमार	478
		कुल		**8746**
	अक्टूबर, 2021			
144.	जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन सह प्रशिक्षण	04-06 अक्टूबर, 21	डॉ. कोपल वर्मा	179
145.	शहरी जोखिम प्रबंधन	04-06 अक्टूबर, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	113
146.	मीडिया और आपदा प्रबंधन	04-06 अक्टूबर, 21	डॉ. राजू थापा	156
147.	शहरी क्षेत्रों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण	04-06 अक्टूबर, 21	डॉ. आमिर अली खान	59
148.	आपदा जोखिम और जोखिम न्यूनीकरण की मात्रा निर्धारित करना	05-07 अक्टूबर, 21	प्रो. संतोष कुमार	253
149.	बड़ी सभा में भीड़ का प्रबंधन	06-08 अक्टूबर, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	128

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
150.	जलवायु संबंधी खतरे और वित्तीय समुत्थानशीलता–आकाशीय बिजली पर विशेष ध्यान केन्द्रित करते हुए	06–08 अक्टूबर, 21	प्रो. संतोष कुमार	130
151	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर प्रक्रिया अभिविन्यास प्रशिक्षण (पीओटी) कार्यक्रम	07–09 अक्टूबर, 21	डॉ. कुमार राका	235
152.	जलवायु प्रेरित जलविद्युत आपदाओं, नीतियों और प्रबंधन पर सम्मेलन सह प्रशिक्षण	07–09 अक्टूबर, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	796
153.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर प्रक्रिया अभिविन्यास प्रशिक्षण (पीओटी) कार्यक्रम	11–13 अक्टूबर, 21	श्री रंजन कुमार	396
154.	आपदा से निपटने के लिए युवा नेतृत्व और कार्रवाई	11–13 अक्टूबर, 21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	248
155.	कार्यशाला सह क्षमता निर्माण कार्यक्रम: आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए परिवर्तन के एजेंट के रूप में महिलाएं: समुत्थानशीलता को सुदृढ़ करना	12–14 अक्टूबर, 21	डॉ. अजिंदर वालिया	176
156.	स्वास्थ्य–केरल पर एमएससी हैंडबुक की आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया पायलट परीक्षण	18–20 अक्टूबर, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	62
157.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर प्रक्रिया अभिविन्यास प्रशिक्षण (पीओटी) कार्यक्रम	20–22 अक्टूबर, 21	डॉ. बालू आई	336
158.	कोविड–19 महामारी के बीच शहरों की आपदा समुत्थानशीलता और प्रतिरोध क्षमता	20–22 अक्टूबर, 21	डॉ. हरजीत कौर	317
159.	जलवायु परिवर्तन के प्रति समुत्थानशीलता विकसित करना	20–22 अक्टूबर, 21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	236
160.	पहाड़ियों की समुत्थानशीलता क्षमता में वृद्धि	20–22 अक्टूबर, 21	श्री अनिल कठैत	520
161.	हिमाचल प्रदेश में समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन के माध्यम से आपदा समुत्थानशीलता	21–23 अक्टूबर, 21	डॉ. गरिमा अग्रवाल	133
162.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता	21–23 अक्टूबर, 21	प्रो. सूर्य प्रकाश	361
163.	एमएससी हैंडबुक पारिस्थितिकी तंत्र आधारित आपदा जोखिम न्यूनीकरण संरक्षण क्षेत्र का पायलट परीक्षण आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया–मणिपुर	21–23 अक्टूबर, 21	डॉ. श्वेता बैद्य	44
164.	विभिन्न स्थलाकृतिक क्षेत्रों में नदी के खतरे और सुरक्षा उपाय	25–27 अक्टूबर, 21	डॉ. एएल हलदर	105
165.	उत्तर कर्नाटक के बाढ़ ग्रस्त मैदान में प्रौद्योगिकी समर्थित बाढ़ पुनरावृत्ति आपदा न्यूनीकरण	25–29 अक्टूबर, 21	श्री अली हैदर	105
166	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर प्रक्रिया अभिविन्यास प्रशिक्षण (पीओटी) कार्यक्रम	25–27 अक्टूबर, 21	सुश्री डॉल्फी रमन	1237

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
167.	तटीय जोखिम प्रबंधन: समुत्थानशीलता की ओर रास्ता	25-27 अक्टूबर, 21	प्रो. सूर्य प्रकाश	147
168.	खाद्य और पोषण क्षेत्र और इको डीआरआर मॉड्यूल 1 पर बहु-क्षेत्रीय आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया हैंडबुक का पायलट सत्र-बिहार	25-27 अक्टूबर, 21	श्री माइकल इस्लेरी	357
169.	भूकंप और चक्रवात आपदा जोखिम न्यूनीकरण	26-28 अक्टूबर, 21	डॉ. आमिर अली खान	242
170.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर प्रक्रिया अभिविन्यास प्रशिक्षण (पीओटी) कार्यक्रम	27-29 अक्टूबर, 21	डॉ. वर्तिका	226
171.	सतत पर्यावरण पर्यटन और महामारी: सिक्किम की एक केस स्टडी	27-29 अक्टूबर, 21	डॉ. अजिंदर वालिया	296
172.	स्वास्थ्य सुविधाओं में समुत्थानशीलता का निर्माण	27-29 अक्टूबर, 21	डॉ. गरिमा अग्रवाल	183
173.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण में युवाओं की भूमिका	28-30 अक्टूबर, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	379
174.	नदी संबंधी आपदाएं और जोखिम न्यूनीकरण रणनीतियां	28-30 अक्टूबर, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	104
		कुल		**8259**
	नवंबर, 2021			
175.	पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित डीआरआर सहित आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया (शिक्षा) पर पायलट प्रशिक्षण - मध्य प्रदेश	09-11 नवंबर, 21	डॉ. श्वेता बैद्य	148
176.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता	10-12 नवंबर, 21	डॉ. हरजीत कौर	232
177.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन का मूल सिद्धांत	10-12 नवंबर, 21	श्री माइकल इस्लेरी	300
178.	शिक्षा क्षेत्र में आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर क्षमता वृद्धि	15-17 नवंबर, 21	डॉ. एएल हलदर	85
179.	भूस्खलन जोखिम प्रबंधन और भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम	15-17 नवंबर, 21	श्री अनिल कठैत	153
180.	यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम: कार्यान्वयन, अंतराल और आगे का रास्ता	16-17 नवंबर, 21	डॉ. अजिंदर वालिया	7
181.	डीआरआर एवं आर के लिए पूर्व चेतावनी और संचार	16-18 नवंबर, 21	डॉ. राजू थापा	273
182.	भारत में इको-डीआरआर सहित प्रतिक्रिया के लिए आपातकालीन आश्रय की तैयारी के लिए बहु-क्षेत्रीय समन्वय	16-18 नवंबर, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	84
183.	संचारी रोगों के लिए समुदाय आधारित आपदा जोखिम न्यूनीकरण प्रबंधन	22-24 नवंबर, 21	श्री अली हैदर	330
184.	गुजरात राज्य के लिए इको डीआरआर प्रशिक्षण के साथ भारत में प्रतिक्रिया के लिए आपातकालीन वॉश (डब्ल्यूएएसएच) की तैयारी के लिए बहु-क्षेत्रीय समन्वय	25-27 नवंबर, 21	डॉ. कोपल वर्मा	100

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
185.	पारिस्थितिकी तंत्र आधारित आपदा जोखिम न्यूनीकरण मॉड्यूल –2 का पायलट परीक्षण	दिसंबर, 21 29 नवंबर–01	श्री माइकल इस्लेरी	311
		कुल		**2023**
	दिसंबर, 2022			
186.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर सामग्री अभिविन्यास प्रशिक्षण (सीओटी) कार्यक्रम	07–09 दिसंबर, 21	श्रीमती नाजिया	142
187.	संग्रहालयों का आपदा जोखिम न्यूनीकरण	07–09 दिसंबर, 21	श्री अली हैदर	127
188.	नदी के मैदान में आपदा जोखिम प्रबंधन के लिए जन भागीदारी	07–09 दिसंबर, 21	डॉ. एएल हलदर	115
189.	निर्मित सुविधाओं की त्वरित–दृश्य जांच	07–09 दिसंबर, 21	डॉ. गरिमा अग्रवाल	220
190.	सतत विकास लक्ष्य संख्या 9 और 11: आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) के साथ एकीकरण	08–10 दिसंबर, 21	डॉ. रजनीश रंजन	265
191.	आपदा जोखिम प्रबंधन में व्यावसायिक स्वास्थ्य सुरक्षा	08–10 दिसंबर, 21	डॉ. श्वेता बैद्य	403
192.	भू–मौसम संबंधी खतरों के जोखिम न्यूनीकरण में पूर्व चेतावनी प्रणाली की भूमिका पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला	08–10 दिसंबर, 21	डॉ. राजू थापा	264
193.	महामारी के दौरान तनाव प्रबंधन	09–11 दिसंबर, 21	डॉ. कोपल वर्मा	136
194.	आपदा प्रबंधन की मूल बातें	13–15 दिसंबर, 21	डॉ. रजनीश रंजन	225
195.	आपात स्थिति में खाद्य सुरक्षा और पोषण में आधारभूत पाठ्यक्रम	20–22 दिसंबर, 21	श्री माइकल इस्लेरी	138
196.	जलवायु परिवर्तन के तहत एक बहु–जोखिम आपदा में बिग डेटा अनुप्रयोग	21–23 दिसंबर, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	215
197.	स्कूली सुरक्षा और महामारी में स्कूलों को फिर से सुरक्षित सुरक्षित रूप से खोलना	21–23 दिसंबर, 21	डॉ. हरजीत कौर	218
198.	समुदाय आधारित आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन	21–23 दिसंबर, 21	श्री अली हैदर	351
199.	सतत विकास लक्ष्य संख्या 6 और 14: आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) के साथ एकीकरण	22–24 दिसंबर, 21	डॉ. रजनीश रंजन	150
200.	जलवायु परिवर्तन और आपदाएं–अभिनव भू–स्थानिक समाधान	27–29 दिसंबर, 21	श्री अनिल कठैत	170
201.	आपदा प्रबंधन के लिए भू–स्थानिक अनुप्रयोग	28–30 दिसंबर, 21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	163
202.	स्कूली सुरक्षा	29–31 दिसंबर, 21	डॉ. रजनीश रंजन	234
		कुल		**3536**

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
	जनवरी, 2022			
203.	आपदा प्रबंधन की मूल बातें	05-07 जनवरी, 22	डॉ. गरिमा अग्रवाल	190
204.	आपदा समुत्थानशीलता और लिंग परिप्रेक्ष्य पर द्वीप जैव विविधता और सतत संसाधन प्रबंधन	05-07 जनवरी, 22	डॉ. गरिमा अग्रवाल	126
205.	उन्नत प्रौद्योगिकी के माध्यम से शहरी समुत्थानशीलता का निर्माण	10-14 जनवरी, 22	डॉ. श्वेता बैद्य	133
206.	समुदाय आधारित नियामक तंत्र और सांस्कृतिक निरंतरता को मजबूत करके पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण और आपदा जोखिम प्रबंधन	11-13 जनवरी, 22	डॉ. गरिमा अग्रवाल	205
207.	कोविड के ओमीक्रोन वेरियंट के खिलाफ तैयारी को बढ़ाना	13-15 जनवरी, 22	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	301
208.	स्कूलों को समुत्थानशील और सुरक्षित बनाना	18-20 जनवरी, 22	डॉ. हरजीत कौर	220
209.	निजी सुरक्षा उद्योग के साथ एकीकरण और आपातकालीन प्रक्रिया और आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) में इसकी भूमिका	18-20 जनवरी, 22	डॉ. रजनीश रंजन	228
210.	कोविड-19 प्रबंधन के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण समुत्थानशीलता और एहतियाती उपाय	19-21 जनवरी, 22	डॉ. एएल हलदर	381
211.	आपदा पश्चात् आवश्यकताओं का आकलन और दीर्घकालीन रिकवरी	19-21 जनवरी, 22	श्री अली हैदर	165
212.	सक्रिय कोविड-19 प्रतिक्रिया के दौरान जोखिम न्यूनीकरण के लिए तीव्र क्षमता वृद्धि	19-21 जनवरी, 22	प्रो. सूर्य प्रकाश	515
213.	दिल्ली और एनसीआर की बदलती जलवायु में मौसम और वायु गुणवत्ता का प्रभाव	19-21 जनवरी, 22	डॉ. सुषमा गुलेरिया	112
214.	स्कूली सुरक्षा	19-21 जनवरी, 22	डॉ. रजनीश रंजन	185
215.	कोविड-19 महामारी पर केन्द्रित आपदा प्रबंधन	20-21 जनवरी, 22	प्रो. सूर्य प्रकाश	24
216.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर ऑनलाइन सामग्री अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम (सीसीडीआरआर)	20-22 जनवरी, 22	डॉ. कुमार राका	1928
217.	एसडीजी12: जिम्मेदार खपत और उत्पादन	27-29 जनवरी, 22	डॉ. कोपल वर्मा	371
218.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर सामग्री अभिविन्यास प्रशिक्षण (सीओटी) कार्यक्रम	27-29 जनवरी, 22	डॉ. बालू आई	348
219.	आपदा प्रबंधन और जोखिम मूल्यांकन में उन्नत सॉफ्ट कंप्यूटिंग तकनीकें	27-29 जनवरी, 22	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	163

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
220.	पर्यावरण जैव विविधता और आपदा जोखिम प्रबंधन	27-29 जनवरी, 22	श्री शेखर चतुर्वेदी	267
221.	समुदाय आधारित आपदा-जोखिम प्रबंधन	31 जनवरी- 02 फरवरी, 22	श्री शेखर चतुर्वेदी	175
222.	महिलाओं के नेतृत्व में आपदा तैयारी और समुत्थानशीलता की अंतर-अनुभागीयता	31 जनवरी- 02 फरवरी, 22	श्री अनिल कठैत	237
		कुल		**6288**
	फरवरी, 2022			
223.	समुदाय आधारित आपदा तैयारी और प्रबंधन	01-03 फरवरी, 22	श्री अली हैदर	823
224.	नेट जीरो की ओर: स्थानिक योजना के माध्यम से ऊर्जा दक्षता सुगम बनाना	01-03 फरवरी, 22	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	130
225.	जलवायु परिवर्तन के तहत बाढ़ और सूखा जोखिम न्यूनीकरण	02-04 फरवरी, 22	डॉ. एएल हलदर	178
226.	तटीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता	02-04 फरवरी, 22	डॉ. हरजीत कौर	148
227.	ओडिशा में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों को सशक्त बनाना	09-11 फरवरी, 22	डॉ. सुषमा गुलेरिया	174
228.	व्यापक आपदा प्रबंधन	16-18 फरवरी, 22	श्री शेखर चतुर्वेदी	405
229.	आपदा प्रबंधन और शमन के लिए भू-सूचना विज्ञान में प्रगति	21-23 फरवरी, 22	डॉ. एएल हलदर	261
230.	आईआरएस: बेसिक और इंटरमीडिएट	21-23 फरवरी, 22	श्री शेखर चतुर्वेदी	128
231.	पर्वतीय नदियाँ और जोखिम आकलन यांत्रिकी, पूर्वानुमान और प्रति-उपाय	21-23 फरवरी, 22	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	233
232.	पश्चिमी घाट में प्राकृतिक खतरे और मानवजनित प्रभाव	23-25 फरवरी, 22	डॉ. अजिंदर वालिया	192
233.	घटना प्रतिक्रिया प्रणाली: मौलिक और मध्यम	23-25 फरवरी, 22	श्री शेखर चतुर्वेदी	100
234.	भारतीय सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण	23-25 फरवरी, 22	प्रो. संतोष कुमार	128
235.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता में प्रगति का पूर्वव्यापी दृष्टिकोण	23-25 फरवरी, 22	श्री अनिल कठैत	110
236.	समुदाय आधारित आपदा तैयारी और प्रबंधन	23-25 फरवरी, 22	प्रो. संतोष कुमार	1119
237.	स्वतंत्रता के बाद से मानव निर्मित आपदाएं और प्रतिक्रियाकर्ता के रूप में महिलाएं	23-25 फरवरी, 22	डॉ. कोपल वर्मा	343
238.	संस्थागत भवनों की मजबूती को बढ़ाने के लिए आपदा प्रबंधन योजनाएं	23-25 फरवरी, 22	डॉ. गरिमा अग्रवाल	204

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
239.	आधारभूत संरचना स्वास्थ्य मानचित्रण मानक और निर्मित सुविधाओं की रेट्रोफिटिंग	23-25 फरवरी, 22	डॉ. गरिमा अग्रवाल	232
240.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर)	24-26 फरवरी, 22	डॉ. कुमार राका	161
		कुल		**5069**
	मार्च, 2022			
241.	विद्युत क्षेत्र के लिए आपदा प्रबंधन	02-04 मार्च, 22	श्री अनिल कठैत	100
242.	आपदा जोखिम और समुत्थानशीलता नीतियां और प्रबंधन	07-09 मार्च, 22	डॉ. श्वेता बैद्य	211
243.	महिला नेतृत्व वाली आपदा तैयारी और समुत्थानशीलता के अंतर-अनुभागीय	08-10 मार्च, 22	डॉ. हरजीत कौर	218
244.	जलवायु संकट के संदर्भ में डीआरआर और एसडीजी को जोड़ना	09-11 मार्च, 22	डॉ. सुषमा गुलेरिया	259
245.	डीआरआर और सीसीए से युवाओं और किशोरो को जोड़ना	10-12 मार्च, 22	श्री रंजन कुमार	141
246.	आपदा तैयारी और प्रतिक्रिया प्रणाली-स्थानीय से वैश्विक स्तर तक के मुद्दे और चुनौतियां	10-12 मार्च, 22	प्रो. संतोष कुमार	630
247.	आपदा जोखिम प्रबंधन में युवाओं और किशोरों को शामिल करना	14-16 मार्च, 22	डॉ. कुमार राका	1224
248.	आपदा प्रबंधन और जोखिम न्यूनीकरण	14-16 मार्च, 22	डॉ. एएल हलदर	190
249.	कोविड-19 के समय में महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य	15-17 मार्च, 22	श्री अली हैदर	161
250.	डीआरआर में युवाओं और किशोरों को शामिल करना	21-23 मार्च, 22	सुश्री नाजिया शाइकी	143
251.	जलवायु परिवर्तन के कारण आने वाली बाढ़ आपदा का प्रबंधन	22-24 मार्च, 22	डॉ. श्वेता बैद्य	465
252.	स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के लिए व्यावसायिक स्वास्थ्य जोखिम और सुरक्षा उपाय	23-25 मार्च, 22	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	263
253.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण में प्रौद्योगिकियों की भूमिका	28-30 मार्च, 22	डॉ. सुषमा गुलेरिया	719
254.	कृषि और खाद्य सुरक्षा में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन	28-30 मार्च, 22	डॉ. कोपल वर्मा	116
255.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर)	28-30 मार्च, 22	डॉ. बालू आई	1487
		कुल		**6327**
		कुल योग		**88572**

अनुलग्नक-V: एनआईडीएम द्वारा 01.04.2021 से 31.03.2022 तक आयोजित वेबिनार

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
1.	जलवायु परिवर्तन और पोषण के लिए बच्चों की आवाज और भविष्य के लिए दृष्टिकोण1	7-अप्रैल-21	डॉ. कुमार राका	460
2.	पेट्रोलियम क्षेत्र के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता	8-अप्रैल-21	प्रो. सूर्य प्रकाश	263
3.	एनईएफसी-डीएमपी के लिए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के नोडल अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यशाला	8-अप्रैल-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	40
4.	अग्नि सुरक्षा और बच्चे	8-अप्रैल-21	डॉ. बालू आई	1607
5.	पेट्रोलियम क्षेत्र के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता	9-अप्रैल-21	प्रो. सूर्य प्रकाश	161
6.	जलवायु अनुकूल सामर्थ्यवान बच्चे और शिक्षा क्षेत्र	12-अप्रैल-21	डॉ. बालू आई	327
7.	हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में अग्नि सुरक्षा और आपदा प्रबंधन	15-अप्रैल-21	प्रो. सूर्य प्रकाश	200
8.	हाइड्रोकार्बन क्षेत्र से संबंधित आपदा	15-अप्रैल-21	श्री आशीष कुमार पांडा	81
9.	इंडक्शन ट्रेनिंग के दौरान पंजाब के परिवक्षाधीन पीसीएस अधिकारियों के लिए आपदा प्रबंधन	16-अप्रैल-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	10
10.	जलवायु परिवर्तन और अगली पीढ़ी का नेतृत्व	16-अप्रैल-21	श्री रंजन कुमार	420
11.	ऊर्जा सरंक्षण	17-अप्रैल-21	डॉ. आमिर अली खान	164
12.	सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार	17-अप्रैल-21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	95
13.	आपदा मनो-सामाजिक देखभाल	19-अप्रैल-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	130
14.	समावेशी और विशिष्ट महामारी टीकाकरण में सामुदायिक जागरूकता	22-अप्रैल-21	डॉ. अजिंदर वालिया	70
15.	आपदा जोखिम और पर्यटन क्षेत्र	22-अप्रैल-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	134
16.	कोविड-19 पुनरुत्थान और आगे का रास्ता	22-अप्रैल-21	श्री आशीष कुमार पांडा	176
17.	कोविड काल में वाश (डब्ल्यूएएसएच)	22-अप्रैल-21	श्री रंजन कुमार	340
18.	ऑनलाइन कक्षाओं पर महामारी का प्रभाव: शहरी और ग्रामीण स्कूलों के लिए चुनौतियां और समुत्थानशीलता	23-अप्रैल-21	डॉ. अजिंदर वालिया	79
19.	कोविड-19 लहर का पुन:आना: बच्चों की चिंता और सुरक्षा	24-अप्रैल-21	डॉ. कुमार राका	853
20.	बच्चों को प्राकृतिक आपदाओं से बचाना	24-अप्रैल-21	डॉ. बालू आई	946
21.	आपदा और जलवायु समुत्थानशील बुनियादी ढांचा	27-अप्रैल-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	92
22.	आपदा प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन: भविष्य की चुनौतियां-समाधान निष्पादन (सामुदायिक जुड़ाव)	27-अप्रैल-21	प्रो. संतोष कुमार	248

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
23.	शोध विद्यार्थी समुदाय में महामारी के प्रति समुत्थानशीलता और चुनौतियाँ	28-अप्रैल-21	डॉ. अजिंदर वालिया	44
24.	सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन: कोविड-19 की दूसरी लहर के बीच ऊर्जा संचार और समुत्थानशीलता निर्माण	28-अप्रैल-21	प्रो. संतोष कुमार	65
25.	कोविड-19 उपयुक्त व्यवहार	28-अप्रैल-21	डॉ. आमिर अली खान	127
26.	बदलते जलवायु और आपदा परिदृश्य में खाद्य और पोषण सुरक्षा	29-अप्रैल-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	99
27.	कॉलेज छात्रों के विशेष संदर्भ में आपदा मनो-सामाजिक देखभाल।	29-अप्रैल-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	156
28.	कोविड-19 लहर के दौरान अस्पताल प्रबंधन	29-अप्रैल-21	डॉ. आमिर अली खान	134
29.	जनजातीय समुदायों के लिए महामारी में सामुदायिक जागरूकता और टीकाकरण प्रबंधन	29-अप्रैल-21	डॉ. अजिंदर वालिया	82
30.	आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005	30-अप्रैल-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	683
31.	जंगल की आग: समाधान की तलाश	30-अप्रैल-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	226
		कुल		**8512**
	मई, 2021			
32.	6.4 की तीव्रता वाले असम भूकंप से शीघ्र रिकवरी, 28 अप्रैल, 2021	04-मई-21	डॉ. आमिर अली खान	275
33.	कोविड -19 प्रबंधन और आगे का रास्ता	04-मई-21	श्री आशीष कुमार पांडा	81
34.	द्वीप पर्यटन पर महामारी का सामाजिक आर्थिक प्रभाव	06-मई-21	डॉ. अजिंदर वालिया	24
35.	कॉलेज छात्रों के विशेष संदर्भ में आपदा मनो-सामाजिक देखभाल।	06-मई-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	544
36.	शहरी ग्रीष्म लहर और प्रबंधन	09-मई-21	श्री आशीष कुमार पांडा	172
37.	कोविड-19 के पुनरुत्थान के दौरान महिलाओं और बच्चों के मुद्दे	11-मई-21	डॉ. कुमार राका	578
38.	प्रमाणित कोविड रोगियों के लिए मानक प्रोटोकॉल	12-मई-21	प्रो. सूर्य प्रकाश	381
39.	जंगल की आग: मिजोरम में जोखिम शमन और प्रबंधन	12-मई-21	डॉ. आमिर अली खान	179
40.	डीआरआर के माध्यम से ग्रामीण भारत में सामुदायिक क्षमता निर्माण	13-मई-21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	152
41.	कोविड-19 का खतरनाक उदय: तथ्य और चुनौतियों	13-मई-21	प्रो. सूर्य प्रकाश	392
42.	द्वीप में मत्स्य पालन और तटीय पारिस्थितिकी तंत्र में महामारी का सामाजिक आर्थिक प्रभाव	13-मई-21	डॉ. अजिंदर वालिया	28

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
43.	महामारी के पुनरुत्थान के बीच किशोर स्वास्थ्य और मनो-सामाजिक सरोकार	13-मई-21	डॉ. बालू आई	977
44.	विश्व दूरसंचार और सूचना दिवस ऑनलाइन थीम: चुनौतीपूर्ण समय में डिजिटल परिवर्तन को गति देना	17-मई-21	डॉ. आमिर अली खान	220
45.	कोविड-19 के दौरान गर्भावस्था, बच्चे का जन्म और स्तनपान	19-मई-21	श्री रंजन कुमार	350
46.	आपदाओं में पूर्व चेतावनी विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्रयोग	20-मई-21	डॉ. प्रीति सोनी	330
47.	बच्चों और परिवारों के लिए कोविड-19 का गृह प्रबंधन	20-मई-21	डॉ. बालू आई	324
48.	कोविड -19 प्रतिक्रिया में समुदाय आधारित पहल	21-मई-21	प्रो. संतोष कुमार	263
49.	सुंदरबन पर महामारी का प्रभाव	23-मई-21	डॉ. अजिंदर वालिया	64
50.	महामारी के दौरान शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य	24-मई-21	श्री आशीष कुमार पांडा	545
51.	औद्योगिक प्रतिष्ठानों में भूकंप और अग्नि सुरक्षा	24-मई-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	287
52.	दिल्ली-एनसीआर में स्वच्छ वायु कार्यक्रम: अदृश्य स्वास्थ्य आपदाओं का शमन	25-मई-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	90
53.	टीकाकरण, मिथक और स्पष्टता	25-मई-21	श्री आशीष कुमार पांडा	369
54.	भारत में जलवायु परिवर्तन से सामाजिक आर्थिक नुकसान और नुकसान के आकलन में पद्धतिगत चुनौतियां	25-मई-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	428
55.	शिक्षा की निरंतरता: दूसरे लहर में प्रमुख चुनौतियाँ	26-मई-21	श्री रंजन कुमार	671
56.	समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन	26-मई-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	189
57.	मानसिक सहायता प्राथमिक चिकित्सा	27-मई-21	डॉ. आमिर अली खान	227
58.	आपूर्ति श्रृंखला जोखिम प्रबंधन	28-मई-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	340
59.	कोविड से कोविन	28-मई-21	डॉ. आमिर अली खान	237
60.	कोविड के पुनरुत्थान के बीच बाल श्रम और बाल विवाह	28-मई-21	श्री रंजन कुमार	207
61.	उद्यम जोखिम प्रबंधन: महामारी के बाद की दुनिया में पुन:कल्पित	28-मई-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	162
62.	सुंदरबन में अंतर्राष्ट्रीय सीमा व्यापार पर टीकाकरण के बाद का प्रभाव	29-मई-21	डॉ. अजिंदर वालिया	76
63.	हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता	31-मई-21	प्रो. सूर्य प्रकाश	157
		कुल		**9319**
	जून, 2021			

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
64.	हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता	01-जून-21	प्रो. सूर्य प्रकाश	146
65.	कोविड-19 पर पहली ऑनलाइन सलाहकार बैठक: भारत में तीसरी लहर: बच्चों की संवेदनशीलता और तैयारी	02-जून-21	प्रो. संतोष कुमार	58
66.	दोहरी आपदा: कोविड और चक्रवात-प्रभाव और आगे की राह	02-जून-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	351
67.	कोविड संकट से सबक: तीसरी लहर और उससे आगे के लिए स्वास्थ्य समुत्थानशीलता की योजना बनाना	04-जून-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	333
68.	आपदा में मानसिक स्वास्थ्य और मनोसामाजिक सहायता: सामुदायिक उत्तरजीवियों के लिए मनोवैज्ञानिक प्राथमिक उपचार	04-जून-21	प्रो. संतोष कुमार	216
69.	विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर विशेष कार्यक्रम और पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली पर एक दशक का शुभारंभ पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली पर पैनल चर्चा: जोखिम को स्थिरता में बदलना	04-जून-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	600
70.	पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित आपदा जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता	05-जून-21	प्रो. सूर्य प्रकाश	237
71.	विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इको सिस्टम बहाली और इको-डीआरआर	05-जून-21	श्री आशीष कुमार पांडा	311
72.	प्रकृति के साथ बेहतर संबंध के लिए विश्व पर्यावरण दिवस पारिस्थितिकी तंत्र बहाली	05-जून-21	डॉ. आमिर अली खान	568
73.	फिल्म निर्माण में डीआरआर को मुख्यधारा में लाना	08-जून-21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	228
74.	भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन)	09-जून-21	लेफ्टिनेंट कर्नल, डीसी वशिष्ठ, संयुक्त निदेशक	273
75.	फंगल संक्रमण और कोरोना वायरस: रोकथाम प्रबंधन	11-जून-21	डॉ. अजिंदर वालिया	72
76.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण में पर्यावरण और भूमि उपयोग के मुद्दे	11-जून-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	293
77.	आपदा प्रबंधन प्रणाली में साइबर सुरक्षा प्रौद्योगिकी की भूमिका	11-जून-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	94
78.	कोविड -19 तीसरी लहर और बच्चे: तथ्य, उभरते रुझान और चुनौतियां	12-जून-21	डॉ. कुमार राका	589
79.	12 जून 1987 को आए महा विनाशकारी शिलांग भूकंप की 124 वीं वर्षगांठ: उत्तर पूर्व भारत में भूकंप के जोखिम की तैयारी	12-जून-21	डॉ. आमिर अली खान	435

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
80.	कोविड-19 के मद्देनजर ग्रामीण और स्वदेशी महिलाओं में समुत्थानशीलता और आजीविका का निर्माण	14-जून-21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	141
81.	पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की आपदा प्रबंधन योजना के विकास के लिए जोखिम संवेदनशीलता और क्षमता विश्लेषण कार्यशाला	14-जून-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	60
82.	आपदाओं में खाद्य सुरक्षा	15-जून-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	475
83.	मिजोरम में भूस्खलन जोखिम शमन	15-जून-21	डॉ. आमिर अली खान	213
84.	वर्तमान महामारी: विकासशील देशों में सामुदायिक संकट और लैंगिक चुनौतियां	16-जून-21	डॉ. अजिंदर वालिया	231
85.	मरुस्थलीय समुदायों में महामारी का प्रभाव और टीकाकरण में चुनौतियाँ	18-जून-21	डॉ. अजिंदर वालिया	108
86.	जल शक्ति-जल संरक्षण	18-जून-21	श्री आशीष कुमार पांडा	795
87.	महामारी पुनरुत्थान के बीच बच्चों की खाद्य सुरक्षा और पोषण	18-जून-21	श्री रंजन कुमार	275
88.	कोविड-19 के संदर्भ में मानसिक भलाई और व्यवहार परिवर्तन संचार की आवश्यकता	19-जून-21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	393
89.	राष्ट्रीय रसायन आपदा प्रबंधन योजना तैयार करने के लिए क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला	21-जून-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	59
90.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता के लिए व्यक्तिगत वित्तीय प्रबंधन	22-जून-21	प्रो. सूर्य प्रकाश	301
91.	शिक्षा की निरंतरता: दूसरी लहर के दौरान बड़ी चुनौतियाँ	24-जून-21	डॉ. बालू आई	382
92.	व्यापक आपदा जोखिम न्यूनीकरण	24-जून-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	300
93.	जोखिम लेखा परीक्षा और संकट प्रबंधन	25-जून-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	313
94.	वर्तमान महामारी के दौरान मानसिक भलाई	25-जून-21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	808
95.	शिक्षण डिजिटलीकरण: बच्चों की सुरक्षा और संरक्षण के मुद्दे और चिंताएं	25-जून-21	श्री रंजन कुमार	390
96.	बाढ़ जोखिम प्रबंधन और विकल्प	28-जून-21	श्री आशीष कुमार पांडा	267
97.	सार्वजनिक और सरकारी संबंधों पर लॉकडाउन प्रभाव: चुनौतियाँ और सर्वोत्तम प्रथाएँ	28-जून-21	डॉ. अजिंदर वालिया	290
98.	आपदा प्रबंधन योजना तैयार करना	28-जून-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	310
99.	आपदा प्रबंधन योजना	29-जून-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	198
100.	कोविड-19 का प्रबंधन: अनुभव और पहल-क्या हम तीसरी लहर के लिए तैयार हैं?	29-जून-21	डॉ. आमिर अली खान	170
101.	कोविड -19 दूसरी लहर: महिलाओं और बच्चों पर प्रभाव	29-जून-21	डॉ. बालू आई	300

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
102.	कोविड -19 टीकाकरण: एनजीओ की भूमिका	30-जून-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	107
103.	बच्चों में सड़क और जीवन रक्षक तकनीकों का महत्व	30-जून-21	डॉ. कुमार राका	343
		कुल		**12033**
	जुलाई, 2021			
104.	आपदा प्रबंधन की मूल बातें	02-जुलाई-21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	239
105.	सतत विकास के लिए समुत्थानशील समुदाय	06-जुलाई-21	प्रो. संतोष कुमार	124
106.	सतत वन प्रबंधन: आपदा प्रबंधन और जोखिम न्यूनीकरण की ओर एक रास्ता	08-जुलाई-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	242
107.	भारत के आपदा जोखिम प्रबंधन में एनआईडीएम की भूमिका: नेपाल के लिए सबक	09-जुलाई-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	150
108.	कोविड-19 के बीच बाल समावेशी बाढ़ और चक्रवात की तैयारी	09-जुलाई-21	डॉ. बालू आई	289
109.	बाढ़ का खतरा: शमन, प्रबंधन और भवन प्रतिरोध क्षमता	10-जुलाई-21	डॉ. अजिंदर वालिया	135
110.	आपदा प्रबंधन की मूल बातें	12-जुलाई-21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	389
111.	त्रिपुरा में शहरी बाढ़: अनुभव और पहल	12-जुलाई-21	डॉ. आमिर अली खान	96
112.	महामारी के दौरान और उसके बाद सीखने की गुणवत्ता सुनिश्चित करना	12-जुलाई-21	श्री रंजन कुमार	292
113.	चक्रवात और तूफान में वृद्धि	13-जुलाई-21	प्रो. सूर्य प्रकाश	396
114.	कोविड-19 काल के दौरान हिमाचल प्रदेश में पर्यटन: मुद्दे, चुनौतियां और आगे का रास्ता	13-जुलाई-21	डॉ. आमिर अली खान	158
115.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण में प्रथम प्रतिक्रियाकर्ताओं की भूमिका	13-जुलाई-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	211
116.	पूर्वोत्तर शिक्षा प्रणाली पर महामारी का प्रभाव: ई प्लेटफॉर्म शिक्षण की चुनौतियां	14-जुलाई-21	डॉ. अजिंदर वालिया	125
117.	कार्य समूह की बैठक राष्ट्रीय रसायन और पेट्रोरसायन आपदा प्रबंधन योजना की तैयारी	14-जुलाई-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	24
118.	अनुसंधान हस्तक्षेप: जलवायु जोखिम शमन एक अकादमिक अवलोकन	15-जुलाई-21	डॉ. प्रीति सोनी	247
119.	टिकाऊ संरचनाओं के निर्माण की दिशा में भविष्यवादी दृष्टिकोण: सुंदरवन पर ध्यान केंद्रित करना	16-जुलाई-21	प्रो. चंदन घोष	221
120.	आपदा प्रबंधन योजना (डीएमपी)	17-जुलाई-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	183
121.	आकाशीय बिजली समुत्थानशील भारत	19-जुलाई-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	292

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
122.	मनोसामाजिक आपदा देखभाल	20-जुलाई-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	113
123.	कोविड-19 में बच्चों का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य	20-जुलाई-21	डॉ. कुमार राका	620
124.	गर्ज और बिजली	20-जुलाई-21	प्रो. सूर्य प्रकाश	593
125.	बाढ़ जोखिम न्यूनीकरण के लिए तैयारी	20-जुलाई-21	डॉ. आमिर अली खान	242
126.	कोविड-19 महामारी के दौरान बच्चों की सुरक्षा के लिए हेल्पलाइन	20-जुलाई-21	डॉ. बालू आई	394
127.	जलवायु परिवर्तन और महिलाओं और बच्चों पर इसके संभावित प्रभाव	21-जुलाई-21	डॉ. कुमार राका	1057
128.	सतत पहाड़ी क्षेत्र विकास	22-जुलाई-21	प्रो. सूर्य प्रकाश	232
129.	आपदा और विकास: हाल के मुद्दे और कोविड-19 से सबक ऑनलाइन एमओयू एक्सचेंज समारोह (एनआईडीएम और एसआरएमयू)	22-जुलाई-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	36
130.	जलवायु परिवर्तन का प्रभाव और सतत विकास लक्ष्य	22-जुलाई-21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	250
131.	एम6.5 तीव्रता के जुलाई 1720 का दिल्ली भूकंप 301वीं वर्षगांठ मेगा शहरों में भूकंप जोखिम न्यूनीकरण की योजना	23-जुलाई-21	डॉ. आमिर अली खान	283
132.	रिमोट सेंसिंग, जीआईएस और बाथमेट्री का उपयोग कर बाढ़ प्रबंधन	23-जुलाई-21	डॉ. एएल हलदर	270
133.	चमोली आपदा 2021 से सबक	26-जुलाई-21	प्रो. सूर्य प्रकाश	273
134.	महामारी में महिलाओं का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य	26-जुलाई-21	डॉ. अजिंदर वालिया	173
135.	बादल फटना और बाढ़	27-जुलाई-21	प्रो. सूर्य प्रकाश	918
136.	कोविड-19 के दौरान महिलाओं की वित्तीय बहाली	27-जुलाई-21	डॉ. अजिंदर वालिया	277
137.	अग्नि सुरक्षा और जोखिम प्रबंधन	29-जुलाई-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	457
138.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण में वित्तीय व्यवस्था: 15 वां वित्त आयोग और बीमा	29-जुलाई-21	प्रो. संतोष कुमार	217
139.	सूखे के लिए सामुदायिक समुत्थानशीलता	29-जुलाई-21	प्रो. संतोष कुमार	306
140.	असम में बार-बार भूकंप आना: कारण, प्रभाव और समाधान	30-जुलाई-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	164
141.	जैव विविधता संरक्षण	30-जुलाई-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	245
142.	हिमालय में जोखिम न्यूनीकरण के लिए रणनीतिक योजना	30-जुलाई-21	प्रो. संतोष कुमार	117
143.	स्थानीय स्तर पर बदलते जलवायु परिदृश्य में आपदा जोखिम न्यूनीकरण को मुख्यधारा में लाने में युवाओं की भूमिका	30-जुलाई-21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	150
144.	समुत्थानशीलता निर्माण के लिए क्षेत्रीय दृष्टिकोण: अनुकूलन और एसडीजी के साथ डीआरआर को एकीकृत करना	30-जुलाई-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	63

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
145.	स्नातक स्तर पर आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर पाठ्यचर्या विकास कार्यक्रम	30-जुलाई-21	डॉ. प्रीति सोनी	10
146.	आपदा के समय कमजोर बच्चों की रक्षा करना	30-जुलाई-21	श्री रंजन कुमार	311
		कुल		**11584**
	अगस्त, 2021			
147.	ओएनजीसी कर्मियों के लिए भूकंप जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता	02-अगस्त-21	श्री अनिल कठैत	391
148.	राष्ट्रीय रसायन और पेट्रोरसायन आपदा प्रबंधन योजना तैयार करने के लिए नोडल अधिकारियों के लिए एचआरवीसीए कार्यशाला	02-अगस्त-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	18
149.	ग्रीष्म लहर की तैयारी और प्रतिक्रिया	03-अगस्त-21	डॉ. राजू थापा	355
150.	कोविड -19: दिव्यांग बच्चे और सीखने की चुनौतियाँ	03-अगस्त-21	डॉ. कुमार राका	475
151.	गरज और बिजली से महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा	04-अगस्त-21	डॉ. बालू आई	471
152.	डीआरआर के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका	05-अगस्त-21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	211
153.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण और शहरी जोखिम प्रबंधन	06-अगस्त-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	193
154.	आपदा प्रबंधन में युवाओं की भूमिका	06-अगस्त-21	प्रो. सूर्य प्रकाश	85
155.	बाढ़ सुरक्षा उपाय	06-अगस्त-21	डॉ. अमृत लाल हलदर	337
156.	उत्तर पूर्वी राज्यों में ऑनलाइन शिक्षण: चुनौतियाँ और सर्वोत्तम अभ्यास	07-अगस्त-21	डॉ. अजिंदर वालिया	250
157.	विश्व स्वदेशी दिवस का उत्सव: किसी को पीछे नहीं छोड़ना	09-अगस्त-21	मिस्टर माइकल इस्लेरी	270
158.	सहभागी पूर्व-चेतावनी प्रणाली-युवा सहभागी प्रक्रियायें	09-अगस्त-21	डॉ. राजू थापा	336
159.	सुनामी जोखिम में न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता	10-अगस्त-21	डॉ. हरजीत कौर	342
160.	दक्षिण-पश्चिम मानसून और भूस्खलन उत्तर-पूर्वी राज्यों में सड़क नेटवर्क पर प्रभाव	10-अगस्त-21	डॉ. अजिंदर वालिया	245
161.	कोविड-19 में अनाथों की दुर्दशा	10-अगस्त-21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	80
162.	पीजी सर्टिफिकेट/डिप्लोमा कोर्स के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर पाठ्यचर्या विकास पर परामर्शदात्री कार्यशाला	10-अगस्त-21	डॉ. प्रीति सोनी	10
163.	बाढ़ पर पूर्व चेतावनी और संचार	11-अगस्त-21	प्रो. सूर्य प्रकाश	149
164.	आपदा समुत्थानशीलता बढ़ाने के लिए अनुसंधान और अभ्यास के बीच की खाई को पाटना-चुनौतियां और आगे का रास्ता	12-अगस्त-21	डॉ. गरिमा अग्रवाल	88
165.	जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदा प्रबंधन: भारत में चुनौतियां और संभावनाएं	12-अगस्त-21	डॉ. कोपल वर्मा	285

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
166.	आपदा प्रबंधन के लिए रिमोट सेंसिंग	12-अगस्त-21	डॉ. अमृत लाल हलदर	321
167.	पर्यावरण शिक्षा और बच्चों तथा युवाओं के बीच जागरूकता	12-अगस्त-21	सुश्री डॉल्फी रमन	112
168.	कोविड -19: बच्चों पर स्कूल बंद होने का मनोवैज्ञानिक प्रभाव	13-अगस्त-21	डॉ. कुमार राका	562
169.	युवा: आपदा के दौरान शारीरिक और मानसिक कल्याण	13-अगस्त-21	प्रो. सूर्य प्रकाश	399
170.	युवा: शोधकर्ताओं और पेशेवरों को आपदा समुत्थानशीलता बढ़ाने के लिए सशक्त बनाना	13-अगस्त-21	डॉ. गरिमा अग्रवाल	366
171.	जलवायु कार्रवाई और आपदा जोखिम प्रबंधन	16-अगस्त-21	डॉ. आमिर अली खान	232
172.	ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में शामिल कामकाजी समुदाय के लिए जोखिम न्यूनीकरण	17-अगस्त-21	श्री अली हैदर	324
173.	वर्तमान महामारी में आदिवासी बहुल क्षेत्र में ग्रामीण आजीविका, वित्तीय समावेशन और सार्वजनिक स्वास्थ्य में युवा हस्तक्षेप	17-अगस्त-21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	71
174.	पूर्वोत्तर राज्यों में महामारी टीकाकरण: चुनौतियां और समुत्थानशीलता	17-अगस्त-21	डॉ. अजिंदर वालिया	292
175.	हाल के तकनीकी विकास के संदर्भ में आपदाओं के शमन और प्रबंधन में अपनाई गई हस्तक्षेप रणनीतियों में उच्च शिक्षा की भूमिका	17-अगस्त-21	डॉ. प्रीति सोनी	506
176.	महिलाएँ और आपदाएँ: लुप्त महिला परिप्रेक्ष्य	17-अगस्त-21	डॉ. वर्तिका	102
177.	आपदा की तैयारी और योजना में युवाओं को शामिल करना	17-अगस्त-21	डॉ. आमिर अली खान	223
178.	बच्चे और प्राकृतिक आपदा: बच्चों की शिक्षा की एक केस स्टडी	18-अगस्त-21	डॉ. बालू आई	331
179.	मानवीय कार्रवाई में युवाओं की भागीदारी को मजबूत बनाना	19-अगस्त-21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	171
180.	जलवायु परिवर्तन समुत्थानशीलता के लिए युवा सशक्तिकरण	20-अगस्त-21	श्री अनिल कठैत	206
181.	आपदाओं के दौरान नेतृत्व की स्थिति में महिलाओं और बच्चों पर इसका प्रभाव	20-अगस्त-21	डॉ. वर्तिका	329
182.	आपदा मनो-सामाजिक देखभाल	21-अगस्त-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	120
183.	स्कूली ईमारतों की अवसंरचनाओं की प्रतिरोध क्षमता	23-अगस्त-21	डॉ. गरिमा अग्रवाल	123
184.	एम6.0 तीव्रता के अगस्त 1960 का दिल्ली भूकंप की 61वीं वर्षगांठ शहरी क्षेत्रों में भूकंप जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन पर वेबिनार	23-अगस्त-21	डॉ. आमिर अली खान	148
185.	ब्रह्मपुत्र की सहायक नदी पर जलवायु परिवर्तन और बाढ़ जोखिम प्रबंधन	24-अगस्त-21	डॉ. अजिंदर वालिया	218

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
186.	पहाड़ी रास्ता स्थायी अवसंरचना: चुनौतियां और प्रबंधन	24-अगस्त-21	डॉ. आमिर अली खान	150
187.	आपदा और आपात स्थिति: एक जीवन चक्र दृष्टिकोण	24-अगस्त-21	श्री रंजन कुमार	338
188.	एआर 6 जलवायु परिवर्तन 2021-भौतिक विज्ञान आधार (यूएन की आईपीसीसी रिपोर्ट 2021) थीम, भारत के समुत्थानशील भविष्य के लिए जोखिम कितना बड़ा है?	24-अगस्त-21	श्री अली हैदर	163
189.	हिमस्खलन और इसकी तैयारी	26-अगस्त-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	133
190.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए वित्तीय समुत्थानशीलता और वित्तीय साक्षरता का निर्माण	26-अगस्त-21	डॉ. अनुराधा मौर्य	109
191.	वर्तमान महामारी के संदर्भ में चक्रवात अम्फान से अंतदृष्टि	26-अगस्त-21	मिस्टर माइकल इस्लेरी	219
192.	व्यापक आपदा प्रबंधन	27-अगस्त-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	113
193.	अचल सांस्कृतिक विरासत के लिए डीआरआर और डीआरएम प्रथाओं की रूपरेखा और कार्यान्वयन	27-अगस्त-21	प्रो. संतोष कुमार	98
194.	भारत आपदा संसाधन नेटवर्क-(आईडीआरएन) हरियाणा राज्य के लिए।	27-अगस्त-21	लेफ्टिनेंट कर्नल, डीसी वशिष्ठ, संयुक्त निदेशक	49
195.	बच्चों के लिए समुत्थानशील शैक्षिक बुनियादी ढांचा विकसित करना	28-अगस्त-21	श्री रंजन कुमार	262
196.	भविष्य के आपदा जोखिम: आईपीसीसी छठी आकलन रिपोर्ट से अंतदृष्टि	28-अगस्त-21	डॉ. कोपल वर्मा	74
197.	आपदा के दौरान महिलाओं और किशोरियों के यौन और प्रजनन स्वास्थ्य और अधिकार (एसआरएचआर)	30-अगस्त-21	सुश्री डॉल्फी रमन	108
198.	तटीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता की दिशा में युवा सशक्तिकरण	31-अगस्त-21	डॉ. हरजीत कौर	180
199.	आग प्रेरित आपदा के लिए सामुदायिक तैयारी	31-अगस्त-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	143
200.	डीआरआर, पर्यावरण और आपदाओं पर पीएम का 10 सूत्री एजेंडा का बिन्दु 1	31-अगस्त-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	122
201.	कृषि आपदा प्रबंधन योजना के माध्यम से खाद्य एवं पोषण सुरक्षा	31-अगस्त-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	27
		कुल		**12035**
	सितंबर, 2021			
202.	भूकंप पूर्वसूचक अध्ययन और भूकंप पूर्व चेतावनी प्रणाली	01-सितंबर-21	डॉ. राजू थापा	599
203.	कोविड-19 और बच्चे पर कार्यशाला: एक ग्रामीण परिप्रेक्ष्य	02-सितंबर-21	डॉ. बालू आई	862
204.	बच्चे और आपदा: एक भारतीय संदर्भ	03 -सितंबर-21	डॉ. बालू आई	295
205.	बाढ़ प्रबंधन के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियां	06-सितंबर-21	डॉ. एएल हलदर	198

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
206.	उत्तर-पूर्वी राज्यों में कोविड-19 की भविष्यवाणी और प्रसार	07-सितंबर-21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	134
207.	गुरुग्राम में शहरी बाढ़: अनुभव और पहल	07-सितंबर-21	डॉ. आमिर अली खान	404
208.	शैक्षिक संस्थानों को फिर से खोलना: छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करना	08-सितंबर-21	श्री रंजन कुमार	376
209.	वर्तमान महामारी के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में प्राकृतिक संसाधन और पर्यावरण प्रबंधन	10-सितंबर-21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	156
210.	समुत्थानशीलता निर्माण: पारंपरिक संस्कृति और कला	10-सितंबर-21	प्रो. संतोष कुमार	112
211.	भूकंप जोखिम न्यूनीकरण: चुनौतियां और अवसर	10-सितंबर-21	श्री अनिल कठैत	213
212.	रासायनिक उद्योगों की सुरक्षा लेखापरीक्षा दिशानिर्देशों के लिए प्रमुख मुद्दे	13-सितंबर-21	डॉ. कोपल वर्मा	126
213.	नई सामान्य जीवन शैली और आपदा प्रबंधन में युवा	14-सितंबर-21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	277
214.	केरल में कोविड -19 महामारी और लैंगिक संदर्भ	14-सितंबर-21	डॉ. अजिंदर वालिया	207
215.	मिजोरम राज्य के लिए इंडिया आपदा संसाधन नेटवर्क- (आईडीआरएन)	14-सितंबर-21	लेफ्टिनेंट कर्नल, डीसी वशिष्ठ, संयुक्त निदेशक	28
216.	कृषि क्षेत्र में आपदा प्रबंधन	14-सितंबर-21	डॉ. एएल हलदर	116
217.	स्वास्थ्य अनुकूलन और समुत्थानशीलता: रणनीतियों को आगे बढ़ाना, ज्ञान और क्षमता प्रसार तथा भविष्य की रणनीति पर कार्यशाला	15-सितंबर-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	112
218.	सतत निर्माण के लिए नवीन सामग्री	15-सितंबर-21	डॉ. आमिर अली खान	239
219.	54वां इंजीनियर दिवस 2014 की कश्मीर बाढ़ से सीखे सबक	15-सितंबर-21	डॉ. आमिर अली खान	423
220.	जलवायु परिवर्तन और बाल स्वास्थ्य	15-सितंबर-21	डॉ. बालू आई	135
221.	अंतर्देशीय जल परिवहन क्षेत्र के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता	16-सितंबर-21	डॉ. हरजीत कौर	62
222.	कोविड के दौरान लड़कियों और महिलाओं के बीच रोजगार कौशल	16-सितंबर-21	डॉ. वर्तिका	123
223.	समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन	17-सितंबर-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	96
224.	अंतर्देशीय जल परिवहन क्षेत्र के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता	17-सितंबर-21	डॉ. हरजीत कौर	42
225.	समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन	17-सितंबर-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	165
226.	कोविड-19 के दौरान बाल अधिकारों की सुरक्षा	17-सितंबर-21	श्री रंजन कुमार	274
227.	असम में आपदाओं के संदर्भ में सामुदायिक समुत्थानशीलता का निर्माण	17-सितंबर-21	श्री माइकल इस्लेरी	219

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
228.	कोविड 19 महामारी: अनौपचारिक और श्रम बाजारों का आकलन	20 -सितंबर-21	डॉ. अजिंदर वालिया	189
229.	समुत्थानशील शहरों के लिए भौगोलिक योजना की आवश्यकता	20 -सितंबर-21	प्रो. संतोष कुमार	82
230.	अब हम कहां हैं-पांच साल बाद आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क	21-सितंबर-21	प्रो. संतोष कुमार	92
231.	एआर6 जलवायु परिवर्तन 2021-भौतिक विज्ञान आधार (यूएन की आईपीसीसी रिपोर्ट 2021) समुत्थानशील विकास और आपदा जोखिम की चुनौतियां	21-सितंबर-21	श्री अली हैदर	56
232.	पहाड़ों में डीआरआर के सामाजिक और शासन संबंधी मुद्दे	21-सितंबर-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	47
233.	खुदरा दुकानों के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण और तैयारी	22-सितंबर-21	डॉ. राजू थापा	146
234.	डीआरआर और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियां: लोगों को गोद से ज्ञान	23-सितंबर-21	डॉ. अनुराधा मौर्य	140
235.	हिमाचल प्रदेश में आपदा जोखिम को समझना और कम करना	23-सितंबर-21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	128
236.	युवा दिमाग के लिए आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में शैक्षिक और कैरियर के अवसरों की खोज	23-सितंबर-21	सुश्री डॉल्फी रमन	170
237.	बीमा के माध्यम से आपदा जोखिम वित्तपोषण-आपदा और बीमा जागरूकता-मासिक ऑनलाइन वेबिनार (डीआईए-एमओडब्ल्यू)	24-सितंबर-21	डॉ. अनुराधा मौर्य	112
238.	राष्ट्रीय कृषि आपदा प्रबंधन योजना (एनएडीएमपी): विमोचन कार्यशाला	24-सितंबर-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	61
239.	एआर6 जलवायु परिवर्तन 2021-भौतिक विज्ञान का आधार (यूएन की आईपीसीसी रिपोर्ट 2021) जलवायु परिवर्तन: मानवता के लिए लाल कोड	24-सितंबर-21	श्री अली हैदर	169
240.	बच्चों के स्वास्थ्य के अधिकार और कोविड-19	24-सितंबर-21	डॉ. कुमार राका	328
241.	सूखा रोधक और भावी खाद्य सुरक्षा के लिए नई अंतदृष्टि	25-सितंबर-21	डॉ. श्वेता बैद्य	54
242.	आपातकालीन संचालन केंद्र	27-सितंबर-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	136
243.	आपदा और जलवायु अनुकूल आजीविका	27-सितंबर-21	श्री माइकल इस्लेरी	50
244.	महामारी के दौरान चक्रवात जोखिम प्रबंधन पर फिर से विचार करना	27-सितंबर-21	प्रो. सूर्य प्रकाश	78
245.	भूकंप प्रतिरोधी अस्पताल अवसंरचना	27-सितंबर-21	डॉ. गरिमा अग्रवाल	167
246.	आपदा प्रबंधन योजना (डीएमपी)	27-सितंबर-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	102

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
247.	सतत विकास और डीआरआर के लिए पर्यटन	27-सितंबर-21	डॉ. आमिर अली खान	137
248.	आपदा प्रतिरोधी विरासत संरचना	27-सितंबर-21	डॉ. गरिमा अग्रवाल	167
249.	इनडोर वायु प्रदूषण और भारत में महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव	27-सितंबर-21	डॉ. कुमार राका	464
250.	हरित विकास के साथ समुत्थानशीलता: भविष्य का ईंधन	27-सितंबर-21	डॉ. कोपल वर्मा	55
251.	भारत आपदा संसाधन नेटवर्क-(आईडीआरएन) आंध्र प्रदेश राज्य के लिए	28-सितंबर-21	लेफ्टिनेंट कर्नल, डीसी वशिष्ठ, संयुक्त निदेशक	72
252.	सतत कृषि विकास के लिए प्राकृतिक आपदाएं और उनका शमन	29-सितंबर-21	प्रो. सूर्य प्रकाश	61
253.	पेट्रोल पंपों पर जोखिम मूल्यांकन और संकट प्रबंधन	29-सितंबर-21	श्री अनिल कठैत	316
254.	भविष्य के पर्वत: भू-वैज्ञानिक और तकनीकी मुद्दे	29-सितंबर-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	62
255.	महिला एवं बाल केंद्रित जल प्रबंधन: बिहार के परिप्रेक्ष्य में	29-सितंबर-21	डॉ. वर्तिका	122
256.	उत्तराखंड में समवर्ती आपदा: प्रबंधन और सर्वोत्तम अभ्यास	29-सितंबर-21	डॉ. अजिंदर वालिया	114
257.	सड़क निर्माण में औद्योगिक अपशिष्ट (स्लैग और फ्लाई ऐश) का उपयोग करते हुए आपदा प्रतिरोधी निर्माण, वेबिनार सीरीज-1	30-सितंबर-21	डॉ. गरिमा अग्रवाल	149
258.	डीआरआर के लिए कानूनी ढांचा और नीतियां	30-सितंबर-21	डॉ. श्वेता बैद्य	59
259.	एचपीएसडीएमए के सहयोग से हिमाचल प्रदेश राज्य के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क- (आईडीआरएन)	30-सितंबर-21	लेफ्टिनेंट कर्नल, डीसी वशिष्ठ, संयुक्त निदेशक	39
260.	आपदा प्रतिरोधी निर्माण अभिनव श्रंखला ''फ्लाई ऐश एग्रीगेट्स'' बनाम ट्रेडिशनल स्टोन एग्रीगेट्स	30-सितंबर-21	डॉ. गरिमा अग्रवाल	172
261.	कोविड-19 महामारी के समय में आजीविका समुत्थानशीलता का निर्माण	30-सितंबर-21	प्रो. संतोष कुमार	69
262.	उत्तराखंड में कोविड-19 का प्रभाव: प्रबंधन और सीखे गए सबक	30-सितंबर-21	डॉ. अजिंदर वालिया	152
263.	कोविड टाइम्स के दौरान पोषण में सुधार की चुनौतियाँ और अवसर	30-सितंबर-21	सुश्री डॉल्फी रमन	112
		कुल		**10622**
	अक्टूबर, 2021			
264.	शहरी समुत्थानशीलता का निर्माण: अनुभव और पहल	04-अक्टूबर-21	डॉ. आमिर अली खान	188
265.	आपदा और आपात स्थितियों में स्वयं की देखभाल: मानसिक कल्याण का मार्ग	04-अक्टूबर-21	डॉ. कुमार राका	372
266.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क	05-अक्टूबर-21	प्रो. सूर्य प्रकाश	107

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
267.	भारत आपदा संसाधन नेटवर्क-(आईडीआरएन) पंजाब राज्य के लिए	05-अक्टूबर-21	लेफ्टिनेंट कर्नल, डीसी वशिष्ठ, संयुक्त निदेशक	33
268.	जलवायु वार्तालाप अंतर्राष्ट्रीय अनुकूलन फ्यूचर्स सम्मेलन, 4-8 अक्टूबर, 2021: पर्वतीय पारिस्थितिक तंत्र में- अनुकूलन एक नाजुक भविष्य-पहाड़ों में हिमनद जोखिम और समुत्थानशीलता	05-अक्टूबर-21	प्रो. सूर्य प्रकाश	97
269.	बाल अधिकार सुनिश्चित करना और समुत्थानशीलता को बढ़ावा देना: एक जमीनी स्तर का केस स्टडी	05-अक्टूबर-21	डॉ. कुमार राका	432
270.	भारत में ग्रामीण समुदाय की बेहतर आजीविका प्रणाली के माध्यम से आत्म विकास के लिए लोगों की क्षमताओं को बढ़ाना	06-अक्टूबर-21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	85
271.	हिमालयी क्षेत्र में बाढ़	07-अक्टूबर-21	डॉ. राजू थापा	133
272.	शहरों के लिए बहु जोखिम आकलन पर परामर्श बैठक	07-अक्टूबर-21	डॉ. कोपल वर्मा	88
273.	आपदा प्रबंधन की मूल बातें	08-अक्टूबर-21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	208
274.	कश्मीर भूकंप की 16वीं वर्षगांठ, 2005 में आए भूकंप से बेहतर सबक	08-अक्टूबर-21	डॉ. आमिर अली खान	210
275.	आपदा प्रतिरोधी विमानपत्तन अवसंरचना	08-अक्टूबर-21	डॉ. गरिमा अग्रवाल	74
276.	महिलाओं और बाल केंद्रित हस्तक्षेपों और नीतियों के लिए सहानुभूति और संवेदनशीलता की अनिवार्यता	08-अक्टूबर-21	सुश्री डॉल्फी रमन	103
277.	महामारी-किशोर घरों, आश्रय गृहों में बच्चों पर प्रभाव, बाल शोषण और किशोर	09-अक्टूबर-21	डॉ. बालू आई	768
278.	आपदाएं और निर्मित पर्यावरण	11-अक्टूबर-21	प्रो. सूर्य प्रकाश	98
279.	जलवायु संकट और बच्चे: जिम्स (जेआईएमएस), ग्रेटर नोएडा, यूपी के सहयोग से एक मीडिया और संचार परिप्रेक्ष्य	11-अक्टूबर-21	श्री रंजन कुमार	339
280.	अंतर्राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस, 2021	11-अक्टूबर-21	डॉ. कोपल वर्मा	215
281.	महामारी रोग अधिनियम, 1897 और डीएम अधिनियम, 1987 और डीएम अधिनियम, 2005: सरकार और जनसंपर्क	11-अक्टूबर-21	डॉ. अजिंदर वालिया	143
282.	आपदा पश्चात् रिकवरी (बिल्ड बैक बेटर) भविष्य के लिए समुत्थानशीलता	12-अक्टूबर-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	101
283.	बड़ी सभा में भीड़ का प्रबंधन	12-अक्टूबर-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	99
284.	तलछट का जमाव और बांध स्थिरता	12-अक्टूबर-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	61
285.	ईंधन स्टेशनों में आपदा जोखिम प्रबंधन	13-अक्टूबर-21	डॉ. हरजीत कौर	238
286.	समुत्थानशीलता सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी): सांस्कृतिक विरासत	13-अक्टूबर-21	प्रो. संतोष कुमार	434

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
287.	भारत में आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए बहु-क्षेत्रीय समन्वय पर पुस्तिका का अनावरण	13-अक्टूबर-21	डॉ. श्वेता बैद्य	44
288.	अंतर्राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस 2021 पैनल चर्चा आपदा जोखिम न्यूनीकरण	13-अक्टूबर-21	प्रो. सूर्य प्रकाश	155
289.	जलवायु परिवर्तन और आपदाओं पर संगोष्ठी: सुभेद्यता और शमन रणनीतियाँ	13-अक्टूबर-21	श्री अनिल कठैत	106
290.	अंतर्राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस 2001 भुज भूकंप के बाद बेहतर पुर्ननिर्माण	13-अक्टूबर-21	डॉ. आमिर अली खान	68
291.	विभिन्न खतरों के लिए शिक्षा क्षेत्र में समुत्थानशीलता का निर्माण	13-अक्टूबर-21	डॉ. गरिमा अग्रवाल	61
292.	डीआरआर के साथ समुत्थानशील शहरों की योजना बनाना	14-अक्टूबर-21	डॉ. श्वेता बैद्य	34
293.	भारत में आदिवासी समुदायों की पारंपरिक प्रथाओं का संरक्षण	14-अक्टूबर-21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	103
294.	भू-खतरों और खनन आपदाओं पर ध्यान देने के साथ भू-नैतिकता पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला	14-अक्टूबर-21	श्री अनिल कठैत	118
295.	बुनियादी ढांचे और सामाजिक समुत्थानशीलता के लिए ईको-डीआरआर को बढ़ावा देना	14-अक्टूबर-21	मिस्टर माइकल इस्लेरी	140
296.	कोविड-19 महामारी के बाद बच्चों की मनो-सामाजिक तैयारी: एक जमीनी स्तर की केस स्टडी	18-अक्टूबर-21	श्री रंजन कुमार	722
297.	बच्चों को वेक्टर जनित रोग से बचाना	20-अक्टूबर-21	डॉ. बालू आई	287
298.	एआर6 जलवायु परिवर्तन 2021-भौतिक विज्ञान आधार (यूएन की आईपीसीसी रिपोर्ट 2021) जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के लिए प्रतिरोध क्षमता समपन्न सामुदायिक भवन	21-अक्टूबर-21	श्री अली हैदर	232
299.	वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन	21-अक्टूबर-21	डॉ. कोपल वर्मा	144
300.	राष्ट्रीय रसायन और पेट्रोरसायन आपदा प्रबंधन योजना की तैयारी के लिए कार्यदल की दूसरी बैठक	22-अक्टूबर-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	18
301.	आपदा जोखिम वित्तपोषण और बीमा आपदा और बीमा जागरूकता	22-अक्टूबर-21	डॉ. अनुराधा मौर्य	73
302.	सुरंग आपदा: मुद्दे और चुनौतियां	22-अक्टूबर-21	डॉ. एएल हलदर	79
303.	आपदा जोखिम शमन और सुरक्षा उपायों के लिए स्व-प्रबंधन कौशल	22-अक्टूबर-21	डॉ. गरिमा अग्रवाल	83
304.	महामारी में कानून और शासन	25-अक्टूबर-21	डॉ. अजिंदर वालिया	119
305.	कॉलेज के छात्रों के लिए आपदा मनो-सामाजिक देखभाल	26-अक्टूबर-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	85
306.	जलवायु कार्रवाई को सार्थन बनाना-महत्वाकांक्षा को वास्तविकता में बदलना	26-अक्टूबर-21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	54

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
307.	बिल्ड बैक वैटर: सीमेन्ट-ईट से आगे: वित्तीय बहाली और समुत्थानशीलता निर्माण	27-अक्टूबर-21	डॉ. अनुराधा मौर्य	62
308.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण में उच्च शिक्षा की भूमिका	27-अक्टूबर-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	139
309.	आपातकालीन संचालन केंद्र	27-अक्टूबर-21	श्री शेखर चतुर्वेदी	114
310.	भारत के विभिन्न राज्यों में आपदा परिवर्तनशीलता: अंतदृष्टि और अनुभव	28-अक्टूबर-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	51
311.	बिल्ड बैक बेटर: सीमेन्ट-ईट से आगे: सामाजिक बहाली और समुत्थानशीलता निर्माण	28-अक्टूबर-21	प्रो. संतोष कुमार	198
312.	एआर6 जलवायु परिवर्तन 2021-भौतिक विज्ञान आधार (यूएन की आईपीसीसी रिपोर्ट 2021) थीम: जलवायु परिवर्तन शमन में सामुदायिक जुड़ाव	28-अक्टूबर-21	श्री अली हैदर	271
313.	1999 के उड़ीसा सुपर साइक्लोन के बाद बेहतर निर्माण यूएनडीपी इंडिया (ओडिशा कार्यालय के सहयोग से सीखे गए सबक को धरातल पर उतारना)	29-अक्टूबर-21	डॉ. आमिर अली खान	72
314.	महामारी अपशिष्ट प्रबंधन: लक्षद्वीप द्वीप पारिस्थितिकी	29-अक्टूबर-21	डॉ. अजिंदर वालिया	54
315.	एकीकृत आपदा प्रबंधन और जोखिम न्यूनीकरण	29-अक्टूबर-21	मिस्टर माइकल इस्लेरी	49
316.	जलवायु परिवर्तन और आपदाएँ: बढ़ते शहरी जोखिम	29-अक्टूबर-21	प्रो. संतोष कुमार	60
317.	भारत आपदा संसाधन नेटवर्क-(आईडीआरएन) तमिलनाडु और पुडुचेरी राज्य के लिए	29-अक्टूबर-21	मेजर जनरल मनोज कुमार बिंदल, कार्यकारी निदेशक एनआईडीएम	224
318.	भारत आपदा संसाधन नेटवर्क-(आईडीआरएन) तमिलनाडु और पुडुचेरी राज्य के लिए	29-अक्टूबर-21	मेजर जनरल मनोज कुमार बिंदल, कार्यकारी निदेशक एनआईडीएम	224
319.	भूकंप के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण	29-अक्टूबर-21	डॉ. एएल हलदर	70
320.	1999 ओडिशा सुपर साइक्लोन: सीखे गए सबक और अभ्युदय को याद करना	29-अक्टूबर-21	डॉ. हरजीत कौर	106
321.	महिलाओं और बच्चों में स्वास्थ्य और पोषण	29-अक्टूबर-21	डॉ. वर्तिका	137
322.	आपदा और स्वास्थ्य व्यय: आर्थिक समुत्थानशीलता का निर्माण	29-अक्टूबर-21	प्रो. संतोष कुमार	80
323.	भारत में आपदा प्रबंधन: सशस्त्र बलों की भूमिका	29-अक्टूबर-21	डॉ. अजिंदर वालिया	73
324.	सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालीन प्रबंधन	29-अक्टूबर-21	डॉ. राजू थापा	55
		कुल		**9390**
	नवंबर, 2021			

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
325.	त्योहारों के दौरान सुरक्षित जन सम्मेलन और उत्सव	01–नवंबर–21	डॉ. हरजीत कौर	162
326.	पर्यावरण अनुकूल दीपावली का उत्सव	02–नवंबर–21	श्री माइकल इस्लेरी	140
327.	आपदा संचार और सूचना में रेडियो की भूमिका	02–नवंबर–21	डॉ. राजू थापा	173
328.	साइबर जोखिम शमन और आपदा प्रबंधन	02–नवंबर–21	श्री अनिल कठैत	235
329.	बाढ़ के खतरों के संदर्भ में आजीविका और जलवायु परिवर्तन समुत्थानशीलता	03–नवंबर–21	डॉ. कोपल वर्मा	78
330.	सुनामी विज्ञान और आपदा जोखिम न्यूनीकरण में प्रगति	05–नवंबर–21	डॉ. हरजीत कौर	191
331.	आपदा प्रबंधन की मूल बातें: प्रतिक्रिया, न्यूनीकरण और तैयारी	09–नवंबर–21	डॉ. कोपल वर्मा	126
332.	तकनीकी सत्र 1 आपदा के बाद के परिदृश्य में उत्पन्न ठोस अपशिष्ट के उपयोग और सुरक्षित निपटान के लिए चुनौतियां और समाधान	11–नवंबर–21	डॉ. गरिमा अग्रवाल	66
333.	भूकंपीय खतरे का आकलन	11–नवंबर–21	डॉ. एएल हलदर	53
334.	तकनीकी सत्र 2: आपदा के बाद के परिदृश्य में उत्पन्न ठोस अपशिष्ट के उपयोग और सुरक्षित निपटान के लिए चुनौतियाँ और समाधान	11–नवंबर–21	डॉ. गरिमा अग्रवाल	54
335.	तकनीकी सत्र 3: आपदा के बाद के परिदृश्य में उत्पन्न ठोस अपशिष्ट के उपयोग और सुरक्षित निपटान के लिए चुनौतियाँ और समाधान	12–नवंबर–21	डॉ. गरिमा अग्रवाल	80
336.	तकनीकी सत्र 4: आपदा के बाद के परिदृश्य में उत्पन्न ठोस अपशिष्ट के उपयोग और सुरक्षित निपटान के लिए चुनौतियां और समाधान	12–नवंबर–21	डॉ. गरिमा अग्रवाल	84
337.	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की राष्ट्रीय पर्यावरण वन और जलवायु आपदा प्रबंधन योजना की तैयारी के लिए सलाहकार समिति की बैठक	15–नवंबर–21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	20
338.	आपदा अनुसंधान में दृष्टिकोण पर विशेष गोलमेज कार्यशाला: स्थिति, जरूरतें और अवसर	15–नवंबर–21	डॉ. कोपल वर्मा	227
339.	आपदा जोखिम और समुत्थानशील निर्माण: करुणा और प्रेम	17–नवंबर–21	प्रो. संतोष कुमार	1 1
340.	बाढ़ से निपटने के लिए भविष्य के शमन और अनुकूलन के उपाय	17–नवंबर–21	डॉ. श्वेता बैद्य	221
341.	आपदाओं को समझने में नागरिक विज्ञान की भूमिका	18–नवंबर–21	श्री माइकल इस्लेरी	76
342.	समुदाय आधारित आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन के मूल सिद्धांत	18–नवंबर–21	श्री अली हैदर	220

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
343.	जलवायु परिवर्तन से हिमालयी क्षेत्र में खतरे	24-नवंबर-21	डॉ. एएल हलदर	150
344.	आपदा जोखिम वित्तपोषण और बीमा आपदा और बीमा जागरूकता-आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, पांडिचेरी, तमिलनाडु, तेलंगाना के लिए मासिक ऑनलाइन वेबिनार (डीआईए-एमओडब्ल्यू)	26-नवंबर-21	प्रो. संतोष कुमार	164
345.	आपदा के दौरान वन्यजीव स्वास्थ्य चुनौतियां	29-नवंबर-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	138
346.	उत्तरदाताओं की सुरक्षा-प्रशिक्षित प्रतिक्रियादाताओं के नुकसान से बचना	29-नवंबर-21	श्री अनिल कठैत	132
347.	कोविड-19 महामारी में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की व्यावसायिक और मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियां	29-नवंबर-21	डॉ. श्वेता बैद्य	85
348.	जल संबंधी आपदाएं और शमन रणनीतियां	30-नवंबर-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	64
349.	आपदाओं के दौरान प्रभावी संचार	30-नवंबर-21	डॉ. राजू थापा	188
350.	आपदाओं के खिलाफ तटीय सामुदायिक समुत्थानशीलता का निर्माण	30-नवंबर-21	श्री अली हैदर	155
		कुल		**3293**
	दिसंबर, 2021			
351.	भोपाल गैस त्रासदी की 37वीं वर्षगांठ-सीखे गए सबक और आगे की राह को याद रखना	02-दिसंबर-21	डॉ. राजू थापा	131
352.	खतरनाक रसायनों की सुरक्षा	02-दिसंबर-21	डॉ. कोपल वर्मा	225
353.	बहु-खतरा आपदा जोखिम और समुत्थानशीलता पर सलाहकार समिति की बैठक: शहर के स्तर पर आपदा समुत्थानशीलता में सुधार के लिए व्यावहारिक शिक्षा और चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका''	06-दिसंबर-21	डॉ. कोपल वर्मा	11
354.	पुस्तकालयों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन	06-दिसंबर-21	श्री अनिल कठैत	948
355.	रसायन और पेट्रोरसायन विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय भारत सरकार के लिए राष्ट्रीय रसायन और पेट्रोरसायन आपदा प्रबंधन योजना तैयार करने के लिए सलाहकार समिति की बैठक	07-दिसंबर-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	19
356.	पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एनईएफसी-डीएमपी) की डीएम योजना तैयार करना	08-दिसंबर-21	डॉ. श्वेता बैद्य	25
357.	ईंधन स्टेशनों पर आपदा जोखिम प्रबंधन	08-दिसंबर-21	डॉ. हरजीत कौर	156
358.	आपदा क्षति और हानि-रेखांकित कारणों का एक अध्ययन	09-दिसंबर-21	डॉ. श्वेता बैद्य	16
359.	ग्राम पंचायत विकास योजना (प्रज्ञा) (गुड़गांव) में आपदा जोखिम न्यूनीकरण का एकीकरण	10-दिसंबर-21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	538

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
360.	मेघालय और सिक्किम राज्य के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क आईडीआरएन	10-दिसंबर-21	मेजर जनरल मनोज कुमार बिंदल, कार्यकारी निदेशक एनआईडीएम	46
361.	मेघालय और सिक्किम राज्य के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क आईडीआरएन	10-दिसंबर-21	मेजर जनरल मनोज कुमार बिंदल, कार्यकारी निदेशक एनआईडीएम	46
362.	सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार (मॉड्यूल अनावरण)	13-दिसंबर-21	श्री माइकल इस्लेरी	205
363.	जल संसाधन प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन के तहत एकीकृत हाइड्रो-समुत्थानशीलता और स्थिरता	16-दिसंबर-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	124
364.	भारत में सूखा प्रबंधन: भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों की भूमिका	17-दिसंबर-21	डॉ. एएल हलदर	98
365.	डीएम और आरआर. के लिए राष्ट्रीय मानव संसाधन क्षमता विकास (एनएचआरसीडी) योजना	21-दिसंबर-21	डॉ. श्वेता बैद्य	29
366.	''समुत्थानशील समुदायों के लिए शहरी जोखिमों का शमन''	22-दिसंबर-21	श्री अली हैदर	253
367.	आपदा प्रबंधन में लैंगिक संवेदनशीलता को मुख्यधारा में कैसे लाया जाए	23-दिसंबर-21	श्री अली हैदर	185
368.	विकासशील और विकसित देशों में जलवायु परिवर्तन अनुकूलन	23-दिसंबर-21	डॉ. सुषमा गुलेरिया	73
369.	आपदा प्रलेखन और फोरेंसिक पर विशेष चर्चा: दृष्टिकोण और सबक	24-दिसंबर-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	53
370.	पर्यावरण भूकंप विज्ञान-भू-खतरों की निगरानी और पूर्व चेतावनी के लिए एक संभावित उपकरण	27-दिसंबर-21	डॉ. एएल हलदर	116
371.	डीआरआर दृष्टिकोण और सबक में कार्रवाई अनुसंधान पर विशेष चर्चा सत्र	28-दिसंबर-21	श्री माइकल इस्लेरी	89
372.	राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और जिलों में डीआरआर की जरूरतें: स्थानीय क्षमताओं का संदर्भ	29-दिसंबर-21	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	202
373.	समुदाय आधारित पूर्व चेतावनी प्रणाली	30-दिसंबर-21	डॉ. राजू थापा	168
374.	तटीय क्षेत्र योजना और प्रबंधन	30-दिसंबर-21	डॉ. हरजीत कौर	121
375.	भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण	31-दिसंबर-21	श्री अनिल कठैत	106
		कुल		**3983**
	जनवरी, 2022			
376.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति पर उच्च स्तरीय नीति गोलमेज (एसटीआईडी)	06-जनवरी-22	डॉ. कोपल वर्मा	95
377.	केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों की आपदा प्रबंधन योजना-बुनियादी ढांचा और व्यापार समुत्थानशीलता	12-जनवरी-22	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	125

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
378.	प्राकृतिक खतरों से जुड़े भूमि, महासागर, वायुमंडल, क्रायोस्फीयर और बायोस्फीयर युग्मन को समझने के लिए जमीनी और उपग्रह अवलोकन	17-जनवरी-22	डॉ. एएल हलदर	160
379.	जलवायु परिवर्तन के तहत जल संबंधी चरम घटनाओं का प्रबंधन	18-जनवरी-22	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	160
380.	बाढ़ और अपशिष्ट प्रबंधन अवसंरचना पर प्रभाव	19-जनवरी-22	डॉ. श्वेता बैद्य	178
381.	पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की डीएम योजना	20-जनवरी-22	डॉ. श्वेता बैद्य	37
382.	आपदा जोखिम प्रबंधन के लिए समुदाय आधारित योजना	21-जनवरी-22	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	93
383.	बहु जोखिम आपदा खतरा एवं समुत्थानशीलता: व्यवहारिक शिक्षण तथा शहरी स्तर पर सुधारात्मक आपदा समुत्थानशीलता के लिए कदम-दर-कदम मार्गदर्शिका	24-जनवरी-22	डॉ. कोपल वर्मा	17
384.	जल प्रणाली के खतरे-जोखिम शमन और तैयारी	25-जनवरी-22	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	137
385.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क 2015-2030, प्राथमिकता 1: जोखिम को समझना'	25-जनवरी-22	प्रो. संतोष कुमार	280
386.	पर्यावरणीय खतरे और जोखिम न्यूनीकरण	27-जनवरी-22	डॉ. एएल हलदर	155
387.	आपदा प्रबंधन-संसाधनों का कुशल उपयोग	27-जनवरी-22	श्री अली हैदर	293
388.	तटीय और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र समुत्थानशीलता संवर्धन	28-जनवरी-22	डॉ. हरजीत कौर	154
389.	आपदा प्रतिरोध के लिए एकीकृत दृष्टिकोण: एक संवाद	28-जनवरी-22	डॉ. श्वेता बैद्य	71
390.	शीत लहर के प्रति सावधानियां और तैयारी	28-जनवरी-22	श्री अनिल कठैत	109
391.	आपदा जोखिम वित्तपोषण और बीमा आपदा और बीमा जागरूकता-आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, पांडिचेरी, तमिलनाडु, तेलंगाना के लिए मासिक ऑनलाइन वेबिनार (डीआईए-एमओडब्ल्यू) गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, राजस्थान, मध्यप्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव	28-जनवरी-22	प्रो. संतोष कुमार	220
392.	सतत पहाड़ी क्षेत्र विकास के लिए भूकम्प जोखिम शमन	31-जनवरी-22	श्री अनिल कठैत	211
393.	सुभाष चन्द्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार विजेताओं से संवाद	31-जनवरी-22	श्री अली हैदर	312
394.	कोविड-19 महामारी के दौरान व्यवहारिक प्रतिक्रिया	31-जनवरी-22	डॉ. हरजीत कौर	65
		कुल		**2872**
	फरवरी, 2022			
395.	आपदा और समुदाय: भेद्यता, समुत्थानशीलता और तैयारी विरासत की एक खोज	04-फरवरी-22	प्रो. संतोष कुमार	163
396.	बहु-जोखिम आपदा खतरा और समुत्थानशीलता: शहर के स्तर पर आपदा समुत्थानशीलता में सुधार के लिए			

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
	व्यावहारिक शिक्षा और चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका	07–फरवरी–22	डॉ. कोपल वर्मा	09
397.	साइबर आपदा जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता	09–फरवरी–22	प्रो. सूर्य प्रकाश	146
398.	आपदा डेटाबेस: मुद्दे और अवसर	15–फरवरी–22	डॉ. श्वेता बैद्य	153
399.	सामाजिक अवसंरचना (स्वास्थ्य, शिक्षा और आवास क्षेत्र)	17–फरवरी–22	श्री अली हैदर	232
400.	नदी के पर्यावरण के लिए जोखिम आकलन, यांत्रिकी, भविष्यवाणी और प्रत्युपाय	18–फरवरी–22	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	115
401.	आपदा प्रबंधन में इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार की भूमिका	18–फरवरी–22	प्रो. सूर्य प्रकाश	102
402.	एकीकृत वन अग्नि प्रबंधन	22–फरवरी–22	डॉ. हरजीत कौर	65
403.	एकीकृत बाढ़ जोखिम प्रबंधन को सुदृढ़ बनाना	23–फरवरी–22	श्री अनिल कठैत	201
404.	भू जोखिम खतरा प्रबंधन इंफाल विश्वविद्यालय (मणिपुर)	24–फरवरी–22	डॉ. आमिर अली खान	143
405.	आपदा प्रबंधन विजन 2047	24–फरवरी–22	प्रो. अनिल कुमार गुप्त	113
406.	भारतीय संदर्भ में भूकंप पूर्वसूचक जांच	28–फरवरी–22	डॉ. एएल हलदर	111
407.	सीसीए और डीआरआर को विकास योजना की मुख्यधारा में लाना	28–फरवरी–22	डॉ. श्वेता बैद्य	58
408.	आपदा के दौरान मानसिक स्वास्थ्य को समझना	28–फरवरी–22	डॉ. सुषमा गुलेरिया	44
409.	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2022 एक सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण	28–फरवरी–22	श्री अली हैदर	232
410.	आपात स्थिति और आपदा प्रबंधन: जोखिम मूल्यांकन के लिए खतरा और खतरे की पहचान (टीएचआईआरए)	28–फरवरी–22	डॉ. हरजीत कौर	105
411.	आपदा जोखिम वित्तपोषण और बीमा आपदा और बीमा जागरूकता–बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, यूपी, पंजाब, उत्तराखंड के लिए मासिक ऑनलाइन वेबिनार (डीआईए–एमओडब्ल्यू)	28–फरवरी–22	प्रो. संतोष कुमार	172
412.	सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल और आपदा प्रबंधन क्षमताएं	28–फरवरी–22	श्री अनिल कठैत	167
413.	आपदा–प्रेरित आंतरिक विस्थापन: मुद्दे और अवसर	28–फरवरी–22	डॉ. कोपल वर्मा	383
		कुल		**2714**
	मार्च, 2022			
414.	बांध पुनर्वास और सुधार परियोजना (डीआरआईपी) केंद्रीय जल आयोग, भारत सरकार के सहयोग से बांध सुरक्षा और आपदा जोखिम प्रबंधन	02–मार्च–22	प्रो. सूर्य प्रकाश	111
415.	वन अग्नि प्रबंधन में सैटेलाइट रिमोट सेंसिंग की भूमिका	08–मार्च–22	डॉ. एएल हलदर	155
416.	रासायनिक आपदाओं के खिलाफ सार्वजनिक सुरक्षा	10–मार्च–22	प्रो. सूर्य प्रकाश	116

क्र.सं	पाठयक्रम का नाम	तिथि(यां)	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
417.	आपदा जोखिम प्रबंधन में युवाओं की भागीदारी (पीएम का 10 सूत्री एजेंडा का बिन्दु संख्या 1,3 और 9: एसडीजी: 3 और 5	10-मार्च-22	डॉ. कुमार राका	99
418.	औद्योगिक आपदा जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता	11-मार्च-22	प्रो. सूर्य प्रकाश	97
419.	महत्वपूर्ण अवसंरचना (ऊर्जा, बिजली और दूरसंचार)	15-मार्च-22	श्री अली हैदर	163
420.	भूस्खलन जोखिम खतरा मूल्यांकन और प्रबंधन-हिमाचल प्रदेश पर विशेष रूप से केन्द्रित	15-मार्च-22	डॉ. हरजीत कौर	123
421.	आपदा और जैव विविधता	19-मार्च-22	डॉ. कोपल वर्मा	152
422.	आपदा प्रतिरोधी समुदायों का निर्माण	23-मार्च-22	श्रेयश द्विवेदी	97
423.	मैंग्रोव और आपदा जोखिम न्यूनीकरण	25-मार्च-22	डॉ. श्वेता बैद्य	131
424.	रासायनिक/औद्योगिक आपदाओं के प्रबंधन पर चुनौतियां	28-मार्च-22	डॉ. अल हलदर	141
425.	भू-खतरे: जोखिम मूल्यांकन और शमन रणनीतियाँ	29-मार्च-22	डॉ. श्वेता बैद्य	251
426.	पूर्व चेतावनी प्रणाली के लिए आईओटी उपकरण	29-मार्च-22	श्री श्रेयश द्विवेदी	88
427.	स्कूली सुरक्षा के लिए आपदा तैयारी	29-मार्च-22	डॉ. कुमार राका	1044
428.	ग्रीष्म लहर तैयारी और प्रतिक्रिया	30-मार्च-22	श्री अनिल कठैत	152
429.	भारत में कोविड-19 महामारी प्रतिक्रिया और प्रबंधन	30-मार्च-22	श्री अनिल कठैत	332
430.	आपात स्थिति में मानसिक स्वास्थ्य का महत्व	31-मार्च-22	डॉ. कोपल वर्मा	68
431.	समुदाय आधारित सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल और आपदा प्रबंधन	31-मार्च-22	डॉ. हरजीत कौर	352
432.	वन अग्नि मानचित्रण और प्रबंधन के लिए जीआईएस आधारित उपकरण	31-मार्च-22	श्री श्रेयश द्विवेदी	142
		कुल		**3814**
		कुल योग		**90171**



nidm

Resilient India - Disaster Free India

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

(गृह मंत्रालय, भारत सरकार)

प्लॉट नं. 15, पॉकेट–3, ब्लॉक–बी, सेक्टर–29, रोहिणी, दिल्ली–110042

वेबसाईटः https://nidm.gov.in